cmyk

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस समूह

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

मध्यप्रदेश ■ राजस्थान ■ हरियाणा ■ छत्तीसगढ़ ■ महाराष्ट्र से प्रकाशित

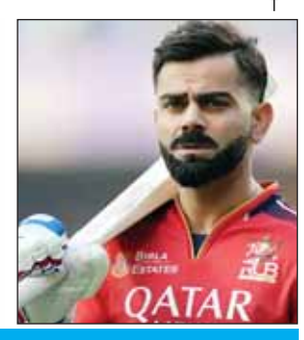

डाक पंजीयन क्रं. 173/15-17
5 सेंसेक्स 1200 अंक चढ़कर 82,531 पर बंद | सम्पादकीय | नापाक हरकतों से बाज नहीं आ रहा चीन | कैफ बोले-लगता है विराट टेस्ट खेलना जारी... 5

वर्ष 19 ● अंक 120 ई-पेपर के लिए लॉगइन करें -www.hindustanexpress.online | ग्वालियर, शुक्रवार 16 मई 2025 | email - hindustanexpressbhopal@gmail.com | मूल्य 2.00 रुपया, पृष्ठ 8

रक्षा मंत्री ने कहा क्या एक दुष्ट देश के हाथों में सुरक्षित हैं परमाणु हथियार?

रक्षामंत्री श्रीनगर में सैनिकों से मिले

आर.एन.एस

श्रीनगर। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को श्रीनगर का दौरा किया और सशस्त्र बलों से बातचीत की, उन्हें ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर बधाई दी। रक्षा मंत्री ने परमाणु हथियारों को संभालने की पाकिस्तान की क्षमता की आलोचना की और पूछा कि क्या पाकिस्तान जैसे ÷दुष्ट÷ राष्ट्र के हाथों में परमाणु हथियार सुरक्षित हैं। उन्होंने कहा, ÷दुनिया जानती है कि हमारी सेना का निशाना अचूक है और जब वो निशाना साधती है तो गिनती दुश्मनों पर छोड़ देती है। आज आतंकवाद के खिलाफ भारत का संकल्प कितना मजबूत है, इसका पता इसी बात से चलता है कि हमने उनके परमाणु ब्लैकमेल की भी परवाह नहीं की। पूरी दुनिया ने देखा है कि पाकिस्तान ने कितनी गैरजिम्मेदाराना तरीके से भारत को धमकाया है।÷ उन्होंने कहा, ÷आज श्रीनगर की धरती से मैं यह सवाल उठाना चाहता हूं कि क्या परमाणु हथियार ऐसे गैरजिम्मेदार और

दुष्ट राष्ट्र के हाथों में सुरक्षित हैं। मेरा मानना है कि पाकिस्तान के परमाणु हथियारों को अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) की निगरानी में लिया जाना चाहिए।÷ रक्षा मंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सशस्त्र बलों के नेतृत्व को दिया। राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान और आतंकवाद के खिलाफ जम्मू-कश्मीर के लोगों द्वारा दिखाए गए ÷गुस्से÷ की भी सराहना की। राजनाथ सिंह ने कहा, हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व और मार्गदर्शन में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान आपने जो किया, उस पर पूरे देश को गर्व है। मैं आपका रक्षा मंत्री हो सकता हूं, लेकिन उससे पहले मैं भारत का नागरिक हूं। जम्मू-कश्मीर के लोगों ने पूरी एकता के साथ पाकिस्तान और आतंकवाद के खिलाफ अपना गुस्सा जाहिर किया है। मैं जम्मू-कश्मीर के लोगों को बधाई देता हूं। मैं उस ऊर्जा को महसूस करने आया हूं, जिसने दुश्मन को तबाह कर दिया है। जिस तरह से आपने सीमा पार पाकिस्तानी चौकियों और बुनकरों को नष्ट किया है, दुश्मन उसे कभी नहीं भूल सकता।

केंद्रीय मंत्री ने अपने संबोधन की शुरुआत भारत माता की जय के नारे के साथ की और आतंकवाद के खिलाफ लड़ते हुए शहीद हुए सैनिकों को श्रद्धांजलि दी। राजनाथ सिंह ने कहा, ÷सबसे पहले मैं आतंकवाद और आतंकवादियों से लड़ते हुए वीर जवानों के सर्वोच्च बलिदान को नमन करना चाहता हूं। मैं उनकी स्मृति को नमन करता हूं। मैं पहलगाम में मारे गए निर्दोष नागरिकों को भी श्रद्धांजलि देता हूं। मैं घायल सैनिकों की वीरता को भी सलाम करता हूं और ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि वे जल्द से जल्द स्वस्थ हो जाएं।÷ इससे पहले, रक्षा मंत्री ने श्रीनगर जम्मू और कश्मीर के बादामी बाग छावनी में सैनिकों के साथ बातचीत की और ऑपरेशन सिंदूर के दौरान उनकी वीरता और साहस की सराहना करके उनका आत्मविश्वास बढ़ाया। राजनाथ सिंह के साथ जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला भी थे।सैनिकों के साथ बातचीत के दौरान रक्षा मंत्री ने जवानों के कंधे थपथपाए तथा उनसे हाथ मिलाकर अपनी सराहना व्यक्त की। राजनाथ सिंह ने उन पाकिस्तानी गोलों का भी निरीक्षण किया जो भारत द्वारा ऑपरेशन सिंदूर के तहत नौ आतंकवादी ठिकानों पर हमला करने के बाद सीमा पार से की गई गोलाबारी के दौरान जम्मू-कश्मीर में गिराए गए थे।

प्रदेश सरकार बहनों की मदद के लिए हमेशा तैयारः डॉ. मोहन यादव

लाड़ली बहना योजना के दो साल हुए पूरे, अब तक मिला 28 हजार करोड़ रूपए से अधिक का लाभ

लाड़ली बहनों को सम्मान देकर पूरा प्रदेश होता है गौरवान्वित

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राज्य सरकार प्रदेश के गरीब, किसान (अन्नदाता), युवा और नारी कल्याण के लिए संकल्पित है। भगवान श्रीराम की संस्कृति को मानते हुए सरकार अपने सभी वचन (संकल्प) पूर्ण कर रही है। मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के दो साल पूरे हो गये है। गुरूवार को प्रदेश की सवा करोड़ से अधिक लाड़ली बहनों को योजना की 24वीं किश्त जारी की गई है। हर महीने बहनों को 1250 रुपए राशि भेजकर हर माह रक्षाबंधन मनाया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारे देश में नारियों के सम्मान की परम्परा अनादि काल से है। हमने जो वादा बहनों से किया था उसे लगातार निभा रहें है। हम भगवान श्रीराम की संस्कृति को मानने वाले हैं जो वचन देते हैं उसे प्राण देकर भी निभाते हैं। लाड़ली बहना को सम्मान देकर पूरा प्रदेश गौरवान्वित होता है। प्रदेश की लाड़ली बहनों को अब तक 28 हजार करोड़

से अधिक का लाभ मिल चुका है। सरकार के द्वार बहनों के लिए सदैव खुले हैं। उन्होंने कहा कि बहन-बेटियों के खातों में पैसे पहुंचते हैं तो घर में लक्ष्मी बनी रहती है। भारत में पारिवारिक संस्कृति ऐसी है कि एक मां अपने हिस्से का भोजन बेटे को कराकर खुश होती है। भारत दुनिया का इकलौता ऐसा देश है, जहां भारत भूमि की पूजा मां के रूप में की जाती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गुरूवार को सीधी में विभिन्न योजनाओं के हितलाभ वितरण के साथ विकास कार्यों के लोकार्पण और भूमि-पूजन समारोह को संबोधित करते हुए यह विचार व्यक्त किए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सिंगल क्लिक से प्रदेश की 1 करोड़ 27 लाख लाड़ली बहनों के खातों में 1551 करोड़ 89 लाख रूपए की राशि का अंतरण किया। सामाजिक सुरक्षा पेंशन के 56 लाख 83 हजार हितग्राहियों के खातों में 341 करोड़ रूपए की राशि अंतरित की गई। साथ ही 26 लाख से अधिक बहनों को सिलेंडर रिफिलिंग की 30 करोड़ 83 लाख रूपए राशि का ट्रांसफर की गई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रिमोट का बटन दबाकर सीधी जिले में 112 करोड़ रूपए की लागत के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमि-पूजन भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि रीवा-सीधी क्षेत्र के विकास में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे।

बहनों के साथ किसान भाइयों के बैंक खातों में भी भेजी जा रही राशि

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार प्रत्येक माह बहनों के खातों में लाड़ली बहना योजना, किफायती दरों पर एलपीजी सिलेंडर रिफिल कराने के लिए सहायता राशि अंतरित कर रही है। इसी के साथ किसानों को प्रधानमंत्री किसान कल्याण योजना और मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि का भी लाभ दिया जा रहा है। प्रदेश की बहनों के साथ-साथ किसान भाइयों के बैंक खातों में भी पैसे भेजे जा रहे हैं। प्रदेश के समग्र विकास के लिए इस वित्तीय वर्ष में 4 लाख 21 हजार करोड़ रुपए का बजट पेश किया गया है।

... शेष पृष्ठ 05 पर

सीएम ने कहा ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से दुनिया ने देखा नया शक्ति संपन्न भारत

मुख्यमंत्री ने किया तिरंगा यात्रा को संबोधित

रोशनपुरा चौराहे से निकली यात्रा में सभी समाज और धर्मगुरूओं के साथ नागरिकों ने की व्यापक भागीदारी

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि बदलते दौर के भारत ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से दुनिया के सामने हमारी सेनाओं के साहस और शौर्य के प्रमाण दे दिए हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने स्पष्ट कर दिया है कि आपरेशन सिंदूर रूकेगा नहीं, हमारे घर के किसी भी कोने में कोई भी आतंकवादी गतिविधि करेगा तो भारत उसे घर में घुसकर मारेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरूवार की शाम भोपाल के रोशनपुरा चौराहे से प्रारंभ हुई तिरंगा यात्रा में शामिल होने के बाद सभा को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर विभिन्न धर्मगुरू, वरिष्ठ सांसद श्री वीडी शर्मा, सांसद श्री आलोक शर्मा, श्री महेंद्र सिंह जी, मंत्री श्री विश्वास सारंग, भोपाल की महापौर श्रीमती मालती राय, विधायक श्री रामेश्वर शर्मा, श्री भगवानदास सबनानी के अलावा श्री राहुल कोठारी, श्री सुमित पचौरी, श्री रविंद्र यति और अनेक जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। हाथों में तिरंगा लिए अनेक समुदायों के प्रतिनिधि, आम नागरिक बड़ी संख्या में तिरंगा यात्रा में उत्साह से शामिल हुए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कोई भी ताकत भारत को आगे बढ़ने से नहीं रोक सकती। लोकतंत्र मजबूत हो रहा है। हम सब सेना को सम्मान देने के लिए इस यात्रा में एकत्रित हुए हैं। ऑपरेशन सिंदूर से दुनिया ने हमारे हथियार भी देखे, हमारी एकजुटता भी

देखी, हमारे देश का पराक्रम भी देखा और पुरूषार्थ भी देखा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज हम सब पूरा देश आनंदित है। लगातार तिरंगा यात्राओं के माध्यम से पूरी दुनिया में संदेश जा रहा है। हमारे लिए सौभाग्य का क्षण है। भोपाल देश का दिल है। हमारे राफेल ने कमाल कर दिया। भारतीय सेना ने ऐतिहासिक शौर्य का प्रदर्शन किया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारत का आजादी के बाद यह चौथा युद्ध था। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में तीनों सेनाओं ने मिलकर जिस प्रकार का योगदान देकर आजादी के बाद चौथे युद्ध में 4 दिन में पाकिस्तान को धूल चटाने का काम किया, वह अभूतपूर्व है। हमारे देश की सेना ने ऐसा कार्य किया है, जो न भूतो न भविष्यति। पलक झपकने से पहले ही ब्रह्मोस मिसाइल ने एक के बाद एक बड़े-बड़े एयर वेज को ध्वस्त कर दिया। पाकिस्तान को समझ में ही नहीं आया कि वह करे क्या। हमने देखा रात के 11÷30 बजे जब पाकिस्तान के प्रधानमंत्री अपने राष्ट्रपति से बात करने गए तो उनकी आवाज नहीं निकल रही थी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री के शब्दों में कोई हमें छेड़ो मत और अगर छेड़ोगे तो हम छोड़ेंगे नहीं। यह बदलते दौर का भारत है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि दुश्मनों को जवाब देने में हमारी सेना पूरी तरह सक्षम है और हम कहीं से भी ढूंढकर दुश्मन को मार गिराएंगे। भारत दुश्मन को घर में घुसकर मारेगा। भारत का ऑपरेशन सिंदूर स्ट्राइक के रूप में मशहूर हो गया है।

सांसद श्री वीडी शर्मा ने कहा कि तीनों सेनाओं ने आतंकवादियों का खात्मा किया। गत 22 अप्रैल को पाकिस्तान प्रेरित आतंकवाद ने पहलगाम में बहनों के सिंदूर मिटाने का कार्य किया था। इसके बाद भारत ने जवाबी कार्रवाई में पाकिस्तान के आतंकवादी शिविरों को ध्वस्त कर दिया। सेनाओं के सम्मान में आज भोपाल हाथ में तिरंगे लेकर सड़कों पर निकला है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने बहनों के सिंदूर का सम्मान सुरक्षित रखने के लिए आतंवादियों को दुनिया के किसी भी कोने से ढूंढ निकालने का संकल्प लिया। सभी समाजों के धर्मगुरू और नागरिक तिरंगे और सेना के सम्मान में एकजुट हैं। कार्यक्रम के अंत में श्री रविन्द्र यति ने आभार व्यक्त किया।

ट्रम्प का यू टर्नः भारत में फैक्ट्रियां ना लगाएं, मैं नहीं चाहता एपल के प्रॉडक्ट वहां बनाएं

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने एपल सीईओ से कहा

आर.एन.एस

दोहा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने एपल के सीईओ टिम कुक से कहा है कि भारत में फैक्ट्रियां लगाने की जरूरत नहीं है। मैं नहीं चाहता हूं कि एपल के प्रोडक्ट वहां बनाएं। इंडिया अपना ख्याल खुद रख सकता है। ट्रम्प ने गुरुवार को कतर की राजधानी दोहा में बिजनेस लीडर्स के साथ कार्यक्रम में एपल सीईओ के साथ हुई बातचीत की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि एपल अब अमेरिका में प्रोडक्शन बढ़ाएगा। ट्रम्प के मुताबिक, एपल को सिर्फ भारतीय बाजार को टारगेट करने के लिए ही भारत में फैक्ट्री बनानी चाहिए।

वहीं, ट्रम्प ने कहा कि भारत ने हमें ट्रेड में जीरो टैरिफ डील की पेशकश की है। उन्होंने कहा की भारत हमसे ट्रेड में कोई चार्ज नहीं लेने को तैयार हैं। एपल के सीईओ टिम कुक ने हाल ही दिए एक इंटरव्यू में बताया है कि अमेरिकी बाजार में बिकने वाले 50त्न आईफोन भारत में बन रहे हैं। कुक ने कहा कि भारत अप्रैल-जून तिमाही में अमेरिका में बिकने वाले आईफोन्स का कंट्री ऑफ ओरिजिन बन जाएगा। उन्होंने बताया कि एयरपॉड्स, एपल वॉच जैसे अन्य प्रोडक्ट्स भी ज्यादातर वियतनाम में बनाए जा रहे हैं। कंपनी चाइना के मुकाबले कम टैरिफ की वजह से भारत और वियतनाम को प्राथमिकता दे रही है। चीन में ज्यादा टैरिफ के मुकाबले भारत और वियतनाम से इंपोर्ट पर सिर्फ 10त्न टैक्स है।

विधेयकों पर मंजूरी की डेडलाइन क्या सुप्रीम कोर्ट तय कर सकता

राष्ट्रपति मुर्मू ने कोर्ट से पूछे 14 सवाल

नई दिल्ली। तमिलनाडु सरकार बनाम राज्यपाल मामले में राज्य विधेयकों पर निर्णय लेने के लिए राज्यपाल और राष्ट्रपति पर समय सीमा तय करने वाले सुप्रीम कोर्ट के 8 अप्रैल के फैसले का कड़ा खंडन करते हुए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने इस तरह के फैसले की वैधता पर सवाल उठाया है और इस बात पर जोर दिया है कि संविधान में ऐसी कोई समय सीमा निर्धारित नहीं है। राष्ट्रपति के जवाब में इस बात पर प्रकाश डाला गया है कि भारत के संविधान के अनुच्छेद 200 में राज्यपाल की शक्तियों और विधेयकों को स्वीकृति देने या न देने की प्रक्रियाओं के साथ-साथ राष्ट्रपति के विचार के लिए विधेयक को सुरक्षित रखने का विवरण दिया गया है। हालाँकि, अनुच्छेद 200 में राज्यपाल

द्वारा इन संवैधानिक विकल्पों का प्रयोग करने के लिए कोई समय-सीमा निर्दिष्ट नहीं की गई है। इसी प्रकार, अनुच्छेद 201 विधेयकों पर सहमति देने या सहमति न देने के लिए राष्ट्रपति के प्राधिकार और प्रक्रिया को रेखांकित करता है, लेकिन यह इन संवैधानिक शक्तियों के प्रयोग के लिए कोई समय सीमा या प्रक्रिया निर्धारित नहीं करता है। इसके अलावा, भारत के संविधान में ऐसे कई उदाहरण हैं, जहाँ किसी कानून को राज्य में लागू होने से पहले राष्ट्रपति की सहमति की आवश्यकता होती है। अनुच्छेद 200 और 201 के तहत राज्यपाल और राष्ट्रपति की विवेकाधीन शक्तियाँ संघवाद, कानूनी एकरूपता, राष्ट्रीय अखंडता और सुरक्षा, और शक्तियों के पृथक्करण के सिद्धांत सहित कई विचारों द्वारा आकार लेती हैं। जटिलता को और बढ़ाते हुए, सुप्रीम कोर्ट ने इस बात पर विरोधाभासी निर्णय दिए हैं कि अनुच्छेद 201 के तहत राष्ट्रपति की सहमति न्यायिक समीक्षा के अधीन है या नहीं। राष्ट्रपति के जवाब में कहा गया है कि राज्य अक्सर अनुच्छेद 131 के बजाय अनुच्छेद 32 के तहत सुप्रीम कोर्ट का रुख करते हैं, जिससे संघीय सवाल उठते हैं, जिन्हें स्वाभाविक रूप से संवैधानिक व्याख्या की आवश्यकता होती है। अनुच्छेद 142 का दायरा, खास तौर पर संवैधानिक या वैधानिक प्रावधानों द्वारा शासित मामलों में, सर्वोच्च न्यायालय की राय की भी मांग करता है। राज्यपाल या राष्ट्रपति के लिए मान्य सहमति की अवधारणा संवैधानिक ढांचे का खंडन करती है, जो मूल रूप से उनके विवेकाधीन अधिकार को प्रतिबंधित करती है।

लखनऊ में चलती एसी बस में आग, 5 जिंदा जले

लखनऊ। गुरुवार सुबह चलती एसी बस में आग लग गई। हादसे में 5 यात्रियों की जलकर मौत हो गई। मृतकों में मां-बेटी, भाई-बहन और एक युवक है। बस में करीब 80 यात्री थे। स्लीपर बस बिहार के बेगूसराय से दिल्ली जा रही थी। हादसा सुबह 4.40 बजे आउटर रिंग रोड (किसान पथ) पर मोहनलालगंज के पास हुआ। उस वक्त ज्यादातर यात्री सो रहे थे। यात्रियों ने बताया कि बस में अचानक धुआं भरने लगा। लोगों को कुछ समझ नहीं आया। कुछ ही मिनटों में आग की तेज लपटें उठने लगीं। बस के अंदर भगदड़ मच गई। ड्राइवर और कंडक्टर बस छोड़कर भाग गए। ड्राइवर की सीट के पास एक एक्स्ट्रा सीट लगी थी। ऐसे में यात्रियों को नीचे उतरने में दिक्कत हुई। कई यात्री फंसकर गिर गए। आसपास के लोगों ने पुलिस और

फायर ब्रिगेड को सूचना दी। जब तक दमकल की गाड़ियां पहुंचीं, तब तक पूरी बस जल चुकी थी। दमकल ने करीब 30 मिनट में आग बुझाई। टीम अंदर पहुंची, तो जले हुए 5 शव मिले। परिवहन मंत्री दया शंकर सिंह ने कहा- बस का परमिट 2023 में ही समाप्त हो चुका था। मामले की जांच की जा रही है। दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। यात्री राम बालक महतो ने बस मालिक, ड्राइवर और क्लीनर के खिलाफ मोहनलालगंज थाने में तहरीर दी है। इंस्पेक्टर दिनेश कुमार सिंह ने बताया कि राम बालक की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया जा रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, शव इतनी बुरी तरह जल गए थे कि पहचान पाना मुश्किल था। दो बच्चों के शव सीट पर थे, जबकि दो महिलाओं और युवक का शव सीट के बीच में पड़ा था। लॉकेट और कड़ों से बच्चों की पहचान हुई।

मणिपुर : असम राइफल्स ने चंदेल में 10 उग्रवादी ढेर किये

चंदेल। मणिपुर के चंदेल जिले में गुरुवार को असम राइफल्स और उग्रवादियों के बीच मुठभेड़ में 10 उग्रवादी मारे गए। भारत-म्यांमार बॉर्डर पर सेना का सर्च ऑपरेशन जारी है। सेना की ईस्टर्न कमान ने बताया- 14 मई को न्यू समताल गांव के पास उग्रवादियों की गतिविधि की जानकारी मिली थी। इसके बाद असम राइफल्स की यूनिट ने सर्च ऑपरेशन चलाया। इसी दौरान उग्रवादियों ने जवानों पर फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी फायरिंग में 10 उग्रवादी मारे गए। इनके पास से बड़ी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद भी बरामद हुए हैं। इधर, सुरक्षाबलों ने मणिपुर के 4 जिलों में प्रतिबंधित उग्रवादी संगठनों से जुड़े सात उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। ये गिरफ्तारियां थोउबाल, काकचिंग, बिष्णुपुर और चुराचांदपुर जिलों से हुई हैं। कोहिमा में रक्षा जनसंपर्क अधिकारी (क्क्रह्र) ने न्यूज एजेंसी क्क्षद्ध को बताया कि इलाके में ऑपरेशन अभी खत्म नहीं हुआ है। जैसे ही ऑपरेशन पूरा होगा, पूरी जानकारी साझा की जाएगी।

एमपी मिनिस्टर शाह पर एफआईआर की भाषा से हाईकोर्ट नाराज

जबलपुर। कर्नल सोफिया कुरैशी पर मध्य प्रदेश के मंत्री के विवादित बयान पर दर्ज स्न्ढ्ढक्रकी भाषा पर हाईकोर्ट ने नाराजगी जताई है। हाईकोर्ट की डबल बेंच ने गुरुवार को मंत्री विजय शाह के खिलाफ स्न्ढ्ढक्रको सिर्फ खानापूर्ति बताया है। हाईकोर्ट ने कहा कि अब इस पुलिस जांच की निगरानी कोर्ट करेगी। जांच किसी दबाव में प्रभावित ना हो इसलिए ऐसा करना जरूरी है। हाईकोर्ट इस मामले में छुट्टियों के बाद फिर सुनवाई करेगा। सुप्रीम कोर्ट ने मंत्री विजय शाह की याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने पूछा कि आप हाईकोर्ट क्यों नहीं गए। आप किस तरह के बयान दे रहे हैं? देखना चाहिए कि कैसे हालात हैं? आप जिम्मेदार पद पर हैं, जिम्मेदारी निभानी चाहिए। मध्य प्रदेश सरकार- महाधिवक्ता प्रशांत सिंह ने कोर्ट को बताया कि कोर्ट के आदेश पर बुधवार शाम 7.55 बजे इंदौर के मानपुर थाने में विजय शाह के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर दी गई। जांच पुलिस कर रही है। हाईकोर्ट- जस्टिस अतुल श्रीधरन ने कहा कि यह किसी हत्या की जांच नहीं है, बल्कि एक आपत्तिजनक भाषण से जुड़ा मामला है। ऐसे में इसमें लंबी जांच की आवश्यकता नहीं है।

cmyk

जिला फुटबॉल एसोसिएशन से चंबल क्षेत्र की बेटी ने किया नाम रोशन

- हिन्दुस्तान एक्सप्रेस -

मुरैना। खेलो इंडिया यूथ गेम्स बीच सॉकर फुटबॉल में रिंकी लखेरा राष्ट्रीय फुटबॉल प्रतियोगिता में, मध्य प्रदेश फुटबॉल एसोसिएशन टीम से खेलेंगे। मध्य प्रदेश टीम बालाघाट में आयोजित राष्ट्रीय कैंप में मध्य प्रदेश के सभी खिलाड़ियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। दिनांक 09 मई से 15 मई तक आयोजित किया गया। मध्य प्रदेश फुटबॉल बीच सॉकर टीम 15 मई को को बालाघाट से ही दादर नगर हवेली दमन दीप के लिए खेलने के लिए रवाना हुई है। जिसमें बालाघाट सेक्रेटरी सुनील यादव ने सभी व्यवस्थाएं की, कैंप आयोजन

किए। खेलो इंडिया राष्ट्रीय प्रतियोगिता 19 मई से 25 मई तक दादर और नगर हवेली दमन दीप में आयोजित होगी। मध्य प्रदेश शासन और मध्य प्रदेश फुटबॉल संघ के सचिव अमित रंजन देव दादा की मार्गदर्शन में टीम का चयन हुआ और राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए रवाना हुई। रिंकी लखेरा पुत्री सुरेंद्र कुमार लखेरा ने बताया कि मुरैना जिला फुटबाल संघ के द्वारा संचालित पुलिस फुटबॉल ग्राउंड पर फुटबॉल कोच रामचंद्र सिंह तोमर के मार्गदर्शन में तैयारी करती हैं। रिंकी लखेरा भोपाल शिक्षा बोर्ड से दसवीं क्लास में 2025 वर्ष 90 प्रतिशत से पास होकर मुरैना जिले का नाम रोशन किया है और खेल में भी मुरैना चंबल संभाग का नाम रोशन कर रही हैं। रिंकी लखेरा के सिलेक्शन पर मुरैना के सभी अधिकारियों ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। पुलिस विभाग एडिशन एसपी मुरैना, लाइन आरआई शुक्ला, शिक्षा विभाग डीईओ सुधीर सक्सेना, हाकिम सिंह पचोरिया, मुकेश कुमार, प्राचार्य एक्सीलेंस स्कूल, रुस्तम सिंह राजपूत, खेल एवं युवा कल्याण विभाग प्रशांत कुशवाहा, युवा नेता सोनू परमार, जिला कीड़ा भारती मुरैना, योग समिति समस्त योग समिति एसएएफ मंदिर, गर्ल्स कॉलेज विनायक सिंह तोमर, हरेंद्र सिंह सिकरवार, बृजकांत परमार, अजय जादौन, मनोज सिंह तोमर, राजवीर सिंह राजपूत, सुजाता तोमर, गौतम यादव, कमल किशोर, गुरदीप सिंह, विवेक तोमर, अजय प्रताप सिंह सहित समस्त फुटबॉल खिलाड़ी शामिल हैं।

खिरावली तालाब के बंड पर सफाई कार्य किया

- हिन्दुस्तान एक्सप्रेस -

मुरैना। जल संसाधन संभाग मुरैना के अधीनस्थ जल संसाधन ए.बी.सी. उपसंभाग क्र. 3 मुरैना के अनुविभागीय अधिकारी गजेन्द्र सिंह गुर्जर, विभागीय मैदानी कर्मचारियों ने बुधवार को जल गंगा संवर्धन अभियान-2025 के अंतर्गत खिरावली तालाब के बंड पर जंगल सफाई का कार्य जन भागीदारी, जन सहयोग से किया गया। मौके पर गणमान्य नागरिकों ने विभागीय मैदानी कर्मचारियों के साथ श्रमदान किया।

आपदा प्रबंधन के संबंध में दिया गया प्रशिक्षण

- हिन्दुस्तान एक्सप्रेस -

मुरैना/पोरसा। मध्यप्रदेश शासन के निर्देशन में कलेक्टर अंकित अस्थाना के आदेशानुसार नागरिक सुरक्षा वॉलंटियर्स को आपदा संबंधी एवं नागरिक सुरक्षा संबंधी प्रशिक्षण पोरसा तहसील के एक निजी कॉलेज में दिया गया। इस अवसर पर एसडीएम अम्बाह रामनिवास सिकरवार, तहसीलदार, नायब तहसीलदार, जनपद सीईओ सहित एसडीआरएफ की टीम के सौरभ त्रिपाठी एवं कर्मचारियों मौजूद थे।

प्रशिक्षणार्थियों को आपदा प्रबंधन, इमरजेंसी रेस्क्यू मेथड्स, प्रथमोपचार, अग्नि आपदा प्रबंधन आदि का प्रशिक्षण दिया गया। आपदा प्रबंधन एवं नागरिक सुरक्षा संबंधी प्रशिक्षण होमगार्ड विभाग, प्रथमोपचार का प्रशिक्षण स्वास्थ्य विभाग, अग्नि प्रबंधन का प्रशिक्षण नगर परिषद द्वारा दिया गया। प्रशिक्षण में पोरसा तहसील से 250 वॉलंटियर्स द्वारा प्रशिक्षणार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। यह प्रशिक्षण नगर पालिका पोरसा, जनपद पंचायत पोरसा के अधिकारियों, कर्मचारियों को दिया गया। इसके पश्चात द्वितीय पाली में नगर पालिका अम्बाह और जनपद पंचायत अम्बाह के कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया गया।

जिला चिकित्सालय में आयुष्मान भारत निरामय योजना के पात्र हितग्राहियों की डायलिसिस मुफ्त

- हिन्दुस्तान एक्सप्रेस -

मुरैना। सिविल सर्जन डॉ. गजेन्द्र सिंह तोमर ने बताया है कि जिला चिकित्सालय में आयुष्मान भारत निरामय योजना के पात्र हितग्राहियों की डायलिसिस मुफ्त की जाती है। जिससे मरीजों को जीवन जीने की नई उम्मीद मिलती है और डायलिसिस शरीर को संतुलित रखता है। शरीर से विषाक्त पदार्थ बाहर निकलते है।

एमडी डॉ. योगेश तिवारी ने बताया कि डायलिसिस एक उपचार है, जो गुर्दे की विफलता में मदद करता है। जब गुर्दे रक्त को ठीक से साफ नहीं कर पाते, जब डायलिसिस द्वारा रक्त से अपशिष्ट तरल पदार्थ निकालने में मदद मिलती है। जिससे शरीर में विषैले पदार्थ का जमाव कम होता है। डायलिसिस द्वारा व्यक्ति जीवन जी

सकता है। डिप्टी मीडिया ऑफिसर श्रीमती रामललली माहौर ने ओपीडी वार्ड में प्रचार-प्रसार द्वारा आने वाले लोगों को जागरूक करते हुए बताया कि डायलिसिस की आवश्यकता तब पड़ती है, जब गुर्दे या किडनी काम करना बंद कर देते हैं। जिसके सामान्य लक्षण सांस लेने में तकलीफ़ थकान, मांशपेशियों में ऐठन, उल्टी, उच्च रक्तचाप आदि होते है। आरएमओ डॉ. डीएस यादव ने आमजन से अपील की है कि शरीर को संतुलित रखने और लम्बी उम्र जीवन जीने हेतु डायलिसिस का लाभ अवश्य लें।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने ईव्हीएम वेयर हाउस का निरीक्षण किया

- हिन्दुस्तान एक्सप्रेस -

मुरैना। निर्वाचन आयोग के आदेशानुसार ईव्हीएम वेयर हाउस का प्रतिमाह निरीक्षण करने के निर्देश है। निर्देशों के तहत कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अंकित अस्थाना ने मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में 15 मई को ईव्हीएम वेयर हाउस का निरीक्षण किया।

बाल संस्कार शिविर में बच्चों को कराए अनेक अभ्यास

- हिन्दुस्तान एक्सप्रेस -

मुरैना। भारत विकास परिषद शाखा एवं जैन इंटरनेशनल स्कूल के संयुक्त तत्वधान में दिनांक 10 मई 2025 से 25 मई 2025 तक 15 दिवसीय बाल संस्कार शिविर का आयोजन किया गया है। सर्व प्रथम गीता अध्ययन, योग, व्यायाम, राष्ट्रीय गीत, वक्तव्य, ताइकांडो, आर्ट एण्ड क्राफ्ट, संगीत गायन, नृत्य का अभ्यास कराया गया। इस कार्यक्रम का संचालन आसाराम प्रजापति के द्वारा किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में श्रीमती पूजा सेठी (पूर्व किशोर न्याय बोर्ड सदस्या और पूर्व लाइंस क्लब बेस्ट की अध्यक्षा) ने बच्चों को नैतिक शिक्षाप्रद कहानियां सुनाई गई।

आज के दिन बाल संस्कार शिविर में अतिथि के रूप में श्रीमती हेमा अग्रवाल (जिला महिला रक्तदान महादान प्रभारी) एवं श्री मुन्ना लाल जी अग्रवाल (अग्रवाल महासंघ)उपस्थित रहे। दोनों के द्वारा बच्चों को मोटिवेशन कहानियां सुनाई।आज के इस सत्र में प्रांतीय अध्यक्ष अमित जैन, अध्यक्ष अर्चना शर्मा, सचिव रजनी गुप्ता, कोषाध्यक्ष वीणा मोदी, (महिला सहभागिता प्रमुख) शुभा कोठरी, अंजू त्रिवेदी, शिवानी शर्मा, अल्का बंसल, श्रद्धा तोमर, (संस्कार प्रमुख) गौरव मोदी, राम गुप्ता, आनंद त्रिवेदी, राज कुमार तोमर, अनिल तिवारी, ओम मोदानी, सौरव अग्रवाल अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

पुलिस परिवार के बच्चों हेतु ब्राइटर मांड अल्फा प्रोग्राम ट्रेनिंग 2025

- हिन्दुस्तान एक्सप्रेस -

मुरैना। पुलिस मुख्यालय के आदेश के पालन मे समीर सौरभ पुलिस अधीक्षक मुरैना तथा सुरेन्द्र सिंह डावर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुरैना के निर्देशानुसार रविकांत शुक्ला रक्षित निरीक्षक मुरैना व सूबेदार गजेंद्र परिहार के मार्गदर्शन में हार्टफुलनेस संस्था कान्हा शांतिवनम् हैदराबाद से प्रशिक्षण प्राप्त ब्राइटर माइंड्स ट्रेनर प्रआर. गिरजाशंकर शर्मा, आर गौरव जाट द्वारा एवं हार्टफुलनेस जिला प्रिसेप्टर विमला शर्मा, दीपक भोला के सहयोग से 05 मई से पुलिस लाईन मुरैना के दिशा लर्निंग सेंटर में 09 दिवसीय ब्राइटर माइंड्स का अल्फा प्रोग्राम प्रारंभ किया गया। जिसमें पुलिस परिवार के कुल 25 बच्चों द्वारा इसका लाभ लिया गया

इस विशेष प्रशिक्षण का उद्देश्य मध्यप्रदेश पुलिस परिवारों के 05 से 15 वर्ष की आयु वर्ग के बच्चों के मानसिक एवं बौद्धिक विकास को सुदृढ करना है। जो आज दिनांक 13.05.2025 को उक्त प्रोग्राम के

9वें व अंतिम सेशन के साथ समापन किया गया। उक्त प्रोग्राम में प्रतिदिन बच्चों को हार्टफुलनेस संस्था कान्हा शांतिवनम् हैदराबाद द्वारा प्रदाय ब्राइटर माइंड ऑफ क्लासरूम एक्टिविटीज के अनुसार सर्कल टाइम, की टू सक्सेस, बीएम ब्रेन एक्सजसाइज, डांस, ब्रेक, फन, मोटिवेशनल वीडियोज, सुपर मेमोरी, इल्यूशन, आई एक्सरसाइज, ब्रीथिंग एक्सरसाइज, एचएफएन रिफ्लेक्शन, म्यूजिक एक और दो, ब्लाइंड फोल्ड एक्टिविटीज का प्रतिदिन अभ्यास कराया गया। अंतिम दिवस में सभी बच्चों द्वारा ब्लाइंडफोल्ड एक्टिविटी सफलतापूर्वक कम से कम एक बार की गई। ब्लाइंड फोल्ड एक्टीविटी में बच्चों ने आंखो पर पट्टी बांधकर बाल के रंग व कार्ड के नम्बर ओर रंग की पहचान कर अपनी एकाग्रता व मानसिक क्षमता का प्रदर्शन किया। सभी बच्चों द्वारा उक्त कोर्स को रूचिपूर्वक एवं उत्साहपूर्वक किया गया एवं ब्राइटर माइंड कोर्स को लेकर सभी बच्चों में प्रतिदिन उत्साह देखने को मिला।

जौरा को मिली दूसरी मुख्यमंत्री संजीवनी क्लिनिक की सौगात

- अखिल माहेश्वरी ने उपमुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल का जताया आभार

- हिन्दुस्तान एक्सप्रेस -

मुरैना/जौरा। नगरवासियों के लिए अत्यंत खुशी और गौरव का विषय है। कि जौरा नगर को शीघ्र ही द्वितीय नवीन मुख्यमंत्री संजीवनी क्लिनिक की सौगात मिलने जा रही है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, मध्यप्रदेश शासन, भोपाल के अपर मिशन संचालक द्वारा नपाध्यक्ष अखिल माहेश्वरी को भेजे गए पत्र में अवगत कराया गया है, कि इस क्लिनिक को पुराने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के खाली भवन में संचालित किए जाने की स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। इस निर्णय से नगर में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार को नई दिशा मिलेगी। विदित हो कि वार्ड क्रमांक 09, पगारा रोड पर प्रथम मुख्यमंत्री संजीवनी क्लिनिक का निर्माण कार्य प्रगति पर है, जबकि दूसरी क्लिनिक के लिए नगरीय सीमा में भूमि की अनुपलब्धता के चलते यह प्रस्तावित क्लिनिक अब पुराने स्वास्थ्य केंद्र में प्रारंभ की जाएगी। नगर पालिका अध्यक्ष अखिल माहेश्वरी की यह जनहितैषी मांग आखिरकार साकार हुई है। इस हेतु उन्होंने भोपाल में उपमुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल जिन पर स्वास्थ्य मंत्रालय का भी भार है। स्वास्थ्य मंत्री राजेन्द्र शुक्ल से व्यक्तिगत भेंट कर इस संबंध में विशेष आग्रह किया गया था। माहेश्वरी द्वारा समय-समय पर शासन-प्रशासन को इस विषय में पत्राचार भी किया गया, जिसके सकारात्मक परिणाम स्वरूप यह स्वीकृति प्राप्त हुई। इस महत्वपूर्ण निर्णय पर माहेश्वरी ने उपमुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करते हुए कहा, यह निर्णय न केवल जौरा की जनता के लिए राहत का कार्य करेगा, बल्कि जनस्वास्थ्य सेवाओं को मजबूती प्रदान करेगा। मुझे पूर्ण विश्वास है कि उपमुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में शीघ्र ही जौरा में संजीवनी क्लिनिक सहित जौरा के समस्त स्वास्थ्य केंद्रों में स्टाफ एवं आधुनिकतम चिकित्सा सुविधाएं भी सुनिश्चित कराई जाएंगी।

जौरा में भव्य स्वरूप में निकाली जाएगी परशुराम जयंती

- चौतरफा मिल रहा है अभूतपूर्व सहयोग

- हिन्दुस्तान एक्सप्रेस -

मुरैना/जौरा। नगर में आगामी 25 मई को निकाली जाने वाली परशुराम जयंती चल समारोह को भव्य रुप में आकर्षक झाकियों के साथ निकाले जाने की तैयारियां जोरों के साथ की जा रहीं है। समारोह को भव्य स्वरूप प्रदान करने के लिये सनाढ्य ब्राह्मण महासभा की नव निर्वाचित पदाधिकारी एवं सदस्य गृह सम्पर्क कर सभी को समारोह के लिये आमंत्रित कर उसकी सफलता के लिए बुजुर्गो से आशीर्वाद लेकर सुझाव ले रहे हैं। इसी क्रम में सनाढ्य ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष कमलेश दुबे, उपाध्यक्ष रिषी पाराशर, कनिष्ठ उपाध्यक्ष ललित पाराशर, सचिव शिवकुमार शर्मा, कोषाध्यक्ष प्रदीप शर्मा, पूर्व अध्यक्ष जगदीश शुक्ला, पूर्व आडिटर पं. सुरेश शर्मा सेवानिवृत्त शिक्षक सहित कई सदस्यगण रामलखन शर्मा एडवोकेट एवं वरिष्ठ भाजपा नेता आशुतोष शर्मा जौनारा के निवास पर पहुंचकर भगवान परशुराम जयंती की तैयारियों के संबंध में चर्चा की। इस अवसर पर भाजपा के युवा नेता आशुतोष शर्मा, प्रदीप शर्मा, देवेन्द्र शास्त्री, प्रदीप शर्मा, नीरज शर्मा बिश्नोरी, कृष्णा शर्मा, ऋतिक महेरे ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का माल्यार्पण एवं अंग वस्त्र भेंटकर सम्मानित किया। इस दौरान भाजपा नेता आशुतोष शर्मा ने कहा कि भगवान परशुराम हम सभी के आराध्य हैं। उनके जन्मोत्सव को हमें पूर्ण श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाना चाहिए। चल समारोह के सहयोग के लिये आशुतोष शर्मा ने 11 हजार रुपए एवं प्रदीप शर्मा पल्लो बिचपरी वालों ने 11 सौ रूपये कार्य कारिणी को भेंट की। समाज के सभी पदाधिकारियों ने उनके सहयोग के लिए सभी का आभार व्यक्त किया।

एक्यूप्रेशर फिजियो थेरेपी प्राचीन चिकित्सा पद्धति हैः डॉ. विशाल कुमार

- जैन मंदिर में हुआ एक्यूप्रेशर चिकित्सा शिविर का शुभारंभ

- हिन्दुस्तान एक्सप्रेस -

मुरैना। एक्यूप्रेशर थेरेपी एक प्राचीन चिकित्सा पद्धति है। इस पद्धति में शरीर के सभी रोगों का उपचार बिना औषधि के किया जाता है। यह बहुत ही अच्छा ट्रीटमेंट है। अन्य पद्धतियों में

आपको दवाइयों से साइड इफेक्ट हो सकते हैं, लेकिन इस पद्धति में साइड इफेक्ट जैसा कुछ नहीं हैं। इसमें आप अपने सभी अंगों को बिना दवा के, बिना किसी नुकसान के स्वस्थ रख सकते हैं । आंख नाक कान गले का रोग, सर दर्द, माइग्रेन और शरीर के सभी हिस्सों को आप एक्टिव एक्यूप्रेशर पॉइंट्स के द्वारा एक्टिव करके अपने ही शरीर को निरोगी बना सकते हैं। उक्त उद्गार एक्यूप्रेशर थेरेपिस्ट डॉक्टर विशालकुमार ने बड़े जैन मंदिर के ज्ञान सेवा सदन में एक्यूप्रेशर चिकित्सा शिविर के शुभारंभ के अवसर पर व्यक्त किए।

जैन समाज मुरैना की सेवाभावी संस्था श्री यंग दिगंबर जैन फाउंडेशन के तत्वधान में परम पूज्य मुनिराज विलोक सागर एवं मुनिश्री विबोधसागर महाराज के आशीर्वाद से एक्यूप्रेशर चिकित्सा शिविर का शुभारंभ किया गया । शिविर के शुभारंभ में पूज्य गुरुदेव सराकोद्धारक समाधिस्थ आचार्य श्री ज्ञानसागर महाराज के चित्र का अनावरण एवं दीप प्रज्वलन फाउंडेशन के पूर्व अध्यक्ष विमलचंद जैन (बर्तन वाले), बड़ा मंदिर के अध्यक्ष प्राचार्य अनिल जैन, राजकुमार वरैया, दर्शनलाल जैन लोहिया, नीलेश जैन ने समाज के गणमान्य महानुभावों के द्वारा किया गया । यंग दिगंबर जैन फाउंडेशन के महामंत्री रमाशंकर जैन लाला ने जानकारी देते हुए बताया कि उक्त शिविर में जोधपुर से एक्यूप्रेशर फिजियो थेरेपी चिकित्सा की टीम आई हुई है। जिसमें एक्यूप्रेशर थेरेपिस्ट डॉ. विशाल कुमार, डॉ. श्रवण चौधरी, डॉक्टर मनीष चौधरी रोगियों की जांच कर उपचार प्रदान करेंगे । आज प्रथम दिन 50 से अधिक रोगियों ने शिविर में उपस्थित होकर एक्यूप्रेशर चिकित्सा पद्धति से उपचार प्राप्त किया । उक्त शिविर बड़े जैन मंदिर के ज्ञान सेवा सदन जैन धर्मशाला में 15 मई से 21 मई तक चलेगा । उपचार हेतु आने वाले सभी बंधुओं से अनुरोध है कि प्रातः 09 बजे से 11 बजे तक एवं शाम 05 बजे से रात्रि 09 बजे तक उपस्थिति होकर निःशुल्क एक्यूप्रेशर फिजियो थेरेपी चिकित्सा पद्धति शिविर से लाभ ले सकते हैं । उपचार से पूर्व सभी रोगियों को रजिस्ट्रेशन कराना आवश्यक होगा।

नारद जयंती पर जिलेभर के अनेक पत्रकारों का हुआ सम्मान

- हिन्दुस्तान एक्सप्रेस -

मुरैना। आद्या पत्रकार देव ऋषि नारद जयंती के उपलक्ष में देव ऋषि नारद जयंती आयोजन समिति मुरैना के तत्वाधान में आयोजित कार्यक्रम में जिले भर के पत्रकारों को सम्मानित किया गया। दिनांक 15 मई को सरस्वती शिशु मंदिर विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में भोपाल से आए मयंक चतुर्वेदी केशव माधव स्मृति सेवा न्यास की अध्यक्ष देवेंद्र शर्मा एवं वरिष्ठ पत्रकार रामबरन शर्मा द्वारा अपने-अपने उद्बोधन में कहा कि नारद जैसी पत्रकारिता ही सही पत्रकारिता है। कार्यक्रम में स्व. अरुण शर्मा पहाड़गढ़ के नाम पर आंचलिक, पत्रकार सम्मान गोपाल गुप्ता मुरैना के नाम पर समय की विषयों पर उत्कृष्ट लेखन करने वाले, पत्रकार एवं स्वर्गीय गिर्राज राजोरिया की स्मृति में फोटो वीडियो जर्नलिस्ट और सोशल मीडिया पर

समाचार देने वाले जिले भर के पत्रकारों को शील्ड प्रमाण पत्र प्रोत्साहन राशि के साथ सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में अंबाह से लेकर सबलगढ़ तक के पत्रकार साथी उपस्थित रहे। संचालन श्याम मोहन दंडोतिया ने किया जबकि आभार घनश्याम दंडोतिया एवं मनीष शर्मा द्वारा व्यक्त किया गया।

डंपर की टक्कर से बुजुर्ग की मौत

- हिन्दुस्तान एक्सप्रेस -

मुरैना/कैलारस। नेशनल हाईवे 552 पर गुरुवार सुबह एक डंपर की टक्कर से बुजुर्ग की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार रशीद खां 50 पुत्र पीर मोहम्मद कुरैशी निवासी पुरानी बस्ती कैलारस गुरुवार सुबह अपने घर से पुराने रेल्वे स्टेशन पर सुबह 4.30 बजे चाय पीने जा रहे थे, तभी डंपर ने उन्हें टक्कर मार दी, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलते ही कैलारस थाने से उप निरीक्षक सुरेशचंद्र मिश्रा, प्रधान आरक्षक पंचम सिंह मौके पर पहुंचे और टक्कर मारने वाले डंपर को थाने में रखवाया। पुलिस ने मृतक रशीद खां के शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजन को सौंप दिया।

बरसाती नदी के संरक्षण के लिए किया श्रमदान

ग्वालियर । जिले के विकासखंड भितरवार में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत स्थानीय बरसाती नदी के संरक्षण के लिए श्रमदान किया गया। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद से जुड़ी नवांकुर संस्था के संयुक्त प्रयास से ग्राम पंचायत कैथी और भेंगना के बीच बर्षाती नदी पर युवाओं ने श्रमदान किया। साथ ही संचार युवा मंडल के पदाधिकारियों ने भी श्रमदान में सहभागिता की। इस कार्यक्रम के माध्यम से जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत नदियों के संरक्षण और जल संरक्षण के लिए लोगों को जागरूक किया गया। जन अभियान परिषद के विकासखंड समन्वयक अधिकारी मनोज दुबे ने कहा कि नदियों का संरक्षण जीवन के लिए आवश्यक है। इस अवसर पर योगेश शर्मा, चरन सिंह परिहार, विजय सविता, भानू पलिया, कन्हैया सेन, गजेन्द्र शर्मा, दीपक जायसवाल, हेमंत शर्मा, धर्मेन्द्र कुशवाह सहित अनेक लोगों ने नदी संरक्षण के लिए श्रमदान में सहभागिता की।

विक्टर कॉन्वेंट हा.से. स्कूल के छात्रों ने किया जिला टॉप

- हिन्दुस्तान एक्सप्रेस -

मुरैना। विगत दिवस सीबीएसई नई दिल्ली के कक्षा 10वीं व 12वीं के परीक्षा परिणाम घोषित हुए। जिसमें विक्टर स्कूल के कक्षा 12वीं के छात्रों ने जिले में प्रथम स्थान (गणित संकाय एवं वाणिज्य संकाय) प्राप्त कर विद्यालय, परिवार और क्षेत्र का नाम रोशन किया है। विद्यालय के छात्र गोविंद गर्ग ने कक्षा 12वीं (गणित संकाय) में 95.8 प्रतिशत अंक प्राप्त कर यह महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की। इसी प्रकार मान्या गुप्ता ने कक्षा 12वीं (वाणिज्य संकाय) में 93.6 प्रतिशत अंक प्राप्त कर जिले में प्रथम स्थान हासिल किया। इसी तारतम्य में छात्र निखिल गुर्जर ने जीव-विज्ञान संकाय से 94.6 प्रतिशत अंक प्राप्त कर जिले में तृतीय स्थान प्राप्त किया है। उनकी यह सफलता कड़ी मेहनत, समर्पण और शिक्षकों के मार्गदर्शन का परिणाम

है। कक्षा 10वीं के परीक्षा में भी छात्रों ने बेहतर प्रदर्शन किया है। छात्रा स्तुती गर्ग 89.4 प्रतिशत, अनुभव सिंह तोमर 88.6 प्रतिशत एवं अनुष्का गुप्ता 88.4 प्रतिशत अंको के साथ उर्त्तीण हुए एवं विद्यालय का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा है। विद्यालय प्रशासन, शिक्षकगण एवं समस्त स्टाफ की ओर से उन्हें हार्दिक शुभकामनाएँ और भविष्य के लिए मंगलमय कामनाएँ दी गई।

विद्यालय के डायरेक्टर समीर बांदिल ने इस गौरवशाली उपलब्धि पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा, यह हमारे विद्यालय के लिए अत्यंत गर्व की बात है। इस सफलता से न केवल छात्रों का बल्कि पूरे विद्यालय का मनोबल बढ़ा है। हम भविष्य में भी अपने विद्यार्थियों को ऐसे ही उत्कृष्ट मार्गदर्शन और सहयोग प्रदान करते रहेंगे। यह उपलब्धि अन्य छात्रों के लिए प्रेरणा स्रोत बनेगी और यह दर्शाती है कि निरंतर प्रयास और दृढ़ संकल्प से कोई भी ऊँचाई पाई जा सकती है।

इस महीने का सर्वाधिक गर्म रहा गुरूवार

- 2025 में पहली बार न्यूनतम तापमान 29.8 डिसे दर्ज, तेज गर्मी की शुरूआत
- 24 घंटे में एक से तीन अंक का इजाफा

ग्वालियर। ग्वालियर अंचल में एक बार फिर तेज गर्मी की शुरूआत हो गई है। दिन के साथ साथ रात का तापमान भी बेकाबू हो गया है। गुरूवार को ग्वालियर में पहली बार न्यूनतम तापमान 29.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ है। वहीं अधिकतम तापमान 43 डिग्री सेल्सियस आंका गया है। यह दोनों तापमान इस महीने का सर्वाधिक तापमान है। गत दिवस की तुलना में गुरूवार को दर्ज तापमान एक से तीन अंक तक बढ़ गये है। जबकि बीते सप्ताह गुरूवार की तुलना में काफी अंतर आ गया है। गर्मी ने रिकार्ड तोड़ना शुरू कर दिया है। खास बात यह है कि ग्वालियर में गुरूवार को दिनभर तापमान 30 डिग्री सेल्सियस से 43 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। वहीं लगभग 7 घंटे तक तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के उपर रहा और इस दौरान ग्वालियर खूब तपा है। मौसम वैज्ञानिकों की मानें तो अभी तापमान बढ़ने का दौर जारी रहेगा। लू की भी संभावना बन रही है।

स्थानीय मौसम कार्यालय के अनुसार पश्चिमी विक्षोभ के असर के बाद आसमान साफ हुआ तो गर्मी ने फिर से पांव पसारना शुरू कर दिये है। बीते दिन बुधवार को अधिकतम तापमान 41.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ था। जबकि गुरूवार को 1.2 अंक बढ़कर 43 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। यह सामान्य से 1.2 डिग्री सेल्सियस अधिक आंका गया। इसी तरह बीते दिन बुधवार को न्यूनतम तापमान 26.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ था। जबकि गुरूवार को 3.5 अंक बढ़कर न्यूनतम तापमान 29.8 डिग्री सेल्सियस आंका गया। यह सामान्य से 3.5 डिग्री सेल्सियस अधिक आंका गया। गुरूवार को सुबह की आर्दता 40 प्रतिशत तथा शाम की आर्दता 22 प्रतिशत आंकी गई। वहीं पश्चिमी हवायें गर्म रही, जो झुलसाने का अहसास करा रही थी।

रात की गर्मी ने तोड़ दिया रिकार्ड

इस साल जनवरी से अब तक न्यूनतम तापमान कभी 29.8 डिग्री सेल्सियस से उपर नहीं पहुंचा है। गुरूवार को पहली बार रात का पारा 30 डिग्री सेल्सियस के पास जा पहुंचा है। यहां बता दें कि बीते माह अप्रैल की सर्वाधिक गर्म रात 19 अप्रैल रिकार्ड हुई थी। तब न्यूनतम तापमान 27.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ था। जबकि बीते वर्ष 2024 का अप्रैल माह की सर्वाधिक गर्म रात 20 अप्रैल को रही थी। तब पारा 28 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ था। जबकि मई माह में सर्वाधिक गर्म रात 30 मई को रही। न्यूनतम तापमान 33.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ था।

शासकीय सेवकों का बढ़ेगा महंगाई भत्ता, डेढ़ करोड़ का डीजल पेट्रोल खरीदेगा निगम

- मेयर इन काउंसिल की बैठक में हुये कई निर्णय

ग्वालियर। गुरूवार को आयोजित की गई मेयर इन काउंसिल की बैठक में शासकीय सेवकों के महंगाई भत्ते को स्वीकृति तो प्रदान की गई, लेकिन मेयर इन काउंसिल के कुछ सदस्यों ने इसे लेकर आपत्ति भी उठाई कि जब निगम के पास तनख्वाह बांटने को लेकर रूपया नहीं होता तो फिर निगम इस भार को कैसे उठायेगा। शासकीय सेवकों के महंगाई भत्ते के साथ ही पेंशनरों को भी पेंशन पर महंगाई राहत की स्वीकृति भी मेयर इन काउंसिल के सदस्यों ने दी।

गुरूवार को महापौर डॉ. शोभा सतीश सिंह सिकरवार की अध्यक्षता में मेयर इन काउंसिल की बैठक आयोजित की गई। बैठक में शहर विकास को लेकर विभिन्न मुददों पर चर्चा की गई। बैठक में सबसे पहले शासकीय सेवकों को (सातवें वेतनमान पर) महंगाई भत्ता में वृद्धि किये जाने को लेकर चर्चा हुई। जिसमे नगर सरकार के कुछ मंत्रियों ने आपत्ति उठाई और कहा कि जब निगम के पास तनख्वाह बांटने को लेकर रूपया नहीं होता तो फिर निगम इस भार को कैसे उठायेगा। चर्चा के बाद शासकीय सेवकों के महंगाई भत्ता में वृद्धि किये जाने का निर्णय लिया गया। बैठक में आउटसोर्स मैन पावर उपलब्ध कराने वाली एजेन्सी राज सिक्योरिटी फोर्स भोपाल की कार्यावधि बढ़ाये जाने के संबंध में चर्चा के बाद प्रकरण वापिस किया गया तथा परिषद के ठहराव का पालन करने के निर्देश दिए गए। बैठक में अमृत 2.0 के तहत नगर के लिये पेयजल प्रदाय हेतु अनुमोदित परियोजना लागत धनराशि

414.12 करोड़ (विथ जी.एस.टी.) में प्रस्तावित कार्य कराने एवं प्रस्तावित कार्य पूर्ण होने के उपरान्त परियोजना में सम्मिलित समस्त कार्य का 05 वर्ष कार्यों के संचालन व संधारण का कार्य कराये जाने के लिये प्राक्कलित धनराशि 62.423 करोड़ एवं 18 प्रतिशत के मान से आंकलित धनराशि 11.235 करोड़ सहित कुल धनराशि रुपये 73.658 करोड़ का कार्य कराये जाने हेतु निविदा आमंत्रण की स्वीकृति प्रदान की गई। इसके साथ ही पेट्रोल एवं सी.एन.जी. सेनानी 02वीं वाहिनी विसबल (म.प्र.) से 01 वर्ष के लिये क्रय किये जाने हेतु अनुमानित राशि रुपये 1,38,90,000 रूपये की स्वीकृति बाबत निर्णय लिया कि निविदा प्रक्रिया समानांतर चलाई जाए तथा निविदा प्रक्रिया पूर्ण होने तक अथवा एक वर्ष की स्वीकृति प्रदान की गई। बैठक में साथ ही एयरपोर्ट अथॉरिटी की बाउण्ड्रीवाल की पैरीफेरी से एयरफोर्स बाउण्ड्रीवाल तक स्टॉर्म वाटर नाला निर्माण की स्वीकृति प्रदान की गई। बैठक में मेयर इन काउंसिल सदस्य अवधेश कौरव, नाथूराम ठेकेदार, शकील मंसूरी, श्रीमती प्रेमलता धर्मेन्द्र जैन, श्रीमती लक्ष्मी गुर्जर, श्रीमती संध्या सोनू कुशवाह, श्रीमती उपासना संजय यादव, श्रीमती गायत्री मंडेलिया, निगम आयुक्त संघप्रिय, अपर आयुक्त मुनीश सिंह सिकरवार, अनिल दुबे, अपर आयुक्त वित्त श्रीमती रजनी शुक्ला आदि उपस्थित थे।

शराब दुकान के ताले चटका शराब व नकदी समेट ले गये चोर

ग्वालियर। एक शराब दुकान के ताले चटकाकर चोर महंगी शराब की बोतलों सहित नकदी पार कर ले गया। घटना मुरार थाना क्षेत्र के खुला संतर स्थित शराब दुकान की है। घटना का पता सुबह चला जब मैनेजर व अन्य कर्मचारी दुकान पर पहुंचे तो ताले टूटे पड़े थे और अंदर से शराब की बोतलों के साथ ही गल्ले में रखी नकदी गायब थी। मामला समझ में आते ही पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच के बाद मामला दर्ज कर लिया है।

मुरार थाना क्षेत्र के सात नंबर चौराहे के पास हरिओम कॉलोनी निवासी सुराज शिवहरे पुत्र राजेश शिवहरे शराब कारोबारी है और खुला संतर मुरार में उनकी वाइन शॉप है। बीती रात दुकान का काम खत्म कर वह घर चले गए थे और सुबह जब दुकान पर पहुंचे तो दुकान के ताले टूटे पड़े थे और अंदर से शराब की बोतलों के साथ ही गल्ले में रखी नकदी गायब थी। मामला समझ में आते ही पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पीडित ने पुलिस को बताया कि चोर उनकी दुकान से अंग्रेजी शराब की चौदह बोतल, चार हाफ बारह क्वार्टर के साथ ही 12 क्वार्टर देशी शराब, 24 कैन बीयर एवं गल्ले में रखी नकदी पार कर ले गए हैं।

बाइक ले गए चोर

महाराजपुरा थाना क्षेत्र स्थित दंदरौआ धाम मंदिर से जय सिंह राठौर निवासी डीडी नगर की बाइक को अज्ञात चोर चोरी कर ले गए। पुलिस ने उसकी शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है।

मां को बचाने बेटे ने की थी पिता की हत्या

- 14 दिन बाद हुआ हत्या का खुलासा

ग्वालियर। दो हफ्ते पूर्व एक अधेड़ द्वारा खुद को लाइसेंसी बंदूक से गोली मारकर आत्महत्या करने के मामले की गुत्थी पुलिस ने सुलझा ली है। अधेड आये दिन शराब के नशे में अपने परिजनों के साथ मारपीट करता था और घटना वाले दिन भी मृतक ने अपने बेटे की पिटाई की थी। घटना से पहले मृतक पति की क्रूरता से परेशान होकर तीन साल से मायके में रह रही पत्नी अपने पति के साथ ससुराल आई थी और फिर से पति उसे परेशान करने लगा। हद तो तब हो गई जब शराब के नशे में पति राइफल निकाल लाया और पत्नी पर निशाना लगाने लगा। मां को गोली से बचाने के लिए पंद्रह वर्षीय बेटा पिता से भिड़ गया और राइफल छीनने का प्रयास किया। छीना-झपटी में राइफल का ट्रिगर दब गया और गोली पिता के आरपार हो गई। घटना पिछोर थाना क्षेत्र के बड़ी अकबाई की है। पुलिस ने जांच के बाद बेटे के खिलाफहत्या का मामला दर्ज कर आरोपी नाबालिग को पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर बाल संप्रेषण गृह भेज दिया है।

पिछोर थाना प्रभारी बलविन्दर ढिल्लन ने बताया कि बीती एक मई को बड़ी अकबाई निवासी 45 वर्षीय बंटी उर्फ प्रान सिंह बघेल पुत्र भरोसा राम बघेल की गोली लगने से मौत हो गई थी। पुलिस को स्थानीय लोगों ने बताया था कि वह शराब के नशे में था और उससे गोली चली है। पुलिस ने जब मृतक के नाबालिग बेटे से पूछताछ की तो उसने बताया कि वह जब वापस घर पहुंचा तो पिता मृत अवस्था में पड़े थे। बात पुलिस के गले नहीं उतर रही थी और जब अडोसी पड़ोसी ने पूछताछ की पुलिस को मामले में लोच नजर आया। जांच की तो पता चला था कि घटना होने से पहले मृतक का उसकी पत्नी से विवाद हो रहा था। इसका पता चलते ही पुलिस ने एक बार फिर से जांच की और बयान लिए तो बयानों में अंतर आया। पुलिस जांच में पता चला कि मृतक के तीन बच्चे थे और सबसे बड़ा बेटा पंद्रह साल, उससे छोटी बेटी दस साल और सबसे छोटा बेटा सात साल का है। पुलिस ने बच्चों से पूछताछ की तो पता चला कि मां से पिता विवाद कर रहे थे और राइफल निकाल लाए थे। मां पर गोली चलाने वाले थे कि तभी उसका बड़ा बेटा पिता से राइफल छीनने का प्रयास कर रहा था, जिससे गोली चल गई और उनके पिता को गोली लगी। मामले की जांच के बाद पुलिस ने बेटे के खिलाफपिता की हत्या का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस को पड़ताल में पता चला है कि बंटी उर्फ प्रान सिंह बघेल शराब पीने का आदी था और शादी के बाद से ही पत्नी की मारपीट करता था। जिससे परेशान होकर उसकी पत्नी तीन साल पहले मायके चली गई थी और अब वह उसे मनाकर लाया था कि वह उसके साथ अच्छा व्यवहार करेगा। लेकिन कुछ ही दिन में वह अपने वादे से मुकर गया और शराब पीकर मारपीट करता था।

नंबर कम आने पर छात्रा ने फांसी लगाकर दी जान

ग्वालियर। रिजल्ट आने के बाद दसवी कक्षा की छात्रा ने फांसी लगाकर जान दे दी। घटना मुरार थाना क्षेत्र के सिंहपुर रोड की है। घटना का पता उस समय चला जब परिजन घर पहुंचे तो छात्रा फांसी के फंदे पर लटकी हुई थी। परिजन उसकी नब्ज टटोली तो पता चला कि उसकी मौत हो चुकी है। छात्रा की मौत का पता चलते ही परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच के बाद मर्ग कायम कर लिया है।

मुरार थाना क्षेत्र के सिंहपुर रोड स्थित शारदा मेंसन निवासी रिद्मा गुप्ता दसवी कक्षा की छात्रा है। बीते रोज वह घर पर अकेली थी। शाम को जब उसके परिजन घर पहुंचे तो वह फांसी के फंदे पर लटकी हुई थी। परिजनों ने उसे फंदे से उतारा और एक अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। छात्रा की मौत का पता चलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच के बाद मर्ग कायम कर लिया है। पुलिस पड़ताल में पता चला है कि बीते रोज उसका रिजल्ट आया था, जिसमें उसे 87 प्रतिशत अंक मिले थे। उसके बाद से ही वह कुछ परेशान थी, क्योंकि उसे काफी अच्छे नंबर आने की उम्मीद थी। पुलिस का मानना है कि संभवतः उसने नंबर कम आने के डिप्रेशन में यह कदम उठाया जा सकता है।

टेम्पो की टक्कर से महिला की मौत, मामला दर्ज

- अलग-अलग हादसों में गई तीन की जान

ग्वालियर। टेम्पो का इंतजार कर रही महिला को तेज रफ्तार विक्रम चालक ने लापरवाही से वाहन चलाते हुए टक्कर मार दी। घटना पड़ाव चौराहे पर तड़के पांच बजे की है। घटना का पता चलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच के बाद उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया तो डॉक्टरों ने महिला को मृत घोषित कर दिया है। पुलिस ने महिला का शव पीएम हाउस पहुंचाकर आरोपी चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

चार शहर का नाका निवासी 47 वर्षीय गीता पत्नी हुकुम सिंह लक्ष्मीगंज सब्जी मण्डी जाने के लिए घर से निकली थी और पड़ाव चौराहा पहुंचने के बाद दूसरे सवारी वाहन का इंतजार कर रही थी। अभी वह इंतजार कर रही थी कि तभी तेज रफ्तार आए विक्रम टेम्पो क्रमांक एमपी 07 आरए 6609 का चालक तेज रफ्तार व लापरवाही से अपना वाहन चलाते हुए आया और उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही गीता देवी हवा में उछली और सड़क पर सिर के बल गिरी, जिससे उन्हें गंभीर चोट लगी। हादसे के बाद आरोपी चालक अपना वाहन छोड़कर फरार हो गया। मामले का पता चलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायल महिला को उपचार के लिए पहुंचाया। जहां पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मृतिका का शव पीएम हाउस पहुंचा कर आरोपी वाहन चालक के खिलाफमामला दर्ज कर लिया है।

ई रिक्शा पलटा, महिला की मौत

तेज रफ्तार आ रहे ट्रैक्टर चालक ने लापरवाही से वाहन चलाते हुए ई रिक्शा को टक्कर मार दी। जिससे ई रिक्शा अनियंत्रित होकर पलट गया और उसमें सवार महिला की मौत हो गई। घटना बिजौली थाना क्षेत्र के चितौरा रोड बेरजा गांव के पास की है। हादसे का पता चलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच के बाद मामला दर्ज कर लिया है। बिजौली थाना पुलिस ने बताया कि गोरमी जिला भिण्ड निवासी कोमेश बाई पत्नी रवेन्द्र सिंह ई रिक्शा से जा रही थी और अभी चितौरा रोड स्थित बेरजा गांव के पास पहुंचीं तो सामने से आ रहे स्वराज ट्रैक्टर के चालक ने लापरवाही से चलाते हुए ई रिक्शा में टक्कर मार दी थी, जिससे ई रिक्शा पलट गया और कोमेश घायल हो गई थी। गंभीर हालत में कोमेश को उपचार के लिए भर्ती कराया गया। जहां पर उसने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। महिला की मौत के बाद पुलिस ने आरोपी चालक के खिलाफमामला दर्ज कर लिया है।

अग्रवाल युवक युवती परिचय सम्मेलन 20 से

ग्वालियर। अखिल भारतीय अग्रवाल परिचय सम्मेलन द्वारा तीन दिवसीय 125वां युवक युवती परिचय सम्मेलन के मानस भवन में होने जा रहा है। जिसमें विवाह के लिए इंजीनियर, डाक्टर, बिजनेसमेन युवाओं ने अपना पंजीयन कराया है। सबके लिए एक खुला मंच होगा यहां पर निःसंकोच होकर मंच पर अग्रबंधु परिवार आ सकेंगे और अपने बच्चों का रिश्ता कर सकेंगे।

सम्मेलन की तैयारियों को लेकर हुई बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेश ऐरन ने बताया कि 700 युवक युवती तीन दिन में मंच से अपना परिचय देते हुए जीवन साथी का चयन करेंगे। यह एक ऐसा मंच होगा जहां पर समाज के सभी वर्ग के लोग एकत्रित होंगे। अग्रवाल परिचय सम्मेलन का शुभारंभ 20 मई को दोपहर 2 बजे होगा। इस मौके पर अग्रवाल परिचय पत्रिका का विमोचन भी किया जायेगा। परिचय सम्मेलन में आकांक्षा अग्रवाल मथुरा, अंशिका गोयल जयपुर, पलक अग्रवाल जबलपुर, पूनम अग्रवाल सतना, कृष्णा अग्रवाल रतलाम, श्रद्धा अग्रवाल सागर, सोनम बिंदल देवास, सोनल अग्रवाल जोधपुर, सोनाली मित्तल कानपुर, पूजा जैन दिल्ली, मेघा अग्रवाल नर्मदापुरम का पंजीयन हुआ है। परिचय सम्मेलन में संस्था के आगरा से महावीर अग्रवाल, महेश जोहरी, रविन्द्र बंसल, मथुरा से योगेश अग्रवाल, फिरोजाबाद से विपीन मित्तल, दिल्ली से आशीष बंसल, प्रतीक सिंगला, कलकत्ता से राकेश अग्रवाल, गुवाहाटी से सावर अग्रवाल, अहमदाबाद से हरिकृष्ण अग्रवाल, पुणे से संजीव अग्रवाल, मुम्बई से राजीव अग्रवाल, झांसी से वेदप्रकाश अग्रवाल, शिकोहाबाद से मोहनलाल अग्रवाल सहित अनेकों पदाधिकारी ग्वालियर आ रहे हैं। बैठक में श्रीमती नीलम शाह, विनीता तायल, ललिता बंसल, रचना लोहिया, मीरा अग्रवाल, कविता मंगल, पदमा अग्रवाल, साधना गोयल, प्रीति बिंदल, ज्योति अग्रवाल, संगीता अग्रवाल, सीमा अग्रवाल, रश्मि अग्रवाल, कामिनी मित्तल शामिल थी।

अहिल्याबाई होलकर की जयंती पर प्रतियोगिता आयोजित

ग्वालियर। लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर की 300वीं जयंती के अवसर पर शासकीय विधि महाविद्यालय में व्याख्यान एवं वाद विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विषय विशेषज्ञ के रूप में डॉक्टर अंजली शर्मा ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। वाद विवाद प्रतियोगिता में छात्र एकता मधु अभिषेक नेहा गुर्जर ने भाग लिया। कार्यक्रम में डॉक्टर नरेंद्र सिंह राणा, डॉक्टर अनूप कलसिया, डॉक्टर एएन त्रिपाठी, डॉक्टर नुसरत अली रिजवी, डॉक्टर अनूप सिंह, अनूप कुमार सिंह एवं डॉ आनंद मिश्रा उपस्थित थे।

मालनपुर थाने में रिपोर्ट कराने पहुंचा तो पकड़ा गया हत्या के प्रयास का आरोपी

ग्वालियर। प्लॉट विवाद पर स्कूल संचालक पर फायरिंग कर हत्या का प्रयास करने के मामले में फरार एक आरोपी को गोला का मंदिर थाना पुलिस ने मालनपुर थाने से पकड़ा है। पुलिस पकड़े गए आरोपी को लेकर ग्वालियर आ गई है और पूछताछ करने में जुट गई है। इस मामले में पुलिस ने दो आरोपी पूर्व में पकड़ लिए हैं और अभी तीन अज्ञात सहित चार आरोपी फरार हैं। पुलिस पकड़े गए आरोपी से पूछताछ कर उसके अन्य साथियों की जानकारी जुटा रही है।

गोला का मंदिर थाना प्रभारी हरेन्द्र शर्मा ने बताया कि सूचना मिली थी कि हत्या के प्रयास के मामले में फरार आरोपी जोगेन्द्र सिंह गुर्जर पुत्र हरिसिंह गुर्जर मालनपुर थाने में मारपीट की एफआईआर दर्ज कराने आया है। इसका पता चलते ही पुलिस की टीम को आरोपी को पकडने के लिए पहुंचाया। जब पुलिस मालनपुर थाने पहुंची तब आरोपी मेडिकल कराने के लिए गया था और जैसे ही थाने पहुंचा, पुलिस ने उसे निगरानी में ले लिया। पुलिस ने पकड़े गए आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है कि इस मामले में फरार उसके अन्य साथी कहां छिपे हैं, जिससे उन्हें भी गिरफ्तार किया जा सके। पुलिस ने बताया कि इस मामले में पुलिस ने आरोपी रामनिवास गुर्जर और भानू गुर्जर को पकड़ लिया था, जबकि गौतम सिंह और तीन अज्ञात अभी फरार हैं।

उल्लेखनीय है कि कंपू नया बाजार निवासी विजय गर्ग पुत्र श्रीकृष्ण गर्ग स्कूल संचालक है और उनका एक प्लॉट कृष्णा नगर में है। जून 2024 में वह इस प्लॉट पर नींव भरवा रहे थे कि तभी वहां पर भानू गुर्जर, रामनिवास गुर्जर, गौतम, जोगेन्द्र व तीन अज्ञात पहुंचे और स्कूल संचालक की मारपीट कर फायरिंग की थी। इस मामले में पुलिस ने हत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया था। पुलिस पिछले छह माह से लगातार उसकी तलाश में भिण्ड व ग्वालियर के साथ मुरैना में दबिश दे रही थी, लेकिन वह पुलिस के हाथ नहीं आ रहा था। बीते रोज एक युवक ने जोगेन्दर की मारपीट कर दी थी, जिसकी एफआईआर दर्ज कराने के लिए आरोपी मालनपुर थाने पहुंचा था, जिसकी सूचना गोला का मंदिर पुलिस को मिल गई और उसे दबोच लिया।

हूटर बजाते आए और कर दी मारपीट

ग्वालियर। हूटर बजाते हुये आ रहे कार सवार आधा दर्जन बदमाशों ने दो दोस्तों की मारपीट कर जान से मारने की धमकी दे दी। घटना बहोड़ापुर थाना क्षेत्र के शब्द प्रताप आश्रम के पास की है। मारपीट का शिकार पीडित थाने पहुंचे और मामले की शिकायत की। पुलिस ने पीडित दोस्तों की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है।

बहोड़ापुर थान क्षेत्र के शब्द प्रताप आश्रम निवासी सत्यपाल सिंह यादव पुत्र परमाल सिंह यादव बीते रोज अपने दोस्त शंशाक राजपूत के साथ बाजार से सामान खरीदकर वापस घर जा रहा था। अभी वह शब्द प्रताप आश्रम के पास पहुंचा ही था कि तभी तेज रफ्तार आ रही इनोवा कार क्रमांक एमपी 09 बीए 6570 में सवार युवक हूटर बजाते हुए उनके पास से निकले और गाली गलौज करना शुरू कर दिया। जब उन्होंने विरोध किया तो कार में सवार विक्की यादव, अंकित परदेशी, रोहित गौर, अभिषेक श्रीवास तथा दो अन्य कार से उतरकर आए और उनकी मारपीट करना शुरू कर दिया। वारदात का शिकार पीडित थाने पहुंचे और शिकायत की।

मदर्स डे पर वृद्धाश्रम में किया माताओं का सम्मान

ग्वालियर। लॉयंस क्लब, अनुभूति क्लब द्वारा इन्टरनेशनल मदर्स डे पर नेहरू नगर स्थित वृद्धाश्रम में जाकर 11 माताओं का सम्मान किया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि लॉयंस क्लब की रीजनल चेयर पर्सन एमजेएफ लॉयन मीनाक्षी गोयल थी। विशेष अतिथि के रूप में श्रीमती पूजा भारद्वाज उपस्थित रही। कार्यक्रम की अध्यक्षता क्लब अध्यक्ष लॉयन कमल किशोर गुप्ता ने की।

इस अवसर पर क्लब के सदस्यों की माताओं का शॉल व माल्यार्पण कर सम्मान किया गया तथा वृद्धाश्रम में निवासरत मातृतुल्य महिलाओं का माल्यार्पण व साड़ी उड़ा कर स्वागत किया गया।

क्लब के उपाध्यक्ष अशोक शर्मा, कोषाध्यक्ष नीरज मंगल, उपाध्यक्षद्वय कमल बनवारी एवं अशोक शर्मा, श्रीमती पूजा भारद्वाज, श्रीमती गायत्री गर्ग, कौशल विद्यार्थी, सतेन्द्र वर्मा, पंकज, श्रीमती प्रतिभा नारायण झा उपस्थित थे।

लोकमंत्रणा में महापौर डा. सिकरवार ने सुनी समस्यायें

ग्वालियर। महापौर लोकमंत्रणा के दौरान आने वाले हितग्राहियों की समस्याओं का शत प्रतिशत निराकरण हो इसके लिए संबंधित अधिकारी त्वरित कार्यवाही करें। लोकमंत्रणा में आने वाले प्रकरणों का यदि उचित निराकरण नहीं हुआ तो संबंधित के खिलाफकार्रवाई की जायेगी। यह निर्देश महापौर डॉ. शोभा सतीश सिंह सिकरवार ने महापौर लोकमंत्रणा में संबंधित अधिकारियों को दिए। गुरूवार को लोकमंत्रणा में वार्ड 29 महलगांव सोनी हलवाई की गली हनुमान मंदिर के पास निवासी कल्लू बरार ने महापौर को बताया कि चंद्रभान माहौर ने सार्वजनिक गली पर अवैध निर्माण कर अतिक्रमण कर लिया है, जिस पर सुनवाई करते हुए महापौर डॉ. सिकरवार ने संबंधित भवन अधिकारी को स्थल निरीक्षण कर उचित कार्यवाही के निर्देश दिए। इसके साथ ही वार्ड 27 अकबगंज घासमंडी मुरार निवासी अमृतलाल झा ने आवेदन देते हुए बताया कि मेरे मकान के रास्ते को बंद करवाकर निर्माण कार्य कर लिया है। जिस कारण प्रार्थी को निकलने में बडी परेशानी हो रही है। जिस पर सुनवाई करते हुए महापौर डॉ. सिकरवार ने संबंधित क्षेत्राधिकारी को स्थल निरीक्षण कर आवश्यक कार्यवाही के लिए निर्देशित किया। इसके साथ ही वार्ड 19 कुंज विहार कॉलोनी फेस-2, निवासी श्री हीरा सिंह भदौरिया ने खराब टूटी सडक को बनवाये जाने एवं चौकी सीवर को ठीक कराये जाने के संबंध में अपना आवेदन महापौर को दिया। जिस पर सुनवाई करते हुए महापौर डॉ. सिकरवार ने संबंधित उपायुक्त पीएचई को स्थल निरीक्षण कर उचित कार्यवाही करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही अनेक समस्याओं के आवेदन महापौर डॉ. सिकरवार को दिए। जिस पर सुनवाई करते हुए महापौर ने समस्याओं के तत्काल निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया।

भक्तिभाव के साथ निकली भागवत कथा की कलश यात्रा

ग्वालियर। सरस्वती शिशु मंदिर चिटनिस की गोठ विद्यालय परिवार द्वारा आयोजित 'श्रीमद्भागवत कथा' महोत्सव का शुभारंभ आज एक अत्यंत भव्य और श्रद्धामयी भाव कलश यात्रा के साथ हुआ। संपूर्ण नगर भक्ति और उल्लास के रंग में रंगा नजर आया।

कलश यात्रा का शुभारंभ गजराराजा परिसर स्थित मां सरस्वती मंदिर में वैदिक मंत्रोच्चार एवं पूजन-अर्चन के साथ किया गया। इसके पश्चात सैकड़ों श्रद्धालु, कलश धारण किए भैया-बहनें, आचार्यगण, समिति सदस्य और गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति में यात्रा ने नगर भ्रमण आरंभ किया। यात्रा का मार्ग गजराराजा परिसर से प्रारंभ होकर महाराज बाड़ा होते हुए चिटनिस की गोठ विद्यालय प्रांगण तक पहुंचा। पूरे मार्ग में नगरवासियों ने पुष्पवर्षा कर कलश यात्रा का आत्मीय स्वागत किया। वातावरण श् 'हरि नाम संकीर्तन' श् और जयघोषों से गूंज उठा। भव्य झांकियों ने यात्रियों का मन मोह लिया 'भगवान श्रीराम दरबार' की आकर्षक झांकी और 'रानी लक्ष्मीबाई' की वीरांगना झांकी विशेष रूप से दर्शकों के आकर्षण का केंद्र बनी रहीं। यात्रा के मध्य परम पूज्य कथा वाचक संत प्रेमानंद महाराज की सवारी श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक ऊर्जा प्रदान करती रही। इस पावन अवसर पर विद्यालय में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं के अभिभावक, पूर्व छात्र, समिति सदस्य, आचार्य परिवार सहित ग्वालियर के समस्त शिशु मंदिर विद्यालयों के प्रतिनिधियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। संपूर्ण आयोजन में ग्वालियर वासियों ने भक्ति, संस्कृति और एकता का अनुपम संगम प्रस्तुत किया।

संपादकीय

नापाक हरकतों से बाज नहीं आ रहा चीन, फिर से बदले अरुणाचल प्रदेश के कई स्थानों के नाम

चीन अच्छी तरह जानता है कि केवल जगहों के नाम बदल देने से वह इलाका उसका नहीं हो जाएगा। मगर फिर भी इस तरह की हरकतें करके वह समझता है कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय उसे स्वीकार कर लेगा। भारतीय जमीन पर दावेदारी जताने की युक्तियां चीन सदा से खोजता रहता है। अरुणाचल को वह अपना हिस्सा बताता रहा है। उसके सैनिक वास्तविक नियंत्रण रेखा लांघने का प्रयास करते हैं। इस वजह से कई मौकों पर दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ जाता है। करीब पांच वर्ष पहले उसके सैनिक गलवान घाटी में घुस आए थे, जिन्हें रोकने में खूनी संघर्ष हुआ। तबसे दोनों देशों के रिश्ते तनावपूर्ण बने हुए हैं। इस बीच उसने अरुणाचल की कुछ जगहों के नाम बदल कर यह जताने का प्रयास किया कि वे उसका हिस्सा हैं। 2017 में उसने अरुणाचल प्रदेश के छह स्थानों के नए नाम की सूची जारी की थी।उसके बाद 2021 में पंद्रह स्थानों वाली दूसरी सूची और 2023 में ग्यारह अतिरिक्त स्थानों के नाम वाली एक और सूची जारी की थी। पिछले महीने तीस स्थानों के नाम बदल कर उसने एक और सूची जारी कर दी। अब कुछ और जगहों के नाम बदल दिए हैं। उसकी इस हरकत पर हर बार भारत की तरफ से तीखी प्रतिक्रिया दी जाती रही है, फिर भी वह अपनी चालबाजी से बाज नहीं आता। भारत ने फिर दोहराया है कि अरुणाचल हमेशा से भारत का अंग रहा है और रहेगा। नाम बदल देने से कोई जगह किसी और की नहीं हो जाती। हालांकि भारत और चीन की सीमारेखा बहुत पहले से चिह्नित है, मगर चीन अपनी विस्तारवादी नीति के तहत उसे मानने से इनकार करता रहा है। भारत के हिस्से की जमीन पर कब्जा करने के इरादे से वह चोरी-छिपे और चालबाजी से घुसपैठ करने की कोशिशें करता रहता है। इसी नीति के तहत वह भारत के पड़ोसी देशों में अपनी पैठ बना कर पुलों, सड़कों, व्यावसायिक केंद्रों आदि का निर्माण कर भारत की सीमा पर तनाव पैदा करने की कोशिश करता रहा है। मगर भारत की सामरिक शक्ति और रणनीतिक सूझ-बूझ के चलते उसे कामयाबी नहीं मिल पाती। अभी आपरेशन सिंदूर के तहत भारत ने पाकिस्तान समर्थित आतंकवादी ठिकानों को ध्वस्त करने का अभियान चलाया, तब भी चीन उसके समर्थन में उतर आया। भारत ने जब भी पाकिस्तान में पनाह पाए आतंकियों को अंतरराष्ट्रीय आतंकवादियों की सूची में डलवाने का प्रयास किया, चीन संयुक्त राष्ट्र में अपने वीटो का प्रयोग कर उसे रोकने की कोशिश करता रहा है, जबकि पूरी दुनिया आतंकवाद के खिलाफ युद्ध का समर्थन करती रही है। चीन अच्छी तरह जानता है कि केवल जगहों के नाम बदल देने से वह इलाका उसका नहीं हो जाएगा। मगर फिर भी इस तरह की हरकतें करके वह समझता है कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय उसे स्वीकार कर लेगा। पिछले ओलंपिक के समय अरुणाचल की दो खिलाड़ियों को इसलिए उसने प्रवेश से रोक दिया था कि अरुणाचल के किसी दस्तावेज पर भारत का नाम वह स्वीकार नहीं करता। कुछ मौकों पर तो वह अरुणाचल को अपने नक्शे में शामिल कर दुनिया के सामने साबित करने की कोशिश कर चुका है कि वह उसका इलाका है। मगर भारत की तरफ से मिले सख्त प्रतिरोध की वजह से उसे हर बार मुंह की खानी पड़ी है। दरअसल, भारत की बढ़ती आर्थिक और सामरिक ताकत चीन को चुभती रही है, इसलिए वह चोरी, चालाकी और चालबाजी से भारत को कमजोर करने की चालें चलता रहता है। विचित्र है कि वह सीमा विवाद को बातचीत के जरिए सुलझाने की बातें तो करता है, पर इसके लिए कोई गंभीर पहल कभी नहीं करता।

समय को दोष देकर हम अपने कर्तव्यों से बच नहीं सकते, सोच की शुद्धता ही जीवन में ला सकती है सच्चा परिवर्तन

बचपन से ही हम यह सुनते आए हैं कि दुनिया तेजी से बदल रही है। लोग कहते हैं- समय बहुत बदल गया है। लेकिन समय वैसा ही है, जैसा पहले था। साल के वही बारह महीने हैं, दिन के वही चौबीस घंटे, सूरज अब भी पूर्व दिशा से ही निकलता है और चंद्रमा आज भी अपनी तय गति से आसमान में चलता है। प्रकृति ने अपनी लय नहीं बदली, ब्रह्मांड का संचालन यथावत है। बदलाव अगर नहीं आया है, तो वह हमारी सोच में, जीवनशैली में और हमारे दृष्टिकोण में।

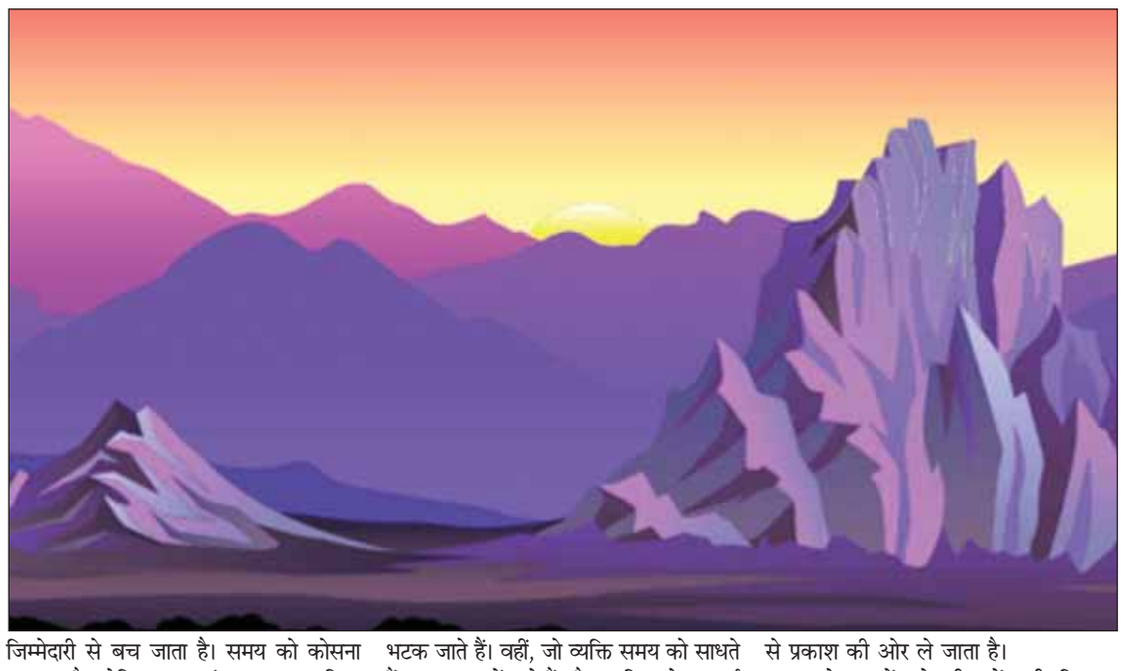

समय वही दिखाता है जो हम हैं। समय को दोष देना छोड़कर अगर हम हर दिन को अवसर की तरह देखें और अपने विचारों तथा कर्मों को उसकी दिशा में लगाएं, तो वही समय जो हमें अब कठिन लगता है, वही हमारी सफलता की कहानी बन सकता है। बचपन से ही हम यह सुनते आए हैं कि दुनिया तेजी से बदल रही है। लोग कहते हैं- समय बहुत बदल गया है। लेकिन समय वैसा ही है, जैसा पहले था। साल के वही बारह महीने हैं, दिन के वही चौबीस घंटे, सूरज अब भी पूर्व दिशा से ही निकलता है और चंद्रमा आज भी अपनी तय गति से आसमान में चलता है। प्रकृति ने अपनी लय नहीं बदली, ब्रह्मांड का संचालन यथावत है। बदलाव अगर नहीं आया है, तो वह हमारी सोच में, जीवनशैली में और हमारे दृष्टिकोण में। हमारी मानसिकता आज ऐसी हो गई है कि हम अपनी असफलताओं और कठिनाइयों का उत्तर समय पर मढ़ देते हैं। हमारी यह आदत बन चुकी है कि जब किसी कार्य में सफलता नहीं मिलती, तो हम तुरंत कह देते हैं- 'अब पहले जैसा समय नहीं रहा।' लेकिन सच्चाई यह है कि समय को दोष देकर हम अपने कर्तव्यों से बच नहीं सकते। समय तो एक मौन साक्षी है, जो न किसी की प्रशंसा करता है, न आलोचना। वह केवल चलता रहता है। हर युग में समय ने किसी को महान बनाया है, तो किसी को नष्ट भी किया है। यह सब उस व्यक्ति की सोच, उसके कर्म और दृष्टिकोण पर निर्भर रहा है। आज हम एक ऐसे दौर में हैं जहां तकनीक, संसाधन और अवसर पहले से कहीं अधिक हैं। बावजूद इसके, लोग अधिक तनावग्रस्त हैं, अधिक असंतुष्ट हैं। इसका कारण केवल बाहरी नहीं, आंतरिक है। हमारी सोच नकारात्मकता से भर गई है, हमारी सहनशीलता में कमी आई है और हमने अपने जीवन की बागडोर दूसरों या 'समय' के हाथों में सौंप दी है। जबकि सच्चाई यह है कि जीवन की दिशा और दशा हमारे ही हाथ में होती है। हम जैसा सोचते हैं, महसूस करते हैं, वैसा ही जीवन बनाते हैं। हमारी इस प्रवृत्ति का असर हमारे परिवार, समाज और राष्ट्र पर भी पड़ता है। जब कोई युवा प्रयास करने से पहले ही यह मान लेता है कि 'अब समय अच्छा नहीं है', तो वह कभी पूरी तरह प्रयास ही नहीं करता। जब कोई बुजुर्ग वर्तमान पीढ़ी की आलोचना करते हुए कहता है कि 'हमारे समय में ऐसा नहीं होता था', तो वह अपनी जिम्मेदारी से बच जाता है। समय को कोसना आसान है, लेकिन आत्ममंथन करना कठिन। और हम आसान रास्ता चुनते हैं। यह प्रवृत्ति केवल व्यक्तियों तक सीमित नहीं रही। यह समाज की सोच बन चुकी है। हम अपने आसपास देख सकते हैं कि कैसे ज्यादातर लोग अपनी असफलता, आलस्य और कमजोरी का कारण समय को मानते हैं। लेकिन वह समय किसी अन्य व्यक्ति के लिए अवसर बन जाता है। इतिहास ऐसे अनगिनत उदाहरणों से भरा पड़ा है, जब विषम परिस्थितियों में भी कुछ लोगों ने असाधारण कार्य किए। उन्होंने समय को साधन नहीं माना, बल्कि साधना का माध्यम बनाया। हमें यह समझना होगा कि सोच की शुद्धता ही जीवन में सच्चा परिवर्तन ला सकती है। कोई भी व्यक्ति एक दिन में सफल नहीं होता, लेकिन हर दिन का छोटा प्रयास मिलकर बड़ी सफलता का आधार बनता है। और यह तभी संभव है जब हम समय से भागें नहीं, बल्कि उसका सम्मान करें, इसका उपयोग करें। समय न किसी के पक्ष में है, न विरोध में। वह केवल अवसर देता है- हर व्यक्ति को, हर दिन को। यह हम पर निर्भर करता है कि हम उस अवसर का क्या करते हैं। जो लोग समय को दोष देने में लगे रहते हैं, वे प्रगति की राह से भटक जाते हैं। वहीं, जो व्यक्ति समय को साधते हैं, अनुशासन में रहते हैं और हर दिन को एक नई शुरूआत मानते हैं, वे अपने जीवन में सफलता की ऊंचाइयां छूते हैं। इसके लिए हमें आत्मचिंतन की आवश्यकता है। हमारी सबसे बड़ी जंग बाहरी हालात से नहीं, हमारी आंतरिक सीमाओं से है। जब तक हम अपनी सोच को परिवर्तित नहीं करेंगे, तब तक कोई भी परिस्थिति हमारे अनुकूल नहीं बन सकती। हमें यह भी स्वीकार करना होगा कि सकारात्मक परिवर्तन केवल सोचने से नहीं आता, उसके लिए निरंतर अभ्यास, अनुशासन और आत्मनियंत्रण चाहिए। हमें खुद को उन आदतों से मुक्त करना होगा जो हमारी प्रगति में बाधा बनती हैं। जैसे टालमटोल की प्रवृत्ति, दूसरों को दोष देना, और निरंतर शिकायत करना। जब हम इन आदतों से ऊपर उठते हैं, तभी हम जीवन की वास्तविक उन्नति की ओर बढ़ सकते हैं। परिवर्तन की यात्रा स्वयं से शुरू होती है। अगर हम चाहते हैं कि समाज बदले, देश बदले, तो पहले हमें स्वयं को बदलना होगा। अपने विचारों को ऊंचा करना होगा, अपने कार्यों को उद्देश्यपूर्ण बनाना होगा और हर दिन को एक नई शुरूआत की तरह जीना होगा। यही वह रास्ता है जो हमें अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाता है।

अपने बच्चों को भी हमें यही सिखाना चाहिए कि समय को दोष देना एक कमजोर सोच है। उन्हें यह सिखाना होगा कि हर परिस्थिति में कुछ न कुछ सकारात्मक पाया जा सकता है, अगर दृष्टिकोण सही हो। इसके लिए सबसे जरूरी है कि हम स्वयं उस सकारात्मकता के उदाहरण बनें। हमारे कर्म, हमारी ईमानदारी और हमारी जीवनशैली ही उनके लिए सबसे बड़ा प्रेरणा स्रोत हो सकती है। समय एक दर्पण की तरह है। वह वही दिखाता है जो हम हैं। अगर हम उसमें सफलता, आशा और ऊर्जा देखना चाहते हैं, तो पहले हमें वह सब अपने भीतर पैदा करना होगा। समय को दोष देना छोड़कर अगर हम हर दिन को अवसर की तरह देखें और अपने विचारों तथा कर्मों को उसकी दिशा में लगाएं, तो वही समय जो हमें अब कठिन लगता है, वही हमारी सफलता की कहानी बन सकता है। समय नहीं बदला है। अगर किसी में बदलाव की जरूरत है, तो वह हम हैं। हमारा दृष्टिकोण, अनुशासन और हमारी कर्मनिष्ठा ही इस जीवन की असली दिशा तय करेंगे। यही सच्ची प्रेरणा है, यही सच्चा आत्मबोध।

आतंक से निपटने का नया मंत्र, पाकिस्तान की खुल रही पोल

हाल के सैन्य टकराव के दौरान भारत ने नया संकल्प लेकर एक नए सिद्धांत को मान्यता दी और वह यह कि भविष्य में किसी भी आतंकी हमले को भारत के विरुद्ध युद्ध की घोषणा के रूप में लिया जाएगा। व्यवहार में इसका प्रभाव यह होगा कि कोई आतंकी हमला होने पर भारत को पाकिस्तान के विरुद्ध तत्काल सैन्य कार्रवाई करनी होगी। पिछले दिनों भारत और पाकिस्तान के बीच सामरिक संघर्ष ने अतीत की कई रेखाओं को मिटाकर भविष्य को लेकर नई रेखा खींचने का काम किया। पिछली सरकारों के उलट पाकिस्तान से निपटने को लेकर मोदी सरकार ने भारत का रवैया पूरी तरह बदल दिया। इस दौरान आतंकी ठिकानों को नष्ट करने के लिए सीमा पार कार्रवाई से भी गुरेज नहीं किया गया। नियंत्रण रेखा यानी एलओसी से लेकर अंतरराष्ट्रीय सीमा और यहां तक कि पाकिस्तानी पंजाब के भीतर तक हमले किए गए। पहलगाम आतंकी हमले के बाद आपरेशन सिंदूर के रूप में भारत की जवाबी कार्रवाई कई मायनों में अलग रही। परमाणु हथियारों वाले दोनों देशों के बीच कारगिल संघर्ष के बाद हुआ यह पहला सैन्य संघर्ष कई संदेश समेटे हुए है। इसने सामरिक परिदृश्य पर समीकरण बदलकर रख दिए। आपरेशन सिंदूर के तहत भारतीय वायु सेना ने पूरे पाकिस्तान और गुलाम कश्मीर में फैले नौ आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया तो पाकिस्तान ने एलओसी पर विशेषकर पुंछ में नागरिकों पर हमले किए। पाकिस्तान के इस दुस्साहस के परिणाम से तनाव इतना बढ़ा कि जवाबी कार्रवाई में भारत ने पाकिस्तान के बड़े शहरों में एयर डिफेंस सिस्टम को नाकाम किया और उसके एयरबेस निशाने पर लिए। इससे यही संदेश निकला कि भारत की धरती पर किसी भावी आतंकी हमले की सूरत में हमारी प्रतिक्रिया केवल एलओसी तक सीमित न होकर अंतरराष्ट्रीय सीमा के पार तक हो सकती है। हालिया टकराव की प्रकृति देखें तो जिस पैमाने पर ड्रोन और मिसाइल का उपयोग किया गया, उससे साफ है कि भावी संघर्षों में उनकी अहम भूमिका रहेगी। इससे संघर्ष पारंपरिक भौगोलिक दायरे से इतर भी बढ़ेगा। करीब 50 वर्षों से दोनों देश मुख्य रूप से एलओसी के इर्दगिर्द जम्मू-कश्मीर में ही संघर्षरत रहे हैं, लेकिन ड्रोन्स-मिसाइल के चलते

टकराव उत्तर पश्चिम और पश्चिम भारत की सीमा तक बढ़ सकता है। इससे नाटकीय बदलाव आ सकता है, जहां एक कूटनीतिक फिसलन केवल संघर्ष विराम उल्लंघन ही नहीं, बल्कि ड्रोन हमलों का कारण बन सकती है। इस कारण जोखिम बढ़ने के साथ ही टकराव की आवृत्ति भी बढ़ सकती है। संघर्ष विराम के बाद भी छिटपुट रूप से यह देखा जा रहा है। सामान्य परिस्थिति में सटीक हवाई हमले जैसी सैन्य क्षमता का भलीभांति आकलन नहीं हो पाता और यह बात भारत समेत सभी देशों पर भी लागू होती है। हालिया सैन्य संघर्ष के दौरान भारत ने अपनी सामरिक क्षमताओं का सफलतापूर्वक प्रदर्शन किया है। भारत ने पुख्ता खुफिया जानकारी के आधार पर सटीक और प्रभावी हमले किए। चाहे लाहौर के एयर डिफेंस सिस्टम को नाकाम करना हो या पाकिस्तान में करीब नौ सैनिक ठिकानों को निशाना बनाना रहा हो, भारत ने अपने लक्ष्यों को अपेक्षित रूप से हासिल किया। पाकिस्तान पर ऐसी सामरिक बढ़त का भारत की विदेश नीति पर भी असर पड़ेगा। इस प्रदर्शन से अमेरिका, आस्ट्रेलिया और जापान जैसे सामरिक साझेदारों का भारत की क्षमताओं में विश्वास और बढ़ेगा। वे नई दिल्ली पर अपना दांव और बढ़ाते दिखेंगे। अपनी इन मारक क्षमताओं से चीन के विरुद्ध भी भारत को निवारक शक्ति बढ़ाने में मदद मिलेगी, भले ही उसका दायरा सीमित हो। पाकिस्तान प्रायोजित आतंक ने लंबे समय तक भारत के धैर्य की प्रतीक्षा ली, लेकिन मोदी सरकार ने पाकिस्तान से निपटने में भारतीय रणनीति ही पूरी तरह बदल दी। उड़ी हमले के बाद से भारत ने तय कर लिया कि पाकिस्तान की प्रत्येक आतंकी करतूत का कड़ा जवाब दिया जाएगा और हर जवाबी कार्रवाई पूर्व की तुलना में बड़ी होगी। पाकिस्तान से निपटने में अब यही 'न्यू नार्मल' है। इस रणनीति के मूल में यही है कि आतंक एवं आतंकियों को पालने-पोसने वाली पाकिस्तान सेना को भी बड़ी कीमत चुकानी पड़ेगी। हालांकि, हालिया झड़पों और पाकिस्तानी सेना की जवाबी कार्रवाई से यह संकेत भी मिले कि यह रणनीति अपेक्षाकृत जोखिम भरी है। क्षेत्रीय सुरक्षा परिदृश्य के दृष्टिकोण से देखा जाए तो यह एक जोखिम भरा घटनाक्रम है। जवाबी हमले की भारत की संकल्पशक्ति एवं उसे लेकर पाकिस्तानी तत्परता से यह लगता है कि भविष्य में ऐसे टकराव के कारण जान-माल की क्षति और बढ़ेगी। अच्छी बात यह रही कि हालिया टकराव में भारत की सक्षम एयर डिफेंस प्रणाली द्वारा पाकिस्तानी ड्रोन और मिसाइलों को निष्प्रभावी करने के चलते देश में बड़ी मानवीय क्षति नहीं हुई। भारत ने भी पाकिस्तान में पहले केवल आतंकी और बाद में सैन्य ठिकानों को ही निशाना बनाया। भविष्य में शायद यह स्थिति न दिखे। आतंकी हमले के जवाब में भारतीय कार्रवाई और पाकिस्तान द्वारा उसकी प्रतिक्रिया खतरनाक रूप ले सकती है। हाल के सैन्य टकराव के दौरान भारत ने नया संकल्प लेकर एक नए सिद्धांत को मान्यता दी और वह यह कि भविष्य में किसी भी आतंकी हमले को भारत के विरुद्ध युद्ध की घोषणा के रूप में लिया जाएगा। व्यवहार में इसका प्रभाव यह होगा कि कोई आतंकी हमला होने पर भारत को पाकिस्तान के विरुद्ध तत्काल सैन्य कार्रवाई करनी होगी। ऐसी नीति के सार्वजनिक होने से सरकार के हाथ कुछ बंध जाते हैं, लेकिन उसे आधिकारिक न बनाने से उसमें कुछ गुंजाइश रह जाती है। यह उल्लेखनीय है कि अब प्रधानमंत्री मोदी ने इस नीति पर चलने की खुली घोषणा कर दी है।

क्या यह हास्यास्पद नहीं कि पहले तो उसने अरुणाचल को चीनी नाम दिया और फिर उसके अलग-अलग क्षेत्रों का नया नामकरण करने में लगा हुआ है? साफ है कि वह खीझ मिटाने के लिए अपनी बचकानी हरकतों से भारत को उकसाना चाहता है। वह ऐसी हरकतें पहले भी करता रहा है। शायद उसने यह मुगालता पाल लिया है कि अरुणाचल के एक साथ 27 स्थानों को चीनी नाम देने से भारत दबाव में आ जाएगा।

पाकिस्तान के बुरी तरह मात खाने से बौखलाया चीन

भारत को वन चाइना के साथ अपनी तिब्बत नीति पर भी नए सिरे से विचार करना होगा। इससे भी जरूरी बात यह है कि चीनी वस्तुओं पर निर्भरता घटानी होगी। यह अफसोस की बात है कि मेक इन इंडिया अभियान और भारत को आत्मनिर्भर बनाने की पहल के बाद भी चीनी आयात में कमी नहीं लाई जा पा रही है। भारत के साथ सैन्य टकराव में अपने सदाबहार दोस्त पाकिस्तान के बुरी तरह मात खाने से चीन किस तरह बौखलाया है, इसका पता इससे भी चला कि उसने अरुणाचल के 27 स्थानों के चीनी नाम दे दिए। इनमें आवासीय क्षेत्रों के साथ पहाड़ और नदियां भी हैं। यह ध्यान रहे कि वह अरुणाचल को पहले ही चीनी नाम दे चुका है। क्या यह हास्यास्पद नहीं कि पहले तो उसने अरुणाचल को चीनी नाम दिया और फिर उसके अलग-अलग क्षेत्रों का नया नामकरण करने में लगा हुआ है? साफ है कि वह खीझ मिटाने के लिए अपनी बचकानी हरकतों से भारत को उकसाना चाहता है। वह ऐसी हरकतें पहले भी करता रहा है। शायद उसने यह मुगालता पाल लिया है कि अरुणाचल के एक साथ 27 स्थानों को चीनी नाम देने

से भारत दबाव में आ जाएगा। ऐसा तो बिल्कुल भी नहीं होने वाला और उलटे भारत को इस नतीजे पर पहुंचने में और आसानी होगी कि वह उतना ही धोखेबाज है, जितना पाकिस्तान। चीन ने पाकिस्तान को आपरेशन सिंदूर की तपिश से बचाने के लिए हरसंभव कोशिश की, लेकिन वह नाकाम रहा। दोयम दर्जे के चीनी हथियार पाकिस्तान के लिए मुसीबत बन गए और वह इतना असहाय हो गया कि उसे अमेरिका से गुहार लगानी पड़ी। चीन इसलिए और अधिक बौखलाया है, क्योंकि भारत ने उसके एयर डिफेंस सिस्टम, ड्रोन, मिसाइल आदि की इस कदर पोल खोल कर रख दी कि अब उसके लिए दुनिया के निर्धन देशों को अपने हथियार बेचना कठिन होगा। पाकिस्तान ने जिस चीनी मिसाइल का इस्तेमाल किया था, उसे भारत ने नाकाम कर दिया। इसके नतीजे में इस मिसाइल का निर्माण करने वाली चीनी कंपनी के शेयर लुढ़क गए। चूंकि भारतीय सेना ने पाकिस्तान के साथ ही चीन पर भी तगड़ी चोट की है, इसीलिए उसे सूझ नहीं रहा कि वह अपनी झेंप कैसे मिटाए। यह ठीक है कि भारत ने चीनी हरकत पर यह जवाब दिया कि इससे सच्चाई बदलने वाली नहीं है, लेकिन उसके खिलाफ कुछ और भी करना होगा। बतौर उदाहरण दक्षिण चीन सागर को दक्षिण पूर्व एशिया सागर कहना होगा। भारत को वन चाइना के साथ अपनी तिब्बत नीति पर भी नए सिरे से विचार करना होगा। इससे भी जरूरी बात यह है कि चीनी वस्तुओं पर निर्भरता घटानी होगी। यह अफसोस की बात है कि मेक इन इंडिया अभियान और भारत को आत्मनिर्भर बनाने की पहल के बाद भी चीनी आयात में कमी नहीं लाई जा पा रही है। ऐसा क्यों नहीं हो पा रहा है, इस पर सरकार के साथ हमारे उद्योग जगत को भी गंभीरता से सोचना होगा। इसलिए और भी, क्योंकि विश्व के अनेक देश कोविड महामारी के बाद से ही चीन प्लस वन नीति को बढ़ावा दे रहे हैं। इसके तहत वे चीन पर अपनी निर्भरता कम करना चाहते हैं।

अभी सेना में महिलाओं की उपस्थिति कोई बहुत उत्साहवर्धक नहीं है। शीर्ष न्यायालय ने उचित ही सवाल किया है कि जब महिलाएं रफाल उड़ा सकती हैं, तो सेना की कानूनी शाखा में उनकी संख्या सीमित क्यों है। वे शीर्ष पदों पर क्यों नहीं नियुक्त हो सकतीं। स्थायी कमीशन के लिए भी सेना में कार्यरत महिलाओं को लंबा संघर्ष करना पड़ा था। अपने अधिकारों के लिए उन्हें कानूनी लड़ाई लड़नी पड़ी थी। तब शीर्ष न्यायालय के एक महत्त्वपूर्ण फैसले के बाद सेना में उच्च पद पर उनके पहुंचने का रास्ता खुला था।

सेना में महिलाओं की संख्या पर हमेशा से उठते रहे हैं सवाल, अदालतें सरकार को अपनी मानसिकता बदलने की देती रही हैं नसीहत

अभी सेना में महिलाओं की उपस्थिति कोई बहुत उत्साहवर्धक नहीं है। शीर्ष न्यायालय ने उचित ही सवाल किया है कि जब महिलाएं रफाल उड़ा सकती हैं, तो सेना की कानूनी शाखा में उनकी संख्या सीमित क्यों है। सेना में स्त्री-पुरुष समानता सुनिश्चित करने में भारत की प्रगति धीमी रही है। बावजूद इसके, महिलाएं तमाम चुनौतियों को पार करते हुए सेना के तीनों अंगों में अपनी जगह बना रही हैं और धीरे-धीरे अग्रणी भूमिका में भी दिखने लगी हैं। मगर यह संख्या अब भी संतोषजनक नहीं है। पुरुषों के मुकाबले जिस अनुपात में महिलाओं को सेना में अवसर मिलना चाहिए, उस पर प्राय- सवाल उठते रहे हैं। कोई दोराय नहीं कि जब जीवन के हर क्षेत्र में महिलाएं पुरुषों के कंधे से कंधा मिला कर चल रही हैं, तो सैन्य बलों में उनकी प्रतिभागिता पर्याप्त रूप से क्यों नहीं बढ़ाई जानी चाहिए? अभी सेना में महिलाओं की उपस्थिति कोई बहुत उत्साहवर्धक नहीं है। शीर्ष न्यायालय ने उचित ही सवाल किया है कि जब महिलाएं रफाल उड़ा सकती हैं, तो सेना की कानूनी शाखा में उनकी संख्या सीमित क्यों है। वे शीर्ष पदों पर क्यों नियुक्त हो सकतीं।

स्थायी कमीशन के लिए भी सेना में कार्यरत महिलाओं को लंबा संघर्ष करना पड़ा था। अपने अधिकारों के लिए उन्हें कानूनी लड़ाई लड़नी पड़ी थी। तब शीर्ष न्यायालय के एक महत्त्वपूर्ण फैसले के बाद सेना में उच्च पद पर उनके पहुंचने का रास्ता खुला था। स्त्री-पुरुष समानता के सवाल पर अदालतें सरकार को अपनी मानसिकता बदलने की नसीहत देती रही हैं। महिलाओं को स्थायी कमीशन देने का फैसला सुनाते समय भी जब अदालत ने सरकार को टोका था, तो उसका कहना था कि रक्षा बलों में पुरुष अभी महिला अधिकारियों की कमान स्वीकार करने के लिए मानसिक रूप से प्रशिक्षित नहीं हो पाए हैं। मगर अब तो अग्रिम मोर्चे में महिलाएं कई अहम भूमिकाएं निभाने लगी हैं। सीमित संख्या में ही सही, अगर महिलाएं युद्धक विमान उड़ाने के काबिल हो गई हैं, तो क्या पुरुष वर्चस्व की मानसिकता नहीं बदलनी चाहिए। सेना की विभिन्न शाखाओं में महिलाओं की संख्या बढ़ाने के साथ उन्हें युद्ध क्षेत्र में क्यों नहीं तैनात किया जाना चाहिए। आज सेना की सभी चिकित्सा सेवाओं का नेतृत्व महिलाएं ही कर रही हैं। इस पर गंभीरता से विचार होना चाहिए कि बाकी सेवाओं में भी अग्रणी भूमिका से उन्हें क्यों वंचित रखा जाए।

डबलूटीसी 2025 फाइनल की प्राइज मनी की घोषणा, विनर को 30.79 करोड़ रुपए

नंबर-3 पर रहने पर भारत को 12.32 करोड़ रुपए मिलेंगे

नई दिल्ली। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप की राशि में बढ़ोतरी की है। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल मुकाबला लॉर्ड्स में ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका के बीच 11 से 15 जून तक खेला जाएगा। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के विजेता को 30.79 करोड़ रुपए राशि मिलेगी, जबकि हारने वाली टीम को 18.47 करोड़ रुपए राशि मिलेगी।

पिछले दो फाइनल से 17.96 करोड़ रुपए ज्यादा इस बार विजेता टीम को मिलने वाली इनामी राशि पिछले दो फाइनल के विजेताओं न्यूजीलैंड (2021) और ऑस्ट्रेलिया (2023) की जीती राशि से 17.96 करोड़ रुपए से अधिक है। पिछले दो एडिशन में विजेता को 13.68 करोड़ रुपए दिए गए थे, जबकि उपविजेता को 6.84 करोड़ रुपए दिए गए थे।

टीम इंडिया को मिलेगी 12.32 करोड़ रुपए वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में खेलने वाली सभी 9 टीमों को प्राइज मनी मिलेगी। नौवें स्थान पर रहने वाली पाकिस्तान को भी 4.10 करोड़ रुपये मिलेंगे। वहीं तीसरे स्थान पर रहने वाली टीम इंडिया को 12.32 करोड़ रुपए मिलेंगे।

वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के तीसरे चरण में साउथ अफ्रीका ने 69.44 प्रतिशत के साथ पॉइंट टेबल में टॉप रह कर फाइनल के लिए अपना स्थान सुनिश्चित किया था। जबकि ऑस्ट्रेलिया ने 67.54 प्रतिशत के साथ दूसरे स्थान पर रहकर फाइनल के लिए क्वालिफाई किया था।

भारत ने अधिकांश समय पॉइंट टेबल में टॉप पर रहने के बाद आखिरी में 50.00 अंक हासिल कर तीसरे स्थान पर रहा। भारत को आखिरी दो सीरीज में हार का सामना करना पड़ा था। न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज में हार के बाद उसे ऑस्ट्रेलिया में हार का सामना करना पड़ा था।

आईसीसी अध्यक्ष जय शाह ने कहा कि तीसरा चरण काफी रोचक रहा। फाइनलिस्ट का फैसला आखिरी में जाकर हुआ। मुझे यकीन है कि लॉर्ड्स में दर्शकों के साथ-साथ दुनिया भर से आने वाले प्रशंसकों को इस प्रतिष्ठित फॉर्मेट में कुछ बेहतरीन क्रिकेट देखने को मिलेगा, जब ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका अब से एक महीने से भी कम समय में मैदान पर उतरेंगे।

ला लीगा- रियल मैड्रिड ने मायोर्का को 2-1 से हराया, एमबाप्पे और रैमॉन ने एक-एक गोल किया

नई दिल्ली। स्पेनिश लीग ला लीगा में बुधवार को खेले गए मैच में रियल मैड्रिड ने मायोर्का को इंजरी टाइम में गोल कर 2-1 से हरा दिया। मैड्रिड के लिए किलियन एमबाप्पे और जैकोबो रैमॉन ने एक-एक गोल किया।

बार्सिलोना को खिताब के लिए करना पड़ेगा इंतजार इसके साथ ही बार्सिलोना को अपने 28वां लीग खिताब के लिए इंतजार करना पड़ेगा। स्पेनिश लीग में सबसे ज्यादा पॉइंट अर्जित करने वाली टीम खिताब जीतती है। बार्सिलोना के 35 मैच के बाद 82 पॉइंट है। वह पॉइंट टेबल में टॉप पर है। जबकि रियल मैड्रिड 36 मैचों के बाद 78 पॉइंट के साथ दूसरे स्थान पर है।

स्पेनिश लीग में 20 टीमें खेल रही है। प्रत्येक टीम को एक-दूसरे से दो-दो मैच खेलने हैं। एक मैच अपने होम ग्राउंड पर और दूसरा बाहर यानी प्रत्येक टीम को 38 मैच लीग में खेलने हैं।

बार्सिलोना को 3 मैच खेलने हैं और एक भी जीतने के बाद वह खिताब जीत जाएगी। जबकि दूसरे स्थान पर रहने वाली रियल मैड्रिड के दो मैच बाकी है, और दोनों जीतने के बाद भी खिताब हासिल करना मुश्किल है।

मार्योका ने हाफ टाइम में रियल मैड्रिड से 1-0 से आगे रहा। मार्योका की तरफ से 11 वें मिनट में मार्टिन वाल्जेंट ने गोल कर टीम को 1-0 से आगे कर दिया। उसके बाद हाफ टाइम तक दोनों टीमों ने कोई और गोल नहीं किए।

मबाप्पे ने गोल कर टीम को बराबरी पर लाया मैच के 68वें मिनट में किलियन एमबाप्पे ने गोल कर रियल मैड्रिड को 1-1 की बराबरी पर लाकर खड़ा कर दिया। लीग में उनका यह 28वां गोल था।

वह लीग में सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी हैं। उनसे तीन गोल पीछे बार्सिलोना के रॉबर्ट लेवांडोव्स्की हैं। इनके 25 गोल हैं।

रैमॉन ने इंजरी टाइम में विजयी गोल दागा ऐसा लग रहा था कि बार्सिलोना का खिताब तय हो गया, पर इंजरी टाइम में रियल मैड्रिड की ओर से जैकोबो रैमॉन ने गोल कर स्कोर को स्कोर 2-1 कर दिया और टीम को जीत दिला दी।

इसके साथ ही बार्सिलोना को खिताब जश्न मानने के लिए रोक दिया। उन्हें अपने अगले मैच तक इंतजार करना पड़ेगा। बार्सिलोना का मैच गुरुवार को एस्पेनयोल के साथ है। जीत के साथ ही वह खिताब भी जीत लेगी।

सुनील गावस्कर ने बीसीसीआई मुख्यालय में बने बोर्ड रूम 10000 गावस्कर का उद्घाटन किया

मुंबई। भारत के महान खिलाड़ी सुनील गावस्कर ने मुंबई में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) मुख्यालय में उनके सम्मान में बने बोर्ड रूम का उद्घाटन किया है। ÷एक महान खिलाड़ी का सम्मान! भारत के महान खिलाड़ी सुनील गावस्कर ने मुंबई में बीसीसीआई मुख्यालय में उनके सम्मान में बने बोर्ड रूम और उनके ऐतिहासिक मील के पत्थर 10000 गावस्कर का उद्घाटन किया,÷ बीसीसीआई ने इस कार्यक्रम का एक वीडियो साझा किया, जिसमें बीसीसीआई अध्यक्ष रोजर बिन्नी, उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला और सचिव देवजीत सैकिया भी मौजूद थे।

गावस्कर ने वीडियो में कहा, जिसमें उन्हें अपने खेल के दिनों की एक तस्वीर पर हस्ताक्षर करते हुए देखा जा सकता है, ÷एमसीए मेरी मां है और बीसीसीआई मेरा पिता है। बहुत-बहुत धन्यवाद। मैं वास्तव में इस अवसर की सराहना करता हूं कि मैं वह हूं जो मैं हूं, भारतीय क्रिकेट का धन्यवाद। यह एक बहुत बड़ा सम्मान है। मैं इस सम्मान के लिए बीसीसीआई का बहुत आभारी हूं। और मैं बीसीसीआई के लिए यह सब देना चाहता हूं... इसलिए जब भी मुझसे कुछ भी अपेक्षित हो, यहां तक कि इस उम्र में भी, कृपया बेझिझक..।÷

बल्लेबाजी के दिग्गज 10,000 टेस्ट रन बनाने वाले पहले बल्लेबाज थे। उन्होंने 125 टेस्ट मैचों में 51 से अधिक की औसत से 10,122 रन बनाकर अपने करियर का समापन किया। उन्होंने 34 शतक बनाए।

गुजरात में शामिल हो सकते हैं कुसल मेंडिस इंग्लैंड के जोस बटलर की जगह लेंगे

नई दिल्ली। श्रीलंका के विकेटकीपर-बल्लेबाज कुसल मेंडिस गुजरात टाइटंस में शामिल हो सकते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, मेंडिस के इंग्लैंड के जोस बटलर की जगह लेने की संभावना है। हालांकि गुजरात की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। बटलर वेस्टइंडीज के खिलाफ 29 मई से शुरू हो रही वनडे सीरीज के कारण आईपीएल के प्लेऑफ मैच के लिए उपलब्ध नहीं हो सकते हैं। इससे पहले, बुधवार को दिल्ली कैपिटल्स ने बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को बतौर रिप्लेसमेंट टीम में शामिल किया है। वे ओपनर जैक फ्रेजर मैगर्क की जगह लेंगे। मैगर्क मौजूदा सीजन के बाकी मैचों के लिए भारत नहीं आएंगे। फ्रेंचाइजी ने रहमान से 6 करोड़ रुपए में एग्रीमेंट किया है, लेकिन यह एग्रीमेंट मुश्किल में पड़ता दिखाई दे रहा है।

एग्रीमेंट के बाद बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के सीईओ निजामुद्दीन चौधरी ने कहा- अभी तक बीसीबी से प्लेयर और बीसीसीआई ने इस एग्रीमेंट के लिए एनओसी नहीं मांगा गया है। उन्होंने क्रिकइंफो से कहा- मुस्तफिजुर को टीम के साथ यूएई जाना है।

कैफ बोले-लगता है विराट टेस्ट खेलना जारी रखना चाहते थे

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद कैफ का मानना है कि विराट कोहली इंग्लैंड सीरीज के लिए पूरी तरह तैयार थे। लेकिन, उन्हें अजीत अगरकर की अगुआई वाली चयन समिति का समर्थन नहीं मिला।

कोहली ने 12 मई को टेस्ट क्रिकेट से संन्यास का ऐलान किया था। उन्होंने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए इसकी जानकारी दी थी।

रणजी खेलकर इस फॉर्मेट को जारी रखने के दिए थे संकेत कैफ ने बुधवार को आईएएनएस को दिए एक इंटरव्यू में कहा, मुझे लगता है कि वह इस फॉर्मेट में खेलना जारी रखना चाहते थे। इसको लेकर उनकी बीसीसीआई अधिकारियों और चयनकर्ताओं से बातचीत भी हुई होगी। चयनकर्ताओं ने पिछले 5-6 सालों में उनके प्रदर्शन का हवाला दिया होगा और उन्हें बताया होगा कि टीम में उनकी जगह अब नहीं हो सकती। हमें कभी पता नहीं चलेगा कि क्या हुआ, यह अनुमान लगाना बहुत मुश्किल है कि पर्दे के पीछे वास्तव में क्या हुआ था।

व्यापार

वोडाफोन आइडिया ने सुप्रीम कोर्ट में राहत मांगी

एजीआर ड्यूज पर 30,000 करोड़ के पेनल्टी-ब्याज को माफ करने की मांग

नई दिल्ली। टेलीकॉम कंपनी वोडाफोन आइडिया ने एडजस्टेड ग्रॉस रेवेन्यू ड्यूज से जुड़े 30,000 करोड़ रुपए से अधिक के पेनल्टी और ब्याज को माफ करने की मांग की है। रिपोर्ट के मुताबिक, कंपनी ने 19 मई को सुप्रीम कोर्ट में एक नई याचिका दाखिल कर इस मामले में तुरंत सुनवाई की गुहार लगाई है।

वोडाफोन ने दावा किया है कि सरकार की कंपनी में 49 प्रतिशत हिस्सेदारी है। एजीआर फैसले की बाध्यताओं के चलते सरकार राहत देने में असमर्थ है, लेकिन वह एक पार्टनर की तरह काम करते हुए कंपनी को बचाने में मदद करे। वोडाफोन आइडिया ने अपनी याचिका में कहा कि एजीआर फैसले के बाद सरकार के लिए और राहत देना मुश्किल है।

वोडाफोन ने कहा कंपनी में 59 लाख से अधिक छोटे शेयरधारक हैं। मदद से कंपनी की फाइनेंशियल कंडीशन पर बड़ा असर हो सकता है।

इससे पहले वोडाफोन आइडिया ने 30 मार्च को घोषणा की थी कि सरकार कंपनी के स्पेक्ट्रम ऑक्शन के 36,950 करोड़ रुपए के बकाया को इक्विटी शेयर्स में बदल देगी। यानी कंपनी पर जितना बकाया है, उतनी वैल्यू की हिस्सेदारी सरकार हासिल कर लेगी। इस कन्वर्जन के बाद टेलीकॉम कंपनी में सरकार की हिस्सेदारी 22.6 प्रतिशत से बढ़कर लगभग 49 प्रतिशत हो गई थी। हालांकि, प्रमोटर कंपनी का ऑपरेशनल कंट्रोल बरकरार रखेंगे।

वोडाफोन आइडिया ने एक प्रेस स्टेटमेंट में बताया था कि मिनिस्ट्री ऑफ कम्युनिकेशन ने 29 मार्च 2025 को एक आदेश जारी किया था, जिसमें सितंबर 2021 के टेलीकॉम रिफॉर्म पैकेज के चलते कन्वर्जन को मंजूरी दी गई थी। खबर के बाद कंपनी का शेयर करीब 4 प्रतिशत की तेजी के साथ 7.22 रुपए पर बंद हुआ।

अमेजन-फ्लिकार्ट पर अब नहीं बिकेंगे पाकिस्तानी झंडे और सामान, भारत का ई-कॉमर्स कंपनियों को निर्देश

बायकॉट पाक की मुहिम तेज

नई दिल्ली। पहलगाम की घटना के बाद बढ़े तनाव और ऑपरेशन सिंदूर के एक्शन से पड़ोसी दुश्मन मुल्क पाकिस्तान पूरी तरह से बेदम हो चुका है. पाकिस्तान को घुटनों के बल लाने के बाद अब उनके ऊपर आर्थिक प्रहार कर उसे और कमर तोड़ने की कोशिश की जा रही है. यही वजह है कि देश में पाकिस्तान के खिलाफ बायकॉट मुहिम अब और जोर पकड़ने लगी है.

सेंट्रल कंज्यूमर प्रोटेक्शन अथॉरिटी यानी सीसीपीए की तरफ से अमेजन और फ्लिपकार्ट समेत अन्य कंपनियों को बकायदा इस बारे में नोटिस जारी किया गया है और कहा गया है कि वे पाकिस्तानी झंडे और वहां के सामान को हटा लें.

सीसीपीए का कहना है कि पाकिस्तान सामान और उसके झंडे का ई-कॉमर्स साइट्स पर बिकना खुलेआम बिक्री से जुड़े कानूनों का उल्लंघन है. ऐसे में उसे फौरन कंपनयों को हटा लेना चाहिए. उपभोक्ता मामलों के मंत्री प्रह्लाद जोशी ने बकायदा अपने एक्स एकाउंट पर इस बारे में पोस्ट करते हुए उसे फौरन हटाने के निर्देश दिए हैं.

उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा है कि ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स को सरकार की तरफ से नोटिस भेजा गया है. उन्होंने इसमें लिखा है कि ये असंवेदनशील चीजें बर्दाश्त नहीं की जाएगा और देश का कानूनों का पालन करने के लिए सभी ई-कॉमर्स कंपनियों को निर्देश दिया गया है.

कुछ इसी तरह का मुहिम पाकिस्तान का साथ देने वाले तुर्की के खिलाफ भी देश में चल रहा है. भारत में लोग अब न सिर्फ तुर्किए के सामानों का बायकॉट क रहे हैं बल्कि वहां यात्रा करने से भी परहेज कर रहे हैं. इसके साथ ही, वे पर्यटन से भी किनारा करने की अपील कर रहे हैं. तुर्किए बॉयकाट का आह्वान लोग ऐसे वक्त पर कर रहे हैं जो रिकॉर्ड संख्या में भारतीय पर्यटक वहां पर जा रहे थे.

अप्रैल 2025 में भारत की बेरोजगारी दर 5.1 प्रतिशत सरकार ने पहली बार जारी किए मासिक आंकड़े

नई दिल्ली। देश में पहली बार जारी मासिक बेरोजगारी के आंकड़ों के अनुसार अप्रैल महीने में इसकी दर 5.1 प्रतिशत रही। गुरुवार को सरकार की ओर से इससे जुड़े आंकड़े जारी किए गए। सांख्यिकी व कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने देश में नौकरियों के लिए पात्र लोगों में बेरोजगार लोगों के अनुपात की वास्तविक समय पर निगरानी करने के प्रयासों के तहत पहला मासिक आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) जारी किया। अब तक श्रम बल सर्वेक्षण तिमाही के साथ-साथ वार्षिक आधार पर भी जारी किया जाता था।

पुरुषों में बेरोजगारी की दर 5.2 प्रतिशत

साप्ताहिक स्थिति (सीडब्ल्यूएस) में एकत्र किए गए नवीनतम आंकड़ों से पता चला है कि अप्रैल 2025 के दौरान सभी उम्र के व्यक्तियों के लिए बेरोजगारी दर 5.1 प्रतिशत रही। इस दौरान, पुरुषों में बेरोजगारी की दर 5.2 प्रतिशत रही, जबकि महिलाओं में यह दर 5 प्रतिशत रही।

देश भर में 15-29 आयु वर्ग के लोगों में बेरोजगारी दर अप्रैल में 13.8 प्रतिशत थी। शहरी क्षेत्रों में बेरोजगारी दर 17.2 प्रतिशत थी, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में यह 12.3 प्रतिशत थी। अध्ययन से यह भी पता चला कि 15-29 आयु वर्ग की महिलाओं में बेरोजगारी दर (यूआर) पूरे देश में (ग्रामीण+शहरी) 14.4 प्रतिशत थी। जबकि शहरों में यह 23.7 प्रतिशत और गांवों में 10.7 प्रतिशत थी।

शहरों में बेरोजगारी दर 15 प्रतिशत और गांवों में 13 प्रतिशत

देश में 15-29 वर्ष आयु वर्ग के पुरुषों में बेरोजगारी दर 13.6 प्रतिशत दर्ज की गई, जबकि शहरों में यह 15 प्रतिशत और गांवों में 13 प्रतिशत थी। आंकड़ों से यह भी पता चला कि अप्रैल 2025 के दौरान 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के लोगों में श्रम बल भागीदारी दर (एलएफपीआर) 55.6 प्रतिशत थी। ग्रामीण क्षेत्रों में भागीदारी दर 58.0 प्रतिशत थी जबकि शहरी क्षेत्रों में यह 50.7 प्रतिशत थी। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के पुरुषों में एलएफपीआर क्रमशः 79.0 प्रतिशत और 75.3 प्रतिशत थी। अप्रैल 2025 के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में 15 वर्ष और उससे अधिक आयु की महिलाओं में श्रम बल भागीदारी की दर 38.2 प्रतिशत थी।

सेंसेक्स 1200 अंक चढ़कर 82,531 पर बंद, निफ्टी ने 6 महीने बाद 25,100 का लेवल पार किया

नई दिल्ली। हफ्ते के चौथे कारोबारी दिन गुरुवार, 15 मई को सेंसेक्स 1200 अंक चढ़कर 82,531 के स्तर पर बंद हुआ। दिन के निचले स्तर से इसने 1769 अंक की रिकवरी की।

निफ्टी में भी 395 अंक की तेजी रही, ये 25,062 के स्तर पर बंद हुआ। इसमें दिन के निचले स्तर से 568 की रिकवरी हुई। 17 अक्टूबर के बाद निफ्टी ने आज पहली बार 25,100 के स्तर को पार किया।

सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 29 में तेजी रही। टाटा मोटर्स 4.16 प्रतिशत, एचसीएल टेक 3.37 प्रतिशत, जोमैटो 2.22 प्रतिशत, अडाणी पोर्ट्स 2.19 प्रतिशत और एशियन पेंट्स 2.07 प्रतिशत ऊपर बंद हुए। इंडसइंड बैंक के शेयरे में मामूली गिरावट रही।

निफ्टी के 50 में से 49 शेयरों में उछाल रही। एनएसई का निफ्टी ऑटो इंडेक्स 1.92 प्रतिशत, रियल्टी 1.92 प्रतिशत, मेटल 1.74 प्रतिशत, मीडिया 1.59 प्रतिशत और आईटी 1.16 प्रतिशत चढ़कर बंद हुए।

इस बीच सैजिलिटी इंडिया लिमिटेड को वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही में 182 करोड़ रुपए का शुद्ध मुनाफा (कॉन्सोलिडेटेड नेट प्रॉफिट) हुआ है। सालाना आधार पर यह 127 प्रतिशत बढ़ा है। एक साल पहले की समान तिमाही में कंपनी का मुनाफा 80 करोड़ रुपए था।

राजमाता माधवीराजे सिंधिया की प्रथम पुण्यतिथि पर दी श्रद्धांजलि

ग्वालियर। कैलाशवासी राजमाता माधवीराजे सिंधिया की प्रथम पुण्यतिथि के अवसर पर छत्री पर राजमाता माधवीराजे सिंधिया की तस्वीर पर पुष्पांजली अर्पित की गई। इस मौके पर प्रमुख रूप से भाजपा शहर अध्यक्ष जयप्रकाश राजौरिया, सभापति मनोज तोमर, पूर्व अध्यक्षद्वय अभय चौधरी, कमल माखीजानी उपस्थित थे।

मुरार सात नंबर चौराहे पर सुरेन्द्र परमार द्वारा फलों का वितरण किया गया। हिमांशु शिल्पा खत्री द्वारा आदर्श कालोनी में रक्तदान का शिविर आयोजित किया गया, जिसमें 41 लोग ने रक्तदान किया। सायं को गुड्डू वारसी,

रूचिका श्रीवास्तव, प्रियंका गर्ग, डॉ. नरेश देव, मुक्तेश जैन द्वारा गायों को घास खिलाकर गौ सेवा की गई। सुरेश पहलवान द्वारा अचलेश्वर मंदिर पर गरीब लोगों को भोजन वितरित किया गया। छत्री में दरिद्र नारायण लोगों को भोजन कराया गया। अमर कुटे द्वारा स्वर्ग आश्रम में 100 लोगों को भोजन करवाय गया। छत्री में सायं को भजन संध्या में शिवपुरी के प्रसिद्ध भजन गायक अशोक मोहिते द्वारा भजन प्रस्तुत कर स्वरांजली अर्पित की गई। श्रद्धांजलि देने वालों में पूर्व मंत्री मायासिंह, ध्यानेन्द्र सिंह, प्रशांत महेता, वीरेंद्र गंगवाल, विधायक मोहन सिंह राठौर, प्रशांत गंगवाल, रामनारायण मिश्रा, गुड्डू वारसी, सुरेंद्र शर्मा सरपंच, सुरेन्द्र चच्चू, विजय गर्ग, आशीष अग्रवाल, नवीन परांडे, आनंद सावंत, आशीष प्रताप सिंह राठौर आदि शामिल हैं।

सेवा और समर्पण ही हमारी संस्कृति का मूल है : राठौड़

कै.माधवीराजे सिंधिया की पुण्यतिथि पर स्वर्ग सदन में दिव्यागों को उपकरण बांटे

ग्वालियर। दिव्यांगों की मदद करना ईश्वर की आराधना जैसी है। सेवा और समर्पण भारतीय संस्कृति का मूल है। जिसमें अर्पण, तर्पण और समर्पण की बात होती है। दिव्यांगों की यदि हम मदद करेंगे तो अन्य लोग भी उनकी मदद के लिए प्रेरित होंगे। यह बात भाजपा के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य आशीष प्रताप सिंह राठौड़ ने स्वर्ग सदन में कैलाशवासी श्रीमंत माधवीराजे सिंधिया की प्रथम पुण्यतिथि पर दिव्यांगजन उपकरण वितरण कार्यक्रम में कही। उन्होंने कहा कि दिव्यांगजन समाज के साथ कंधे से कंधा मिलाकर राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान दें। दिव्यांगों के कल्याण के लिए शासन कई कल्याणकारी योजनाएं चल रहा हैं। पुनर्वास केंद्र के माध्यम से इन योजनाओं का लाभ ले सकते हैं। इस दौरान उपस्थित दिव्यांगजनों को व्हीलचेयर, छड़ी, स्टेचर, वॉकर आदि उपकरण वितरित किए गए। कार्यक्रम में स्वर्ग सदन के संचालक विकास गोस्वामी, अचलेश्वर न्यास के पूर्व अध्यक्ष हरिदास अग्रवाल, मेला व्यापारी संघ अध्यक्ष महेंद्र भदकारिया, सर्व ब्राह्मण महासंघ युवा जिलाध्यक्ष कपिल भार्गव, अजाक्स कार्यवाहक जिलाध्यक्ष अतर सिंह जाटव, प्रेरक वक्ता प्रहलाद भाई जेसीआई पूर्व उपाध्यक्ष प्रदीप अग्रवाल, मातृत्व आरोग्य समिति अध्यक्ष डॉ. सूर्यकांत अग्निहोत्री, एनसीसी अधिकारी गजेंद्र जैन, कंपू ईदगाह कमेटी सचिव अनीस कुरैशी, चांद खान आदि उपस्थित रहे।

पाखंड को खंड-खंड करने के लिए कलम आवश्यक है: प. पु. श्रीपाद अवधूत स्वामी

– जनकल्याण के लिए हो सूचना का आदान प्रदान: अजय शर्मा

– महर्षि देवऋषि नारद जंयती पर पत्रकारों की परिचर्चा का आयोजन

देवास। महर्षि देवऋषि नारद जी की जयंती के अवसर पर विश्व संवाद केंद्र मालाव एवं प्रेस क्लब देवास के संयुक्त तत्वाधान में देवास जिले के पत्रकारों के लिए परिचर्चा का आयोजन विंध्याचल एकेडमी में किया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि प.पु. श्रीपाद अवधूत स्वामी दत्त पीठ मंदिर बांगर पीठाधीश्वर एवं मुख्य वक्ता विचारक अजय शर्मा जी (उज्जैन) रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रेस क्लब देवास के अध्यक्ष ललित जी शर्मा ने की। परिचर्चा का शुभारंभ कार्यक्रम के शुभारंभ में माँ सरस्वती एवं देवऋषि नारद के चित्रों पर मालार्पण एवं द्वीप प्रज्वल्लन कर हुआ। मुख्य वक्ता अजय शर्मा ने सभी को संबोधित करते हुए कहा कि जिस प्रकार नारद जी तीनों लोको के कल्याण हेतु सूचनाओं का आदान प्रदान करते थे, उसी प्रकार हम पत्रकारों को भी सूचना का आदान-प्रदान जनकल्याण के लिए करना चाहिए। मुख्य अतिथि प.पु.श्री श्रीपाद अवधूत स्वामी जी ने पत्रकारों को सम्बोधित करते हुए कहा कि पाखंड को खंड-खंड करने के लिए कलम की आवश्यक है। जिस प्रकार विश्वसनीयता की प्रतिमूर्ति नारद जी है, उसी प्रकार समाज भी पत्रकारों पर विश्वास करता है। ललित शर्मा ने अध्यक्षीय उद्बोधन में पत्रकारों को कहा की अगर प्रसिद्ध चाहिए तो पत्रकारिता करते समय हम सभी को नारद जी के व्यक्तित्व को आत्मसात करना होगा। उन्होंने देव ऋषि नारद के लोक कल्याण हेतु किए गए कार्यों का विस्तार से वर्णन किया साथी कहा कि उन्होंने जो श्राप दिए और जो श्राप उन्हें मिले वह भी जन कल्याणकारी रहे हैं।

मंचासीन अतिथियों का परिचय नितिन गुप्ता द्वारा दिया गया। कार्यक्रम की भूमिका प्रेस क्लब सचिव शेखर कौशल ने रखी। अतिथियों का स्वागत उपाध्यक्ष खुमानसिंह बैस, राजेश पाठक, अतुल शर्मा द्वारा किया गया एवं आभार शकील कादरी द्वारा प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम का संचालन अमित राव पवार ने किया। इस अवसर पर अनिल राज सिंह सिकरवार, जितेंद्र पुरोहित, सौरभ सचान, राजेश व्यास, उदय आरस, तनवीर शेख, चेतन राठौड़, अनिल सिंह ठाकुर, शैलेंद्र अडावदीया, विजेंद्र उपाध्याय, जितेन मारू, पं रघुनंदन समाधिया, मुर्तुजा सैफी, प्रिंस बैरागी, राजेश धनेचा, फरीद खान, धीरज सेन, जय प्रकाश भाटिया, अनिल राठौड़ पीपलरवां उपस्थित रहे।

श्री शिव छत्रपति मराठा संघ का चतुर्थ अखिल भारतीय मराठा युवक युवती परिचय सम्मेलन 18 मई रविवार को, सभी तैयारियॉ पूर्ण

देवास। संस्था के अध्यक्ष कीर्ति चव्हाण ने बताया कि श्री शिव छत्रपति मराठा संघ देवास द्वारा चतुर्थ अखिल भारतीय परिचय महाकुंभ का आयोजन 18.05.2024 रविवार को स्थानीय मल्हार स्मृति मंदिर में किया जा रहा है जिसमें की अभी तक कुल 550 से अधिक प्रविष्ठियां मध्यप्रदेश, राजस्थान, गुजरात, छत्तीसगढ़ एवं महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, हरियाणा से प्राप्त हो चुकी हैं। विगत तीन वर्षो से प्रारंभ हुए इस सम्मेलन में प्रतिवर्ष समाज के उत्थान के लिये कार्य करने वाले व्यक्तित्व को मराठा गौरव सम्मान भी दिया जाता है इस वर्ष यह सम्मान वरिष्ठ समाज सेवी श्रीमंत करणसिंह राजे पवार महाराज धार को देने का समिति ने निर्णय लिया हैं। कार्यक्रम का उद्घाटन देवास शाजापुर क्षेत्र के सांसद महेन्द्रसिंह सोलंकी, आध्यात्म गुरू महामंडलेश्वर 1008 श्री प्रेम परमार गुरूजी बगलामुखी धाम इंदौर विशेष अतिथि करेंगे। दोपहर में समिति की संरक्षक श्रीमंत गायत्री राजे पवार विधायक, श्रीमंत करणसिंह राजे पवार को मराठा गौरव सम्मान प्रदान करेगी। इस अवसर पर परिचय विशेषांक का भी प्रकाशन किया जायेगा जिसमें प्रत्याशियों एवं अभिभावको की फोटो सहित सम्पूर्ण जानकारी भी दी जायेगी। कार्यक्रम को मूर्तरूप देने के लिये संघ के सदस्य दिलीपसिंह जाधव, अशोक जाधव, सुरेश चव्हाण, कुमार जाधव, दिलीप तापकीर, दिनकर राव जाधव, संजय पाटील, हिमांशु राजोले, आनंदराव माने, प्रदीप पवार, संजय पवार,विनय कवले, महिला मण्डल की शालिनी चव्हाण, कल्पना जाधव, रंजना जाधव, मंगला शिन्दे,रोहिणी भोसले, सरोज भंवर, राजश्री काले, सारिका पवार, अनिता चव्हाण, पल्लवी जाधव, रागिनी भंवर, अलका जगताप, रीना पवार, सपना जाधव, मीना शिन्दे, रिचा जगताप,वंदना निम्बालकर एवं मराठा संघ की पूरी टीम विगत कई दिनों से बैठक कर सभी को अपनी-अपनी महती जिम्मेदारी सौंपकर कार्यक्रम को एक भव्य रूप देकर सम्पन्न कराने हेतु परिश्रम कर रही हैं। श्री चव्हाण ने समस्त समाजजन से अपील की है कि उक्त कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम का लाभ ले एवं इसे सफल बनावे।

सीबीएसई बोर्ड के 10वीं, 12वीं के परिणामों में लहराया कल्याणिका का परचम

- कल्याणिका के विद्यालयों ने अपनी उत्कृष्टता रखी कायम

(ब्यूरो राजेश शिवहरे)

अनूपपुर। श्री कल्याण सेवा आश्रम, अमरकंटक द्वारा इस आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र में क्रमशः तीन स्कूलों का संचालन कल्याणिका केन्द्रीय शिक्षा निकेतन अमरकंटक, पुष्पराजगढ़ और मां कल्याणिका पब्लिक स्कूल गौरेला में किया जा रहा है। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के घोषित 10वीं, 12वीं के परिणामों में फिर कल्याणिका के श्रृंखलाबद्ध विद्यालय के छात्र छात्राओं ने अपना परचम लहराया है।

कल्याणिका अमरकंटक में कक्षा 12वीं की बोर्ड परीक्षा में प्रथम स्थान लया साहू, द्वितीय स्थान गायत्री साहू और तीसरा स्थान रौनक खत्री ने और गौरेला के मां कल्याणिका पब्लिक स्कूल में प्रथम स्थान नैना ताम्रकार, द्वितीय स्थान पावनी अग्रवाल और तृतीय स्थान सृजन अग्रवाल ने बनाया। दोनों ही विद्यालय के परिणाम विज्ञान संकाय में 100 प्रतिशत और वाणिज्य संकाय में गौरेला में 100 प्रतिशत और अमरकंटक में 98 प्रतिशत रहा।

इसी क्रम में कक्षा 10वी में गौरेला स्कूल में दृष्णा अर्गल ने 97 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय में प्रथम स्थान, आर्यवीर गोयल ने 96 प्रतिशत अंकों के साथ द्वितीय और सार्थक मार्को एवं आरवी अग्रवाल ने 95 प्रतिशत अंकों के साथ तृतीय स्थान प्राप्त किया। कल्याणिका केन्द्रीय शिक्षा निकेतन के अनिमेष सिंह ने 95 प्रतिशत अंकों के साथ विद्यालय में प्रथम स्थान बनाया। जितने बच्चे दोनों बोर्ड में सम्मिलित हुए थे उनमें से अधिकांश बच्चे प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुए। कल्याणिका के श्रृंखलाबद्ध स्कूलों में पूरी पारदर्शिता के साथ होम एग्जाम्स में भी सत्य परिणाम घोषित किए जाते हैं, जिसके परिणाम स्वरूप बोर्ड में बच्चो का प्रदर्शन उत्कृष्ट रहता है। आज कल्याणिका इस अंचल का एक प्रतिष्ठित और विश्वसनीय शिक्षण संस्थान है। श्री कल्याण सेवा आश्रम के प्रबंधन्यासी व संचालक स्वामी हिमाद्रि मुनि जी ने अपने श्रृंखलाबद्ध विद्यालयों के छात्र छात्राओं द्वारा किए गए उत्कृष्ट प्रदर्शन पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि यह सभी बच्चे बधाई के पात्र हैं और अपने प्रेषित शुभकामना संदेश में इनके बेहतर और उज्जवल भविष्य की कामना की। उन्होंने एक बात का विशेष उल्लेख करते हुए कहा कि यदि उन्हें विद्यालयों से धनार्जन करना होता तो वह भी शहरों की ओर जाते किंतु हमारा उद्देश्य नाम के अनुरूप इस आदिवासी वनांचल में आधुनिक और बेहतर शिक्षा कल्प उपलब्ध करते हुए तुलनात्मक रूप से कम शुल्क में इस क्षेत्र के बच्चों का कल्याण करना था। हमारे विद्यालयों ने लगातार उत्कृष्ट परिणामों की परंपरा को कायम रखा है, इसके लिए शिक्षकगण भी बधाई के पात्र हैं। विद्यालयों के प्राचार्य डॉ. विनीत गाबा, कमलेश मिश्रा एवं शिक्षकगणों ने भी सभी कीर्तिमान रचने वाले व सफल छात्रों को बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना है।

भारतीय सेना के सम्मान में अनूपपुर में तिरंगा यात्रा 17 मई को

– राष्ट्रीय सुरक्षा के लिये नागरिक मंच ने नागरिकों से किया आह्वान

अनूपपुर। आगामी 17 मई 2025 शनिवार को ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सेना के अप्रतिम पराक्रम के लिये अनूपपुर जिला मुख्यालय मे तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी। जिसमें अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने के लिये जिले वासियों से राष्ट्रीय सुरक्षा के लिये नागरिक मंच ने आह्वान किया है। ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सेना के अदभुत पराक्रम और पाकिस्तान को मुँह तोड़ जवाब देने के लिए उनके शौर्य व वीरता के सम्मान में अनुपपुर जिले के लोग तिरंगा यात्रा के माध्यम से सम्मान करेंगे। इस हेतु शनिवार 17 मई को दोपहर तीन बजे जिला मुख्यालय स्थित सामतपुर के शिव मारुति मन्दिर के समीप सभी लोगों का एकत्रीकरण होगा। तिरंगा यात्रा सामतपुर शिव - मारुति मन्दिर से प्रारंभ होकर बस स्टैंड, स्टेट बैंक चौक, आदर्श मार्ग, रेलवे स्टेशन तिराहा से पीएचई तिराहा होकर वापस सामतपुर मन्दिर पहुंच कर वहाँ सेवानिवृत्त सैनिकों का सार्वजनिक अभिनन्दन करने के साथ पूर्ण होगी। सभी से निवेदन किया गया है कि भारतीय सेना के सम्मान में इस कार्यक्रम में अपनी उपस्थिति देकर उनके इस पराक्रम को सलाम करेंगे। जिलावासियों से अपील की गयी है कि आप सभी इस कार्यक्रम के आयोजक है, आइये सभी लोग तिरंगा यात्रा में शामिल हो कर देश के वीर सैनिकों का अभिनन्दन करें।

मादक पदार्थ गांजा के अवैध कारोबार के विरूद्ध कोतवाली अनूपपुर पुलिस द्वारा कार्यवाही

– गांजा सहित आरोपी गिरफ्तार

अनूपपुर। पुलिस अधीक्षक मोती उर रहमान के द्वारा जिले के समस्त थानो में अवैध मादक पदार्थ की धर पकड़ एवं प्रभावी कार्यवाही हेतु जिले में अभियान चलाया जा रहा है जो उक्त अभियान के अंतर्गत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक इसरार मंसूरी एवं एसडीओपी अनूपपुर सुमित केरकेट्टा के निर्देशन में थाना कोतवाली अनूपपुर पुलिस द्वारा बुधवार की दोपहर ग्राम ताराडांड़ बैरहनीटोला में अवैध मादक पदार्थ गांजा का विक्रय करने वाले आरोपी रामदास सिहं गोड़ निवासी बैरहनीटोला (ताराडांड़) को रंगे हाथों गांजा ले जाते हुए पकड़ा जाकर एन.डी.पी.एस. एक्ट में कार्यवाही की गई है।

टी.आई.कोतवाली निरीक्षक अरविन्द जैन के नेतृत्व में सहायक उपनिरीक्षक सुखीनंद यादव प्रधान आरक्षक शेख रसीद, प्रधान आरक्षक रितेश सिंह, आरक्षक प्रकाश तिवारी, अब्दुल कलीम, अमित यादव एवं महिला आरक्षक अंकिता सोनी के द्वारा ग्राम ताराडांड़ में कुछ दिनों से अवैध मादक पदार्थ गांजा बेचे जाने की शिकायतें प्राप्त होने पर बुधवार की दोपहर पुलिस टीम द्वारा रामदास सिहं गौड़ पिता जेठू सिहं गौड़ उम्र 40 वर्ष निवासी ग्राम ताराडांड के कब्जे से मादक पदार्थ गांजा 638 ग्राम गांजा कीमती 6500 रूपये एवं नगदी 4885 रूपये जप्त किया जाकर अपराध क्रमांक 236/25 धारा 8/20बी एनडीपीएस एक्ट पंजीबद्ध किया जाकर गिरफ्तार किया गया है।

ग्राम परासी में महिला एवं बाल विकास व पुलिस विभाग की टीम ने रुकवाया बाल-विवाह

अनूपपुर। कलेक्टर हर्षल पंचोली के निर्देशानुसार महिला एवं बाल विकास विभाग तथा पुलिस विभाग की टीम द्वारा विकासखण्ड अनूपपुर के ग्राम परासी में परिवारजनों को समझाईश देकर बाल-विवाह को रोका गया। ग्राम परासी में बाल विवाह की सूचना प्राप्त होने पर टीम द्वारा गांव में उपस्थित होकर वर एवं वधु पक्ष के परिजनों को बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के प्रावधानों से अवगत कराते हुए समझाइश दी गई। टीम ने परिवारजनों के साथ ही ग्रामीणजनों को भी बाल विवाह के दुष्परिणाम और कम उम्र में बालक-बालिका का विवाह करने पर कानूनी कार्यवाहियों की जानकारी दी, जिससे वर एवं वधु पक्ष के परिजनों ने बालिका की 18 वर्ष की आयु पूर्ण होने के पश्चात् ही विवाह करने की बात कही। बाल विवाह रोकने में विधि सह परिवीक्षा अधिकारी, महिला बाल विकास विभाग अशोक कुमार त्रिपाठी, पर्यवेक्षक दयमंती सिंह, भालूमाड़ा रघुराज सिंह, साकी सहित अन्य पुलिस कर्मियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

आजीविका उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराने बायर-सेलर मीट का भोपाल में किया जा रहा आयोजन

– अनूपपुर जिले के आजीविका अमरकंटक कोदो, कोदो कुकीज और गोंडी पेंटिंग को मीट में किया गया है शामिल

अनूपपुर। स्व सहायता समूहों के द्वारा तैयार किये जा रहे गुणवत्तापूर्ण उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराने के लिये डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी सभागृह, विकास भवन भोपाल में बायर-सेलर मीट का आयोजन 15 एवं 16 मई को किया जा रहा है, जिसका शुभारंभ पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल द्वारा किया गया।

अनूपपुर जिले में भी स्व सहायता समूहों के द्वारा कलेक्टर हर्षल पंचोली एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत तन्मय वशिष्ठ शर्मा के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में उच्च गुणवत्ता के उत्पादों का निर्माण किया जा रहा है।

जिले के स्व सहायता समूहों द्वारा बनाये जा रहे उत्पादों में से आजीविका अमरकंटक कोदो, कोदो कुकीज और गोंडी पेंटिंग को भी इस मीट में शामिल किया गया है।

जिले के उत्पादों को उपस्थित अतिथियों पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल, सीईओ, मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन भोपाल हर्षिका सिंह एवं अन्य के द्वारा अवलोकन किया गया एवं उत्पादों की प्रसंशा की गई। दो दिनों तक चलने वाले इस बायर सेलर मीट में विभिन्न व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के प्रतिनिधि प्रदेश भर के स्व सहायता समूहों के चिन्हित उत्पादों का अवलोकन कर निर्माता समूहों से चर्चा कर आगामी कार्यवाही सुनिश्चित करेंगे।

जपं एडीईओ की हत्या के मामले में 8 दोषियों को आजीवन कारावास

– विशेष न्यायाधीश (एट्रोसिटी एक्ट) मुरैना ने सुनाया फैसला

– हिन्दुस्तान एक्सप्रेस –

मुरैना। 7 अगस्त 2019 को जौरा क्षेत्र में बिलगांव के पास जनपद पंचायत जौरा के एडीईओ शिवचरन शाक्य की गोली मारकर हत्या और जपं समन्वयक सहित एक अन्य पर कातिलाना हमला किए जाने के मामले में विशेष न्यायाधीश (एट्रोसिटी एक्ट) मुरैना ने 8 अभियुक्तों कल्लू उर्फ रामकिशोर, शिवराज, राजेश, रामराज, मुकेश, प्रदीप, सुरेन्द्र और रवि को दोषी मानते हुए आजीवन कारावास और अर्थदण्ड की सजा सुनाई है। न्यायालय ने अपर्याप्त साक्ष्य होने पर तीन अभियुक्तों को दोषमुक्त कर दिया। जबकि हत्या, हत्या के प्रयास के इस मामले में अब तक एक आरोपी फरार बना हुआ है। अभियोजन की ओर से पैरवी उप संचालक अजाक अब्दुल नसीम एवं विशेष लोक अभियोजक इंद्रेश कुमार प्रधान ने की।

जनसंपर्क अधिकारी अभियोजन इन्द्रेश कुमार प्रधान के अनुसार जपं जौरा के एडीईओ शिवचरन शाक्य, समन्वयक जगन्नाथ सिकरवार 7 अगस्त 2019 को नंदपुरा गांव में खरंजा निर्माण को लेकर मिली शिकायत की जांच करने गए थे। जांच करने के बाद वे बोलेरो जीप से जौरा लौट रहे थे। वाहन में उनके साथ शिकायतकर्ता सुभाष सिकरवार नि. नंदपुरा, सतेन्द्र सिकरवार भी थे। वाहन को सुभाष का पुत्र सौरभ चला रहा था। शाम करीब 6.40 बजे बिलगांव के पास स्कार्पियो एवं एक बोलेरो जीप ने उनके वाहन को आगे-पीछे से घेर लिया। जिसके बाद दोनों वाहनों में सवार रामराज, कल्लू उर्फ रामकिशोर, प्रदीप सिकरवार, शिवराज सिकरवार ने बंदूक एवं कट्टों से फायरिंग करना शुरू कर दी। कल्लू उर्फ रामकिशोर की गोली लगने से जपं एडीईओ शिवचरन शाक्य की मौत हो गई। जबकि फायरिंग में सुभाष, जगन्नाथ गोली लगने से जख्मी हो गए थे। घटना को लेकर पुलिस ने सुभाष सिकरवार की रिपोर्ट पर 12 लोगों के विरुद्ध हत्या और हत्या का प्रयास एवं एट्रोसिटी एक्ट की धाराओं में अपराध दर्ज किया था। सनसनीखेज हत्या के इस मामले की जांच तत्कालीन एएसपी आशुतोष बागरी ने की। अभियोजन की ओर से पेश किए गए साक्ष्यों एवं तर्कों के आधार पर न्यायालय ने 8 आरोपियों को दोषी माना, उन्हें आजीवन कारावास, अर्थदण्ड की सजा सुनाई है। जबकि अपर्याप्त साक्ष्य को लेकर 3 आरोपी दोषमुक्त कर दिए गए। जबकि एक अन्य आरोपी अब तक फरार बना हुआ है।

खाद्यान्न पर्ची की ई-केवायसी 30 मई तक अधिकारी पूर्ण कराना सुनिश्चित करें: कलेक्टर

जिले में अभी भी 241070 हितग्राही ई-केवायसी के लिए शेष

लापरवाही बरतने वाले सबलगढ़, पोरसा और जौरा जनपद सीईओ एवं जेएसओ को नोटिस जारी

झुंडपुरा, जौरा और कैलारस के सीएमओ की प्रगति ठीक नहीं, तीनों को कारण बताओ नोटिस

- हिन्दुस्तान एक्सप्रेस -

मुरैना। प्रदेश सरकार द्वारा राशन प्राप्त करने वाले सभी हितग्राहियों की ई-केवायसी का कार्य 30 मई तक पूर्ण किया जाना है। जिसके तहत जिले में 14 लाख 2 हजार 552 हितग्राहियों में से आज तक 11 लाख 61 हजार 482 हितग्राहियों की ई-केवायसी का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। यह प्रगति मात्र 83 प्रतिशत है। 30 मई तक 2 लाख 41 हजार 70 हितग्राहियों की ई-केवायसी कराने का लक्ष्य अधिकारियों के सामने है। यह बात कलेक्टर अंकित अस्थाना ने गुरूवार को बैठक के दौरान अधिकारियों से कही।इस अवसर पर अपर कलेक्टर सीबी प्रसाद सहित ई-केवायसी कार्य में लगे संबंधित अधिकारी एवं जेएसओ उपस्थित थे।

कलेक्टर अंकित अस्थाना ने समीक्षा में पाया कि ई-केवायसी कार्य में जनपद सीईओ एवं जेएसओ द्वारा फील्ड में भ्रमण कर दुकानदारों को हितग्राहियों की ई-केवायसी कराने के लिये प्रेरित नहीं किया गया। इस कारण जिले की प्रगति कम हुई है। कलेक्टर ने नाराजगी व्यक्त करते हुये सबलगढ़, पोरसा और जौरा जनपद सीईओ एवं जेएसओ को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिये है। इसी प्रकार झुंडपुरा, जौरा और कैलारस नगरीय निकायों के सीएमओ द्वारा इस कार्य में कोई रूचि नहीं ली गई है, इस कारण लक्ष्य पूर्ण नहीं हो पाया। संबंधित तीनों अधिकारियों को भी कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश कलेक्टर ने दिये।

कलेक्टर अंकित अस्थाना ने समस्त अधिकारियों को निर्देश दिये कि खाद्यान्न प्राप्त करने वाले हितग्राहियों की राशन की दुकान पर ई-केवायसी का कार्य 30 मई तक पूरा किया जाना है, यह कार्य 30 मई तक नहीं हुआ तो वह हितग्राही राशन प्राप्त करने से वंचित रह सकता है। इसलिये अधिकारियों को 4-5 राशन की दुकान पर प्रतिदिन भ्रमण कर दुकानदार को समझाईश दें कि शेष बचे हुये हितग्राहियों की ई-केवायसी लक्ष्य के अनुसार प्रतिदिन का लक्ष्य निर्धारित कर जल्द पूर्ण करे। उन्होंने कहा कि प्रतिदिन दुकानदार द्वारा कराये गये ई-केवायसी कार्य के बारे में दूरभाष पर जानकारी लें, लक्ष्य समय-सीमा में पूर्ण होना चाहिये। उन्होंने कहा कि ई-केवायसी कार्य राशन दुकानदार पर पीओएस मशीन के द्वारा ही किया जायेगा। इसलिए अधिकारी अधीनस्थ कर्मचारियों को यह संदेश दें कि एक भी राशन प्राप्त करने वाले हितग्राही ई-केवायसी से वंचित नहीं रहने चाहिए। उन्होंने कहा इस कार्य को समय में पूरा करने के लिये पंचायत सचिव, जीआरएस, आशा एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका, शिक्षक आदि का सहयोग लिया जा सकता है और उन्हें बिठाकर समझाईश दे कि हर हितग्राही ही ई-केवायसी होना अनिवार्य है।

जल गंगा संवर्धन अभियान में उत्कृष्ट कार्य पर मिलेगा पुरस्कार

श्रेष्ठ कार्य करने वाले अधिकारियों, कर्मचारियों और कर्मियों को किया जाएगा राज्य स्तर पर पुरस्कृत

पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग ने जारी किए आदेश

- हिन्दुस्तान एक्सप्रेस -

मुरैना। जल गंगा संवर्धन अभियान में श्रेष्ठ कार्य करने वाले अधिकारियों, कर्मचारियों, कर्मियों को पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा राज्य स्तर पर पुरस्कृत किया जाएगा। पुरस्कार दो श्रेणी में प्रदान किये जायेंगे।

इस संबंध में म.प्र. राज्य रोजगार गारंटी परिषद के आयुक्त अवि प्रसाद ने बताया कि एक पुरस्कार जल गंगा संवर्धन अभियान में समग्र रूप से उत्कृष्ट कार्य पर और दूसरा मनरेगा अन्तर्गत खेत-तालाब निर्माण में श्रेष्ठ कार्य करने पर दिया जाएगा। अभियान में समग्र रूप से श्रेष्ठ कार्य करने पर पुरस्कार प्रथम, द्वितीय व तृतीय श्रेणी में दिया जाएगा। विभाग द्वारा प्रदेश के सभी कलेक्टर एवं जिला पंचायत सीईओ को निर्देश पत्र भी जारी कर दिए गए हैं। अभियान में समग्र रूप से श्रेष्ठ कार्य करने वाले जिले के कलेक्टर को क्रमशः 1 लाख 50 हजार रुपये, 1 लाख 25 लाख रुपये और 1 लाख रुपये की पुरस्कार राशि से पुरस्कृत किया जाएगा। इसी प्रकार मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) जिला पंचायत को प्रथम, द्वितीय व तृतीय पुरस्कार क्रमशः 1 लाख, 75 हजार और 50 हजार रुपये पुरस्कार स्वरूप राशि प्रदान की जाएगी। जबकि, जिले के अमले के लिए क्रमशः 6 लाख, 4 लाख 50 हजार और 3 लाख रुपये की पुरस्कार स्वरूप राशि प्रदान की जाएगी।

जिले के अधिकारियों-कर्मचारियों को पुरस्कार देने के लिए जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत जिला स्तरीय समिति द्वारा चयन किया जाएगा। इसके साथ ही यदि अभियान के अंतर्गत श्रेष्ठ कार्य करने वाले जिला, जनपद, पंचायत में कार्यरत अधिकारियों, कर्मचारियों, कर्मियों का स्थानांतरण हो जाता है तो उन्हें पदस्थापना की कार्य अवधि के समानुपात में पुरस्कार की राशि प्रदान की जाएगी। जिन नवगठित जिलों में जिला पंचायत गठित नहीं है उन जिलों के कलेक्टरों को संयुक्त रूप से उनकी जनपदों के प्रदर्शन के आधार पर समानुपातिक रूप से पुरस्कार दी जाएगी।

राज्य स्तर पर किया जाएगा सत्यापन

जल गंगा संवर्धन अभियान की अवधि पूर्ण होने पर मनरेगा डेशबोर्ड/ पोर्टल पर निर्धारित मापदंडों के अनुसार जिला, जनपद और ग्राम पंचायतों की रैंक के आधार पर उपरोक्त श्रेणियों का चयन किया जाएगा। इसका सत्यापन राज्य स्तर पर किया जाएगा।

खेत-तालाब में उत्कृष्ट कार्य करने वाले जिले व विकासखंड को भी मिलेगा पुरस्कार'

जल गंगा संवर्धन अभियान में खेत-तालाब के निर्माण में उत्कृष्ट कार्य वाले जिले व विकासखंड को पुरस्कृत किया जाएगा। यह पुरस्कार दो श्रेणियों में दिया जाएगा। जिला स्तरीय पुरस्कार के लिए ए व बी दो श्रेणी होगी। ए श्रेणी में 4 या उससे कम जनपदों को शामिल किया जाएगा। है। इसी तरह से बी श्रेणी में 5 या उससे अधिक जनपदों को शामिल किया जाएगा। विकासखंड स्तरीय पुरस्कार के लिए भी ए व बी श्रेणी निर्धारित की गई। ए श्रेणी में 70 या उससे कम ग्राम पंचायतों वाली जनपद पंचायतों को शामिल किया गया, जबकि बी श्रेणी के लिए 71 या उससे अधिक ग्राम पंचायत वाली जनपदों को शामिल किया गया है। पूरे प्रदेश में जिला स्तर व विकासखंड स्तर की दोनों श्रेणियों के लिए 1-1 पुरस्कार दिया जाएगा। जिला स्तरीय पुरस्कार ए व बी श्रेणी में आने वाले कलेक्टर को 1 लाख रुपये, मुख्य कार्यपालन अधिकारी को 75 हजार रुपये, कार्यपालन यंत्री ग्रामीण यांत्रिकी सेवा को 50 हजार रुपये और जिले के अमले के लिए 2 लाख 75 हजार रुपये की राशि पुरस्कार के तौर पर दी जाएगी। विकासखंड स्तर पर भी ए व बी श्रेणी में आने वाले जनपद पंचायत सीईओ को 50 हजार रुपये, सहायक यंत्री जनपद पंचायत को 30 हजार रुपये और जनपद अमले को 1 लाख 20 हजार रुपये की राशि पुरस्कार के रूप में प्रदान की जाएगी।

(सफलता की कहानी)

राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम योजना की मदद से चार वर्ष की बच्ची के दिल में छेद का हुआ निःशुल्क ऑपरेशन

मोनिका माहोर

मुरैना। मुरैना जिले के नूराबाद कस्बे में स्थित ग्राम जरेरुआ के निवासी सचिन कुशवाह की पुत्री के दिल में छेद का उपचार राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत चलने वाली आरबीएसके योजना से साकार हुआ है। कु. रोशनी के पिता सचिन बताते हैं कि उनकी बेटी के जन्म के समय ही उसकी तबीयत खराब रहती थी इलाज़ के दौरान उन्हें पता चला कि रोशनी के दिल में छेद है, इस बीमारी को कंजेनाइटल हार्ट डिसीज के नाम से भी जाना जाता है। सचिन बताते है कि मैं मजदूरी करके अपने परिवार का पालन-पोषण करता हूं। इतनी बड़ी बीमारी का इलाज कराने के लिए वह आर्थिक रूप से सक्षम नहीं थे। वह बताते है कि 15 अक्टूबर को ग्राम जरेरूआ आंगनवाडी केन्द्र पर डॉ. कृष्णकांत शर्मा ने बच्ची को देखा। बच्ची को देखने के बाद उन्होंने हमें बुलाया और बच्ची की बीमारी के बारे में जानकर बच्ची को जांचों के लिए राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अन्तर्गत जिले में संचालित लैब में भेजा गया। उसके बाद बच्ची का जिला शीघ्र हस्तक्षेप केन्द्र (डी.ई.आई.सी) मुरैना में 18 अक्टूबर 2024 को पंजीयन हुआ।

बच्ची को देखने के पश्चात शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. दिलीप राठौर ने बच्ची के ऑपरेशन की सलाह दी। जिला शीघ्र हस्तक्षेप केन्द्र (डी.ई.आई.सी) मुरैना के प्रबंधक रामकुमार गोयल ने बच्ची के पिता सचिन कुशवाह को ईको की जांच व अन्य सलाह के लिये जेएच हॉस्पीटल कार्डिओलॉजी विभाग में भेजा। उसके बाद बच्ची रोशनी कुशवाह की काउन्सलिंग सोशल वर्कर परशराम पाराशर द्वारा की गई। बच्ची का प्रकरण आयुष्मान योजना द्वारा तैयार कर बच्ची का पूरा इलाज, ऑपरेशन निःशुल्क सरकार द्वारा सुपर मल्टी स्पेशलिटि अस्पताल अरविन्दो मेडिकल कॉलेज प्राईवेट हॉस्पीटल इन्दौर में करवाया गया।

बच्ची रोशनी कुशवाह का निःशुल्क ऑपरेशन 07 मई 2025 को सुपर मल्टी स्पेशलिटी अस्पताल अरविन्दो मेडिकल कॉलेज इन्दौर मे सफलता पूर्वक हो गया चुका है। आज बच्ची स्वस्थ्य है। बच्ची रोशनी के माता-पिता राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यकम की सरहाना करते हुए वह मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव का सरकारी लाभकारी योजनाओं के लिए धन्यवाद ज्ञापित करते हैं।

पूर्व विधायक कंषाना के कार्यालय पर हुआ श्रद्धासुमन कार्यक्रम का आयोजन

- हिन्दुस्तान एक्सप्रेस -

मुरैना। विगत गुरूवार को पूर्व विधायक रघुराज सिंह कंषाना के रेस्ट हाउस स्थित जनसम्पर्क कार्यालय पर कैलाशवासी श्रीमंत राजमाता माधवीराजे सिन्धिया जी की प्रथम पुण्यतिथि पर श्रद्धासुमन कार्यक्रम का आयोजन किया। जिसमें भाजपा के वरिष्ठ पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं आमजन ने अपने श्रद्धा सुमन अर्पित किए। पुण्यतिथि में सम्मिलित कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक श्री कंषाना ने कहा कि स्व. माधवी राजे सिंधिया नेपाल राजघराने की बेटी थी। 1966 में उनका विवाह ग्वालियर के महाराज माधवराव सिंधिया जी से हुआ था। विवाह से पहले उनका नाम राजकुमारी किरण राज्यलक्ष्मी था। उनके दादा शमशेर जंग बहादुर राणा नेपाल के पीएम भी रह चुके है। श्रीमंत माधवराव सिंधिया जी के निधन उपरांत वह स्वयं राजनीति से दूर रही और अपने पति की राजनैतिक विरासत बेटे श्रीमंत ज्योतिरादित्य सिंधिया को सौंप दी और मार्गदर्शक के रूप में हमेशा साथ रही। इस पुण्यतिथि के अवसर पर अरविंद भदौरिया, एडवोकेट नत्थी सिंह, मण्डल अध्यक्ष जितेन्द्र गुर्जर, पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष भगवान सिंह जाटव, ओमप्रकाश ठगेले, जितेन्द्र घुरैया, नीरज भदौरिया, परमानंद शर्मा, लल्ला रियाना, आर्यन कंषाना, सतेंद्र धनेला, धर्मेंद्र सोलंकी, कल्लू कुशवाह सहित सैकड़ों की संख्या में भाजपा पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं ने श्रीमंत माधवी राजे सिंधिया को अपने श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

भारत का पारिवारिक ढांचा सामाजिक संतुलन का प्रेरक मॉडल

अंतरराष्ट्रीय परिवार दिवस पर परिवार भारतीय संस्कृति की धुरी विषय पर विचार गोष्ठी का आयोजन

- हिन्दुस्तान एक्सप्रेस -

मुरैना। अंतरराष्ट्रीय परिवार दिवस के अवसर पर बिस्मिल शिक्षा एवं जनकल्याण सेवा संस्थान द्वारा एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें परिवार भारतीय संस्कृति की धुरी विषय पर विस्तृत विचार-विमर्श हुआ। इस आयोजन में विभिन्न सामाजिक कार्यकर्ताओं, शिक्षाविदों एवं बुद्धिजीवियों शिक्षकों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

गोष्ठी के मुख्य वक्ता समाजसेवी डॉ. नरेश सिंह सिकरवार ने भारतीय समाज में परिवार की केंद्रीय भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति की सबसे बड़ी विशेषता इसका संयुक्त परिवार तंत्र रहा है, जिसमें हम का भाव मैं से बड़ा होता है। परिवार केवल खून का रिश्ता नहीं, बल्कि मूल्यों, परंपराओं और सह-अस्तित्व की अनुभूति का नाम है। आज जब दुनिया व्यक्तिगत स्वार्थों और एकाकी जीवनशैली की ओर बढ़ रही है, भारत का पारिवारिक ढांचा सामाजिक संतुलन का प्रेरक मॉडल बन सकता है। जहां बड़े बुजुर्गों के प्रति सम्मान का भाव हमारी जीवंत पारिवारिक संरचना का मूल सिद्धांत रहा है। बुजुर्ग हमारे परिवार रूपी वट वृक्ष को एकजुट रखते है। बुजुर्गों और उनके अनुभवों के प्रति सम्मान भारतीय पारिवारिक व्यवस्था की आत्मा है, जो पीढ़ियों को जोड़ने का कार्य करती है।

परिवार व्यक्ति के चरित्र निर्माण की पहली पाठशाला

डॉ सिकरवार ने कहा कि भारतीय दर्शन में परिवार केवल भौतिक इकाई नहीं है, बल्कि यह एक आध्यात्मिक संस्था है जो वसुधैव कुटुंबकम की भावना से प्रेरित होती है। परिवार व्यक्ति के चरित्र निर्माण की पहली पाठशाला है। बालक को संस्कार, अनुशासन, सहयोग और संवेदना सबसे पहले परिवार से ही प्राप्त होते हैं।

अपने पारंपरिक मूल्यों की ओर लौटने की आवश्यकता

इस अवसर पर उपस्थित वक्ताओं ने कहा कि आधुनिक समय में जब पारिवारिक विघटन की घटनाएँ बढ़ रही हैं, ऐसे में हमें फिर से अपने पारंपरिक मूल्यों की ओर लौटने की आवश्यकता है, जहाँ परिवार को प्राथमिकता दी जाए और बुजुर्गों का अनुभव तथा बच्चों की मासूमियत दोनों को समान मान दिया जाए।

कार्यक्रम का संचालन गिरीश शर्मा ने किया और अंत में संस्थान द्वारा सभी प्रतिभागी सम्मानित किए गए। संस्थान द्वारा यह संकल्प लिया गया कि पारिवारिक मूल्यों के प्रचार-प्रसार हेतु विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन नियमित रूप से किया जाएगा। इस अवसर पर प्रमुख रूप से विमलेश यादव, सतंजय मिश्रा, रघुराज परमार, विनोद सिकरवार, डॉ हरेंद्र तोमर, रामबरन शर्मा, जगदीश शर्मा, राजेंद्र शर्मा, भारत सिंह सहित अनेक लोग शामिल रहे।

मंत्री विजय शाह के विवादित बयान पर कांग्रेस नेता विक्रमराज मुदगल के नेतृत्व में ज्ञापन दिया गया

- हिन्दुस्तान एक्सप्रेस -

मुरैना। महिला सैन्य अधिकारियों पर आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर सभी कांग्रेसियों ने सिटी कोतवाली पहुंचकर एफआईआर करने के लिए ज्ञापन दिया। भारतीय सेना की महिला अधिकारी कर्नल सोफिया कुरैशी और अन्य महिला सैन्य अधिकारियों पर दिए गए कथित आपत्तिजनक बयान को लेकर कांग्रेस ने कड़ा विरोध जताया है। भाजपा सरकार के मंत्री विजय शाह द्वारा दिए गए विवादास्पद बयान को लेकर मुरैना में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जोरदार प्रदर्शन किया, मंत्री को बर्खास्त करने की मांग की।

मध्य प्रदेश के कैबिनेट मंत्री विजय शाह द्वारा भारतीय सेना की महिला अधिकारियों को लेकर की गई विवादास्पद टिप्पणी के खिलाफ कांग्रेस का आक्रोश फूट पड़ा। मंत्री पर आरोप है कि उन्होंने सेना की महिला अधिकारियों को आतंकवादियों की बहन कहकर संबोधित किया, जिसे कांग्रेस ने राष्ट्रविरोधी और सेना का घोर अपमान बताया है।

बता दें कि, इस बयान के विरोध में सिटी कोतवाली पहुंचकर परिसर में जोरदार प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन में राजेंद्र यादव, मनीष उपाध्याय, राकेश परमार, विजय चौहान, प्रमोद शर्मा हुसैनपुर, मातरम शर्मा, शेलू सिकरवार, दीपक सोलंकी, कुलदीप यादव, अवनीश कटारे, मिथुन तोमर, गोपाल दंडोतिया, रामू शर्मा, विनय शुक्रवार, रिंकू मुद्गल, अरुण प्रताप कुशवाहा, कृष्णपाल, विनोद यादव, सोनू निगम, गौरव चतुर्वेदी सहित कई कांग्रेसी शामिल हुए।

प्रसव के दौरान महिला की मौत, परिजन बोले मांगे 5 हजार

डॉक्टर, नर्सिंग स्टाफ पर एफआईआर की मांग को लेकर किया हंगामा

- हिन्दुस्तान एक्सप्रेस -

मुरैना/सबलगढ़। सिविल हॉस्पिटल सबलगढ़ में गुरुवार की दोपहर प्रसव कराने आई एक विवाहिता की मौत हो गई। जिसको लेकर परिजन ने हंगामा कर दिया। मृतका के पति का आरोप है कि ड्यूटी डॉक्टर नेहा राजौरिया व नर्सिंग स्टाफने प्रसव से पहले 5 हजार रुपए मांगे। इसके कुछ ही देर बाद हमसे कहा कि महिला को मुरैना ले जाओ। इलाज में देरी से महिला की मौत हुई है। परिजन ने डॉक्टर्स की लापरवाही और एफआईआर की मांग को लेकर तीन घंटे तक हंगामा किया। पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों ने समझा बुझाकर उन्हें थाने भेजा।

जानकारी के अनुसार सपना शर्मा 24 पत्नी आकाश थापक टेंटरा को प्रसव के लिए परिजन दोपहर 12 बजे सिविल हॉस्पिटल सबलगढ़ लेकर आए। यहां मेटरनिटी में डॉ. नेहा राजौरिया ड्यूटी पर थीं। सहायक स्टाफ नर्स गिरिजा रजक, हेमलता पाल, हौसला घोरमारे महिला को डिलेवरी रूम में ले गए। पति का

आरोप है कि पहले मुझसे कहा गया कि आपकी पत्नी ने बेटी को जन्म दिया है, जच्चा व बच्चा दोनों स्वस्थ है। 15 मिनट बाद मुझसे बाहर आकर नर्सिंग स्टाफ ने कहा कि प्रसूता की मौत हो गई है।

पति का आरोप-5 हजार मांगे, मुरैना ले जाने कहा, लापरवाही से गई जान

प्रसूता की मौत के बाद उसके परिजन ने इलाज में लापरवाही का आरोप लगाते हुए डॉ. नेहा राजौरिया

व नर्सिंग स्टाफ पर एफआईआर की मांग करते हुए हंगामा कर दिया। हंगामे के एक घंटे बाद नायब तहसीलदार रजनी बघेल को मौके पर आई और उन्होंने आक्रोशित परिजन से बातचीत की। मृतका के पति आकाश ने बताया कि जब डिलीवरी से पहले मुझसे नर्सिंग स्टाफ ने पांच हजार रुपए मांगे। रुपए नहीं देने पर हमसे कहा गया कि आपका रैफर पर्चा बना देते हैं, मुरैना ले जाओ। लेकिन रास्ते में डिलीवरी हो जाएगी, इसलिए आप यहीं प्रसव करवा लो। लापरवाही से मेरी पत्नी की जान गई है, इसलिए डॉक्टर व नर्सिंग स्टाफपर एफआईआर हो।

नायब तहसीलदार ने समझाकर थाने भेजा, तब शांत हुआ मामला

नायब तहसीलदार रजनी बघेल ने पूरे मामले से एसडीएम अरविंद माहौर को अवगत कराया। साथ ही परिजन को थाने में आवेदन देने के लिए भेजकर मामले को शांत कराया।

एक शाम देश के नाम भावांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया

- हिन्दुस्तान एक्सप्रेस -

मुरैना। सर्वप्रथम वनिता जागृति मंच की संस्थापक एवं अखिल भारतीय कलामंदिर भोपाल शाखा मुरैना की अध्यक्ष भारती जैन दिव्यांशी एवं संचालक व महामंत्री महिमा जैन सुधी ने सभी सदस्यों के साथ पहलगाम के आतंकवादी हमले में मारे गए भारतीय नागरिकों को एक मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की। तत्पश्चात ऑपरेशन सिंदूर के सफल होने के उपलक्ष्य में देशभक्ति से ओतप्रोत गीतों के माध्यम से सभी ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुति दीं। लगभग तीन घंटे तक बही देशभक्ति के गीतों की अजस्र धारा में वंदे मातरम् और भारत माता के जयकारों की गूँज से गुंजायमान रहा सदन। इसके साथ ही आयोजन में अपने स्वरचित एवं प्रसिद्ध दोहों के वाचन द्वारा सभी ने अपने संत कवियों का स्मरण भी किया। इस सुखद वातावरण का समापन सभी सदस्यों के द्वारा हाथों में तिरंगा थामकर माँ भारती के जयकारों के साथ किया गया। विशिष्ट गतिविधि में वनिता जागृति मंच द्वारा एक गरीब बिटिया को नकद सहयोग राशि प्रदान की गई।

आयोजन में मुख्य रूप से अध्यक्ष रमा गोलश, सचिव प्रेरणा गुप्ता, उपसचिव किरण जैन, कोषाध्यक्ष रीना जैन, सह कोषाध्यक्ष मीरा गुप्ता, अनुराधा जैन, दीप्ति श्रीवास्तव, अनीता गुप्ता, भारती गुप्ता, प्रीति गुप्ता, आराधना जैन, आरती जैन, दुर्गेश गुप्ता, प्रीति जैन, सारिका गुप्ता, संस्थापक भारती जैन, संचालक महिमा जैन उपस्थित रहीं।

अग्रवाल महासभा का निःशुल्क चिकित्सा शिविर 18 को

मुरैना। अग्रवाल महासभा मुरैना द्वारा बी.आई.एम. आर हॉस्पिटल्स ग्वालियर (बिड़ला अस्पताल) के सहयोग से स्व. श्रीमती शीला देवी गर्ग पत्नी रमेश गर्ग (मुख्य संरक्षक अग्रवाल महासभा मुरैना) की पावन स्मृति में विशाल निःशुल्क स्वास्थ्य चिकित्सा शिविर का आयोजन दिनांक 18 मई 2025 रविवार को अग्रवाल सेवा सदन टी-आर पुरम मुरैना पर सुबह 8.30 बजे से दोपहर 2.30 बजे तक किया जा रहा है। इस शिविर में बी.आई.एम. आर हॉस्पिटल्स ग्वालियर (बिड़ला अस्पताल) के वरिष्ठ चिकित्सकों द्वारा सभी प्रकार के रोगों का परीक्षण कर उपचार किया जाएगा। अतः अग्रवाल महासभा मुरैना आपसे निवेदन करती है कि अपने व्यस्ततम समय में से समय निकालकर दिनांक 18 मई 2025 रविवार को उपरोक्त विशाल निःशुल्क स्वास्थ्य चिकित्सा शिविर में पधारकर हमें अनुग्रहीत करने की कृपा करें। अग्रवाल महासभा आपकी आभारी रहेगी।

मप्र पर्यटन क्विज प्रतियोगिता की उपविजेता टीम को चंदेरी का भ्रमण कराया गया

- हिन्दुस्तान एक्सप्रेस -

मुरैना। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी मध्य प्रदेश पर्यटन क्विज प्रतियोगिता 2024 का आयोजन दिनांक 27 जनवरी 2024 को जिला स्तर पर मुरैना में किया गया इसमें मुरैना जिले की उपविजेता टीम का भ्रमण कार्यक्रम दिनांक 14 एवं 15 मई को चंदेरी में रहा। इस भ्रमण कार्यक्रम में जिला क्विज मास्टर डॉक्टर राकेश कुमार शर्मा के साथ महिला शिक्षिका श्रीमती शशि शर्मा एवं आठ विद्यार्थी शामिल रहे। यहां पर उनके द्वारा चंदेरी के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं धार्मिक स्थलों का भ्रमण किया गया। इस भ्रमण पर जिला क्विज मास्टर डॉ. राकेश कुमार शर्मा ने बताया कि यहां आने से पहले हम केवल चंदेरी को चंदेरी साड़ियों के निर्माण केंद्र के रूप में जानते थे, लेकिन यहां आकर हमने उन चंदेरी साड़ियों को बनते हुए

देखा है और यहां आकर हमें पता चला है कि इसके अलावा ऐतिहासिक, धार्मिक, प्राकृतिक, पुरातात्विक दृष्टि से भी चंदेरी अपने आप में अपना अद्वितीय स्थान रखता है। धार्मिक रूप में जैसा कि हमने मां जागेश्वरी का प्राचीन मंदिर हो या फिर लक्ष्मण जी का मंदिर हो दोनों ही अपना विशेष स्थान रखते हैं। प्रेम की परिभाषा को परिभाषित करते हुए शहजादी का रोजा हो या फिर कारीगरों द्वारा बनाया गया। कटी घाटी जिसे मालवा एवं बुंदेलखंड का प्रवेश द्वार कहा जाता है, कौशल महल और कीर्ति दुर्ग का उनके कौशल को एक अलग स्थान देते है। धार्मिक मान्यता के रूप में यहां पर हमें बताया गया कि महाभारत कालीन में जिस शीशपाल का जिक्र होता है। उसका जन्म चंदेरी में हुआ था। इस प्रकार भगवान कृष्ण का भी संबंध किस नगर से रहा है। जैन धर्म के कई जिनालय एवं मुस्लिम धर्म की शाही जामा मस्जिद है। यह नगर विंध्याचल पर्वत की श्रृंखलाओं से घिरा हुआ है, यह पर्वत एक दूसरे से अर्द्ध चंद्राकार रूप में जुड़े हुए हैं। यहां पर आकर जब बच्चों ने देखा कि यह वही स्थान है जहां पर सुई धागा, स्त्री आदि फिल्मों की शूटिंग हुई तब उन्होंने कहा कि यह स्थान तो हमें पर्यटन क्विज प्रतियोगिता में पूछा गया था। इस भ्रमण कार्यक्रम में शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय सबलगढ़ से बृजेश प्रजापति, अंकेश रावत, अनुदान प्राप्त एमएलडी हायर सेकेंडरी स्कूल अंबाह से भूरी शर्मा, गगन, किरण राठौर और शासकीय मॉडल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पहाड़गढ़ से राहुल राठौर, गौरव जादौन, राहुल धाकड़ सम्मिलित हुए। भ्रमण कार्यक्रम में मनोज सोनी गाइड के रूप में उपस्थित रहे। इनके द्वारा बच्चों को प्रत्येक स्थान के बारे में विस्तार से बताया गया। इस प्रकार बच्चों का उत्साह देखते ही बन रहा था। हम सब मध्य प्रदेश टूरिज्म बोर्ड भोपाल को बहुत-बहुत धन्यवाद देते हैं कि इस प्रतियोगिता के माध्यम से बच्चों को सांस्कृतिक, धार्मिक, ऐतिहासिक और पुरातात्विक ज्ञान प्राप्त हुआ।

अशोकनगर पहुंची 1080 मीट्रिक टन डीएपी खाद की रैक केंद्रीय मंत्री सिंधिया की तत्परता से किसानों को बड़ी राहत

- हिन्दुस्तान एक्सप्रेस -

अशोकनगर। जिले के किसानों के लिए राहत की खबर है। हाल ही में किसानों ने गुना सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया से डीएपी खाद की बेहतर उपलब्धता सुनिश्चित करने की माँग रखी थी। किसानों की इस ज़रूरत को गंभीरता से लेते हुए, सिंधिया के प्रयासों से जिले को 1080 मीट्रिक टन डीएपी खाद की एक और रैक प्राप्त हुई है। खाद की यह खेप पिपरई-मुंगावली विपणन संघ के माध्यम से तथा स्थानीय लाइसेंसी विक्रेताओं को भेजी गई है, जिससे ज़िले के अलग-अलग हिस्सों में खाद की आपूर्ति सुचारू हो सके।

किसानों तक सीधे पहुंचेगा लाभ

इस बार खाद का वितरण जिले की 60 से अधिक समितियों के माध्यम से किया जाएगा। प्रत्येक समिति को लगभग 25 मीट्रिक टन खाद दी जा रही है ताकि किसान पास की समिति से ही खाद ले सकें। इससे न केवल सुविधा बढ़ेगी, बल्कि वितरण प्रक्रिया में पारदर्शिता भी सुनिश्चित होगी। कृषि विभाग की ओर से बताया गया है कि खाद वितरण का कार्य सोमवार से प्रारंभ कर दिया जाएगा।

व्यवस्थित निगरानी और सहज व्यवस्था

पूरे वितरण की निगरानी जिला कृषि अधिकारी (DDA) द्वारा की जा रही है, ताकि वितरण निष्पक्ष और व्यवस्थित तरीके से हो सके। अधिकारी खाद आपूर्ति केंद्रों का निरीक्षण कर रहे हैं और यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि किसी भी किसान को असुविधा न हो।

41 लाख रूपए कीमत के मोबाइल लोगों को लौटाए भिण्ड पुलिस अधीक्षक डॉ. असित यादव ने

- हिन्दुस्तान एक्सप्रेस -

भिंड। जिले में अलग-अलग क्षेत्रों से गुम हुए 307 मोबाइल उनके असली मालिकों को वापस कर दिए हैं। इनकी कीमत 41 लाख 80 हजार रुपए आंकी गई है। मोबाइल वापस पाकर लोगों जवानों, छात्रों और गृहिणियों के चेहरों पर मुस्कान आई। बरामद किए गए मोबाइलों में आईफोन, वन प्लस, सैमसंग, वीवो, ओप्पो, रीयलमी, एमआई, मोटरोला, टैक्नो, इन्फिनिक्स और कीपैड मोबाइल शामिल हैं। सायबर सेल की मदद से अलग-अलग जिले, शहर व राज्यों से बरामद किए।

जिले के 27 थानों को सीईआईआर पोर्टल से गुम मोबाइलों को ट्रैक करने में मदद मिली। ये मोबाइल भिंड एसपी असित यादव ने गुरुवार को लोगों को दिए। इस दौरान सायबर सेल टीम और थानों की टीम मौजूद रही।

भिण्ड पुलिस अधीक्षक डॉ. असितयादव ने कहा कि जवानों ने कड़ी मेहनत और लगन से गुम हुए मोबाइल को बरामद किए है। साइबर सेल पुलिस थानों की टीम को इस सफलता के लिए कड़ी मशक्कत करनी पड़ी।

सैनिक, आम जन व छात्रों के चेहरे खिले

जिन लोगों को उनके मोबाइल लौटाए गए, उनमें भारतीय सेना, पुलिस, होमगार्ड, पूर्व सैनिक, माली, खिलाड़ी, छात्र, गृहिणी, शिक्षक, पत्रकार और आम नागरिक शामिल हैं। कुछ ऐसे भी लोग थे जो आर्थिक कारणों से नया मोबाइल नहीं खरीद पा रहे थे। एक छात्र राजेंद्र सिंह ने बताया, करीब दो माह पहले बाजार में किसी काम से जाते वक्त मोबाइल गुम हो गया था। मोबाइल के वापस मिलने की उम्मीद टूट चुकी थी। लेकिन जब पुलिस ने वापस किया तो ऐसा लगा जैसे कोई सपना सच हो गया।

गुम मोबाइल ढूंढने का अभियान एएसपी संजीव पाठक के निर्देशन में चला। इसमें सायबर सेल टीम ने सभी थानों को तकनीकी प्रशिक्षण देकर मोबाइल ट्रैसिंग के लिए सजग किया और निरंतर मॉनिटरिंग की। इस अभियान में अक्टूबर 2024 से 15 मई 2025 तक कुल 307 मोबाइल फोन बरामद किए गए, जिनकी अनुमानित कीमत ?41.80 लाख है। ये मोबाइल भिंड जिले के अलग-अलग थाना क्षेत्रों के साथ-साथ उत्तर प्रदेश, दिल्ली, राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, झारखंड, केरल, असम और छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों से बरामद किए गए।

व्यापारियों ने कैट के शिविर में कराया स्वास्थ्य परीक्षण

व्यापारी के घर से चोरी गए माल को बरामद करने पर माधौगंज थाना प्रभारी का किया सम्मान

- हिन्दुस्तान एक्सप्रेस -

ग्वालियर। कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स कैट द्वारा खासगी बाजार स्थित सिंधी धर्मशाला में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। स्वास्थ्य शिविर में बडी संख्या में व्यापारियों ने स्वास्थ्य परीक्षण कराया। वहीं माधौगंज थाना क्षेत्र में व्यापारी निशांत अग्रवाल के घर हुई चोरी का पर्दाफाश कर माल बरामद कर चोरों को पकड़ने पर माधौगंज थाना प्रभारी का प्रशांत शर्मा का सम्मान किया गया। कार्यक्रम शुभारंभ के अवसर पर मंच पर मुख्य अतिथि के रूप में एडिशनल एसपी गजेंद्र वर्धमान, सीएसपी मनीष यादव, माधौगंज थाना प्रभारी प्रशांत शर्मा, कोतवाली थाना प्रभारी सुश्री मोहिनी वर्मा सहित कैट प्रदेशाध्यक्ष भूपेंद्र जैन, जिलाध्यक्ष रवि गुप्ता विशिष्ट अतिथि अजय मंगल गहना ज्वैलर्स मौजूद रहे।

कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स कैट द्वारा आयोजित स्वास्थ्य शिविर में कार्डियोलॉजी डॉ आदित्य जैन, नेफ्रोलॉजी डॉ जितेंद्र राजपूत हिमेटोलॉजी डॉ मालिनी, गेस्ट्रोएन्ट्रोलॉजी डॉ मयंक महेश्वरी ने मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें परामर्श एवं दवाईयां दीं। इस अवसर पर कैट के महामंत्री विवेक जैन, कार्यकम संयोजक नितिन गोयल दौलतगंज, सह संयोजक अरूण गुप्ता, सह संयोजक अशोक अग्रवाल, मीडिया प्रभारी अंशुल तपा, गोपाल जैसवाल पवन जैन , गोपाल छावडा , राकेश अग्रवाल, अनिल केसवानी, दिलीप पंजवानी पुरूषोतम जैन, दीपक पमनानी, अंसुल तपा, मुकेश जैन मुख्यरूप से उपस्थित रहें।

भदौरिया बने दत्तोपंत ठेंगड़ी राष्ट्रीय श्रमिक शिक्षा विकास बोर्ड के सदस्य

ग्वालियर। भारतीय मजदूर संघ प्रदेश एवं केंद्रिय नेतृत्व द्वारा दत्तोपंत ठेंगड़ी राष्ट्रीय श्रमिक शिक्षा विकास बोर्ड ग्वालियर का सदस्य सुरेंद्र सिंह भदौरिया को बनाया गया है। भदौरिया ने भारतीय मजदूर संघ प्रदेश एवं केंद्र नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने मुझ पर विश्वास जताया में उस विश्वास को अपने कर्तव्य निर्वहन से पूरा करने का वादा करता हूँ। भदौरिया ने क्षेत्रीय कार्यालय पहुँचकर अपना दायित्व ग्रहण कर लिया है। इस अवसर पर दत्तोपंत ठेगड़ी राष्ट्रीय श्रमिक शिक्षा एवं विकास बोर्ड की निदेशक श्रीमती गरिमा जी, पूर्व चेयरमैन बसंत पुरोहित, वरिष्ठ कर्मचारी नेता पवन भटनागर, भारतीय मजदूर संघ के जिला अध्यक्ष विष्णु शर्मा, जिला मंत्री पुष्पराज सिकरवार, जिला कोषाध्यक्ष सतीश राठौर, वरिष्ठ उपाध्यक्ष गोविन्द यादव, सदस्य गणेश बैस, मप्र राज्य प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य प्रीतम गोयल, जिला संयोजक सुनील आर्य, सह संयोजक बलवीर परमार, अजय चौहान, पीएचई विभागीय समिति अध्यक्ष सुल्तान सिंह नरवरिया, प्रदीप शर्मा आदि उपस्थित थे।

कार्यकारिणी सदस्य, संजय अग्रवाल का आकस्मिक निधन अपूरणीय क्षतिः एमपीसीसीआई

- हिन्दुस्तान एक्सप्रेस -

ग्वालियर। एमपीसीसीआई के कार्यकारिणी सदस्य, संजय अग्रवाल के आकस्मिक निधन से ग्वालियर शहर के व्यवसाई अत्यन्त दुःखी है। दुःख की इस घड़ी में म.प्र. चेम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्री के पदाधिकारियों सहित संस्था के समस्त सदस्यों द्वारा हार्दिक शोक संवेदनाएँ व्यक्त की हैं।

अध्यक्ष-डॉ. प्रवीण अग्रवाल, संयुक्त अध्यक्ष-हेमन्त गुप्ता, उपाध्यक्ष-डॉ. राकेश अग्रवाल, मानसेवी सचिव-दीपक अग्रवाल, मानसेवी संयुक्त सचिव-पवन कुमार अग्रवाल व कोषाध्यक्ष-संदीप नारायण अग्रवाल ने दुःख की इस घड़ी में अपनी ओर से तथा संस्था के सभी सदस्यों की ओर से दुःख व्यक्त करते हुए कहा है कि श्री संजय अग्रवाल जी का निधन इस संस्था व समाज के प्रत्येक वर्ग के लिए निश्चित ही एक अपूर्णीय क्षति है। श्री अग्रवाल जी वर्ष 2019 से लगातार चेम्बर के कार्यकारिणी सदस्य थे।

पदाधिकारियों ने कहा है कि 'जीवन एवं मृत्यु एक शाश्वत सत्य है' परन्तु श्री संजय जी का निधन हम सभी के लिए एक अपूरणीय क्षति है। परम पिता परमेश्वर से प्रार्थना है कि वह दिवंगत आत्मा को चिर शांति एवं अपने श्रीचरणों में स्थाई विश्राम दें तथा हम सभी को तथा उनके परिवार को बिछोह का यह असहनीय दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

समाजसेवी विवेक अग्रवाल का निधन, श्रद्धांजलि आज

ग्वालियर। समाजसेवी एवं साफ्टकॉम कम्प्यूटर्स के संचालक विवेक अग्रवाल का बुधवार को बीमारी के चलते निधन हो गया। उनकी श्रद्धांजलि सभा 16 मई को गरगज वाटिका बहोडापुर चौराहा पर 4 से 5 बजे तक होगी। स्व. विवेक अग्रवाल के आकस्मिक निधन पर पत्रकार संगठनों सहित समाजसेवियों, व्यापारी संगठनों ने शोक श्रद्धांजलि अर्पित की है। श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में विनय अग्रवाल, सुरेश शर्मा, अजय मिश्रा, संजय त्रिपाठी, प्रदीप शास्त्री, जितेन्द्र पाठक, अंकित सिंघल, शैलेन्द्र शर्मा, धीरज बंसल, श्याम श्रीवास्तव, रविकांत दुबे आदि शामिल हैं।

॥ उठावनी ॥

अत्यंत दुःख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि हमारे प्रिय

श्री विवेक अग्रवाल

का स्वर्गवास दिनांक 14/05/2025 बुधवार को हो गया है जिनकी उठावनी आज दिनांक 16/05/2025 शुक्रवार को सायं 4 बजे से 5 बजे तक

स्थान : गरगज वाटिका, बहोड़ापुर चौराहा ग्वालियर पर रखी गई है।

शोकाकुल परिवार : विमलेश रानी अग्रवाल-डॉ.आर.पी. अग्रवाल (माता-पिता), नीलिमा अग्रवाल (पत्नि), आरव अग्रवाल (पुत्र)

एवं समस्त अग्रवाल परिवार मोबा: 98266-80006

नई ऊंचाइयों की ओर मध्यप्रदेश का वस्त्र उद्योग

इन्वेस्ट मध्यप्रदेश उद्योग एवं रोज़गार वर्ष 2025

MPIDC MP INDUSTRIAL DEVELOPMENT CORPORATION LTD.

मैन मेड एवं टेक्निकल

टेक्सटाइल सेमिनार

शुभारंभ

मुख्यमंत्री

डॉ. मोहन यादव

द्वारा

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

"मध्यप्रदेश करेगा अब मैन मेड एण्ड टेक्निकल टेक्सटाइल्स एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल (MATEXIL) के साथ साझेदारी"

प्रमुख टेक्सटाइल हब बनने हेतु ईको सिस्टम

- देश की श्रेष्ठ औद्योगिक प्रोत्साहन एवं वस्त्र नीति
- पीएम-मित्र अंतर्गत धार में प्रधानमंत्री मेगा टेक्सटाइल पार्क को स्वीकृति
- कौशलयुक्त श्रमबल और अत्याधुनिक मशीनीकरण, कपास से लेकर प्रोसेसिंग और सिलाई तक आपूर्ति श्रृंखला
- विश्व स्तरीय औद्योगिक अधोसंरचना और उत्कृष्ट कनेक्टिविटी
- फ्लेक्सिबल इंटरमीडिएट बल्क कंटेनर के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता
- ₹3,000 करोड़ से अधिक का वार्षिक निर्यात सिंथेटिक यार्न, तकनीकी वस्त्र और MMF उत्पादों में दोहराया जाएगा
- सिंथेटिक यार्न, तकनीकी वस्त्र और मैन मेड फाइबर्स उत्पादों को बढ़ावा

16 मई, 2025 । सायं 4:30 बजे

इंदौर मैरियट होटल, इंदौर

सीधा प्रसारण @cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh @Cmmadhypradesh @jansamparkMP JansamparkMP

D11025/25

स्वामित्वधिकारी प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक चन्द्रप्रकाश शिवहरे के लिए मै. गुरुकृपा प्रकाशन प्रेस ,टी.आई.टी कॉम्पलेक्स मुरैना से मुद्रित एवं हिन्दुस्तान एक्सप्रेस परिसर नवीन नगर निगम मुख्यालय के सामने सिटी सेंटर ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। R.N.I. No. MP HIN/2007/ 18763
सम्पादक चन्द्रप्रकाश शिवहरे, स्थानीय संपादक संजय त्रिपाठी सभी विवादों का न्याय क्षेत्र ग्वालियर न्यायालय होगा। फोन: 0751-2234001 मो. 94251-26060, 9425360435